शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 269 | गुवाहाटी | गुरुवार, 27 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

चाय बागान में बम विस्फोट से दहशत, कोई हताहत नहीं पेज 3 | प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगा इफको नैनो डीएपी : शाह पेज 4 | मुख्यमंत्री योगी का कर्नाटक में रोड शो, उमड़ी भीड़ पेज 5 | कौशल रोजगार निगम में कर्मचारियों का किया जा रहा शोषण : विकास गोस्वामी पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

दंतेवाड़ा में नक्सली हमला दस जवान शहीद, ग्यारह मरे

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बुधवार दोपहर को नक्सली हमले में 10 जवान शहीद हो गए। वहीं एक नागरिक भी मारा गया है। सभी जवान डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के हैं। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर जवान सर्चिंग के लिए निकले थे। इसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इसकी चपेट में जवानों का वाहन भी गया। इसमें 10 जवान शहीद हो गए। दूसरी ओर गृहमंत्री अमित शाह ने भी नक्सली हमले को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से बात की है। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। जानकारी के मुताबिक, माओवादी कैडर की मौजूदगी की सूचना पर दंतेवाड़ा से डीआरजी जवानों को रवाना किया गया था। इसके बाद सभी जवान वहां से लौट रहे थे। इसी दौरान घात लगाए नक्सलियों ने अरनपुर मार्ग पर पालनार में ब्लास्ट कर दिया। बताया जा रहा है कि जवान एक प्राइवेट वाहन से निकले थे। हमले में एक नागरिक की भी मौत हुई है। हमले के बाद जवानों की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इसमें कुछ नक्सली भी घायल हुए हैं। मौके पर फोर्स पहुंच गई है। वारदात की पुष्टि आईजी सुंदरराज पी. ने की है। हेड कॉन्सटेबल जोगा सोढी, मुन्ना राम कड़ती, संतोष तामो, नव आरक्षक दुल्गो मण्डावी, लखमू मरकाम, जोगा कवासी, हरिराम मण्डावी, गोपनीय सैनिक

पैसेंजर ट्रेनें रद्द, मालगाड़ियां चलेंगी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बुधवार को नक्सली हमले में 10 डीआरजी जवान शहीद हो गए हैं। इनके अलावा इनकी गाड़ी के ड्राइवर की भी हमले में मौत हुई है। जवानों की टीम बारिश में फंसे सुरक्षा बलों को रेस्क्यू करने जा रही थी। इसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट के जरिए पुलिसकर्मियों के वाहन को उड़ा दिया। नक्सली हमले के बाद रेलवे ने सुरक्षा को देखते हुए दो ट्रेनों को रद्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार, बस्तर में किरंदुल-विशाखापट्टनम पैसेंजर और नाइट एक्सप्रेस ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है। ये दोनों यात्री ट्रेनें आज दंतेवाड़ा से आगे किरंदुल नहीं जाएगी। हालांकि -शेष पृष्ठ दो पर

राजू राम करटम, जयराम पोढियाम और जगदीश कवासी शहीद हुए हैं। इनके साथ ही प्राइवेट वाहन के चालक धनीराम यादव की भी मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि वाहन में 25 से 30 जवान सवार थे। घायल जवानों को जिला अस्पताल लाने के लिए चार एंबुलेंस को घटना स्थल के लिए रवाना किया गया है। घटना के बाद आसपास के एरिया में सर्चिंग तेज कर दी गई है। एसपी भी मौके पर पहुंच गए हैं। बस्तर में नक्सलियों ने इस समय टोसीओसी (टैक्टिकल काउंटर -शेष पृष्ठ दो पर

माकुम में बरामद आईईडी सेना ने किया निष्क्रिय

तिनसुकिया (हि.स.)। तिनसुकिया जिला के माकुम में बुधवार को एक शक्तिशाली आईईडी मिलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस टीम ने इलाके को घेरकर जांच-पड़ताल शुरू की। बाद में सेना के बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को निष्क्रिय कर दिया। सेना ने आज माकुम बाईपास पर फ्लाईओवर के नीचे से करीब एक किग्रा वजनी आईईडी बरामद की। पुलिस एवं सेना ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। सुरक्षा बलों ने बाईपास पर चलने वाले सभी वाहनों को रोक दिया। इसी दौरान सेना के बम निरोधक दस्ते ने आईईडी को एक खाली खेत में ले जाकर निष्क्रिय कर दिया। फ्लाईओवर के नीचे आईईडी को किसने रखा था, इसकी अभी तक -शेष पृष्ठ दो पर

एक और कफ सिरप दूषित : डब्ल्यूएचओ

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में बेचे जाने वाले भारत-निर्मित कफ सिरप के लिए एक और अलर्ट जारी किया है। भारत में उत्पादित दूषित खांसी की दवाई के लिए सात महीने के भीतर यह तीसरा ऐसा अलर्ट है, पिछले मामलों की पहचान गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में की गई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि एक भारतीय कंपनी का कफ सिरप मार्शल आइलैंड्स और माइक्रोनेशिया में दूषित पाया गया है। इसके सेवन से इंसानों की जान को खतरा -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
मनुष्य का जीवन इसलिए है कि वह अत्याचार के खिलाफ लड़े।
- सुभाषचंद्र बोस

न्यूज गैलरी

बाघ के खतरे को लेकर कलियाबर में धारा 144 लागू

नगांव। कोलियाबर में दो शावकों के साथ एक बाघ के प्रवेश करने से खतरे की स्थिति बनी हुई है, जिसके चलते पूरे क्षेत्र में धारा 144 लागू कर दी गई है। यह जानकारी एक सूत्र ने दी। सूत्रों के अनुसार, यह घटना कलियाबोर के सिलघाट इलाके में हुई, जहां बाघ को एक चाय बागान में देखा गया और वह इलाके में घूम रहा था; हालांकि, अभी तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जिला मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी है। मानव जीवन, पशुधन और अन्य घरेलू पशुओं को -शेष पृष्ठ दो पर

मन की बात नागरिक को प्रेरणा देने वाला : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मन की बात देश के हर नागरिक को प्रेरणा देने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में देश के लगभग सभी हिस्से और मुद्दों को लेकर बात की। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने राष्ट्रीय कॉन्क्लेव : मन की बात-100 के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के छोटे-छोटे प्रयासों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में साझा किया। इससे लोगों का उत्साह -शेष पृष्ठ दो पर

जनसंख्या के लिए मुसलमान दोषी असम में डीएनए टेस्ट हो : तोगड़िया

गुवाहाटी। भारत के चीन को पछाड़कर दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने के बाद, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद (एएचपी) के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने आज अल्पसंख्यक (मुस्लिम) समुदाय पर सीधा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भारत की जनसंख्या में वृद्धि का एकमात्र कारण हैं। बुधवार को यहां गुवाहाटी में मीडिया को संबोधित करते हुए तोगड़िया ने कहा कि वर्तमान में, राष्ट्र में हिंदू समुदाय की जनसंख्या वृद्धि नकारात्मक है। बल्कि कुल जनसंख्या का हिंदू प्रतिशत हिस्सा घट गया है। इस प्रकार देश में तीव्र जनसंख्या वृद्धि में हिन्दुओं का कोई योगदान नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

बादल का अंतिम संस्कार आज

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को किन्नू की खेती बेहद पसंद थी। वह मुख्यमंत्री होते हुए भी काफी समय अपने गांव में किन्नू के बाग में व्यतीत करते थे। अब गुरुवार को इसी बाग में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बुधवार को बठिंडा-बादल रोड पर किन्नू के बाग में दो एकड़ में जगह खाली की गई। गांव के श्मशान घाट में जगह कम होने के कारण उनका अंतिम संस्कार खेत में किया जाएगा। इसके लिए खेतों में एक चबूतरा बनाया जा रहा है, जो 50 फीट लंबा, 30 फीट चौड़ा -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी सरनेम मामला : गुजरात हाईकोर्ट की जज ने खुद को किया अलग

अहमदाबाद। गुजरात उच्च न्यायालय की एक न्यायाधीश ने *मोदी उपनाम* को लेकर आपराधिक मानहानि के एक मामले में दोषसिद्धि के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अपील पर सुनवाई से बुधवार को खुद को अलग कर लिया। गांधी ने दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाने के सत्र अदालत के फैसले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। गांधी की ओर से पेश वकील पी. एस. चम्पानेरी ने न्यायमूर्ति गीता गोपी के समक्ष मामले में विशेष उल्लेख किया और इसकी त्वरित सुनवाई का अनुरोध किया। अदालत ने, हालांकि संक्षिप्त सुनवाई के बाद कहा कि मेरे समक्ष (उल्लेख) न करें। चम्पानेरी ने कहा कि अदालत ने बुधवार को इस मामले के उल्लेख की अनुमति उन्हें दी थी, लेकिन जब इसकी सुनवाई शुरू हुई तो न्यायमूर्ति गोपी ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने बताया कि अब इस संबंध में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के -शेष पृष्ठ दो पर

समलैंगिक विवाह का मामला संसद पर छोड़ दें : केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि सेम जेंडर मैरिज को कानूनी मंजूरी देने की मांग वाली याचिकाओं पर उठाए गए सवालों को संसद पर छोड़ने पर विचार किया जाए। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत एक बेहद ही जटिल मुद्दे से निपट रही है, जिसका सामाजिक प्रभाव काफी गहरा है। इसी तुषार मेहता ने कहा कि असम सवाल तो यह है कि शादी आखिर किससे और किसके बीच होगी? इस पर फैसला कौन करेगा। आपको - शेष पृष्ठ दो पर

हमारा लक्ष्य सबका अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वन अर्थ वन हेल्थ- एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 समिट को संबोधित किया। इस सम्मेलन में पश्चिम एशिया, सार्क, आसियान और अफ्रीकी क्षेत्र के प्रतिनिधियों के अलावा कई देशों के स्वास्थ्य मंत्री भाग ले रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति भारत की दृष्टि केवल बीमारी की कमी पर ही नहीं रुकती। रोगों से मुक्त होना कल्याण के मार्ग का एक पड़ाव मात्र है। भारत ने जी-20 की प्रेसीडेंसी वन अर्थ वन हेल्थ वन फ्यूचर की थीम के साथ शुरू की। वन अर्थ वन हेल्थ- एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी का अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण है। हमारा लक्ष्य सभी का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण है। वैक्सीन और दवाओं के माध्यम से जीवन बचाने के महान मिशन में भारत को कई देशों का भागीदार होने पर गर्व है। भारत ने कोविड महामारी के दौरान 30 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज 100 से ज्यादा देशों में मदद के लिए पहुंचाई हैं। यहा हमारी क्षमता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य न केवल हमारे नागरिकों के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और किफायती बनाना है। संस्कृत के एक प्राचीन श्लोक का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने हर किसी के खुश रहने और बीमारियों से मुक्त होने के समावेशी दृष्टिकोण में विश्वास किया है। उन्होंने कहा कि हजारों साल पहले भी जब कोई वैश्विक महामारी नहीं थी, तब भी स्वास्थ्य के लिए भारत का दृष्टिकोण सार्वभौमिक ही था। उन्होंने कहा कि आज जब हम वन अर्थ, वन हेल्थ की बात करते हैं तो यह हमारे -शेष पृष्ठ दो पर

कतर में फंसे नौसेना के जवानों की रिहाई पर केंद्र करे पहल : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को विश्वगुरु बनाने का बड़े-बड़े दावे करते हैं, लेकिन कतर में मौत की सजा का सामना कर रहे भारतीय नौसेना के आठ जांबाजों को बचाने के लिए कोई पहल नहीं करते हैं। खरगे ने कहा कि देश के इन वीर सैनिकों को कतर में कैसे और कब से बंधक बनाया गया है और भारत सरकार उन्हें बचाने के लिए कदम क्यों नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि देश के वीर सैनिकों को रिहा किया जाना चाहिए और इस बारे में प्रधानमंत्री को पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय नौ सेना के आठ पूर्व सैनिकों को पिछले वर्ष अगस्त से कतर में एकांत कारावास में रखा गया है और उन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ रहा है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इन पूर्व सैनिकों पर लगे आरोपों के बारे में कोई जानकारी भारत को अब तक नहीं दी गई है। -शेष पृष्ठ दो पर

कालियागंज हिंसा पर ममता का गंभीर आरोप

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कालियागंज की हिंसा पर कहा कि पुलिस थाने और लोगों की संपत्ति जलाने के लिए बाहरी लोगों को लाया गया। ममता बनर्जी का यह बयान घटना के एक दिन बाद आया है। बताते चलें कि मंगलवार को लड़की की हत्या को लेकर गुस्साए लोगों ने कालियागंज थाने में आग लगा दी थी। ममता ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों की संपत्ति कुर्क की जाएगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में अशांति का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में अराजकता फैलाने की -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटेन की सुरक्षा के लिए चुनौती बना दल खालसा

लंदन। ब्रिटिश राजनीतिक विश्लेषक ने ब्रिटेन की सुरक्षा के लिए दल खालसा को चुनौती बताया है। ब्रिटिश राजनीतिक विश्लेषक क्रिस ब्लैकबर्न ने दल खालसा पर चिंता जताते हुए कहा कि ये पूरे यूरोप में खालिस्तान समर्थकों को बढ़ावा दे रहा है। यूरोप में खालिस्तान आंदोलन के लिए दल खालसा बहुत तेजी से काम कर रहा है। यह कहना सरासर झूठ है कि दल खालसा आंदोलन के नेतृत्व के लिए सहायक नहीं हैं। उन्होंने ट्वीट किया पाकिस्तान से उनके खुले संबंध और उनका कट्टरपंथ मुख्य मुद्दे हैं। उन्होंने ट्वीट में दल खालसा के कार्यक्रमों की तस्वीरें भी पोस्ट कीं जिनमें सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता गुरपतवंत सिंह पन्नून मौजूद थे। क्रिस

के मुताबिक, कई मौकों पर पन्नू को दल खालसा के सदस्यों के साथ जनमत संग्रह के लिए प्रचार करते देखा गया है। उसने भारत के अलावा विदेशों में भी खालिस्तान जनमत संग्रह कराने की कोशिश की है। पन्नू ने अलग-अलग मौकों पर भारत और पंजाब के राजनीतिक नेताओं को धमकी भी दी है। पन्नू अमेरिका स्थित अलगाववादी संगठन एसएफजे के संस्थापकों में से थे, जो *एक अंतर्राष्ट्रीय वकालत और मानवाधिकार समूह* होने का दावा करता है। बता दें कि पिछले कुछ महीनों में ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की पहुंच जगजाहिर हो गई है। फरवरी में, विलियम शॉक्रॉस द्वारा ब्रिटिश काउंटर-एक्सट्रीमिज्म प्रोग्राम, द इंडिपेंडेंट रिव्यू ऑफ प्रिवेंट, ने *यूके के सिख समुदायों से खालिस्तान समर्थक चरमपंथ* की चेतावनी दी थी। शॉक्रॉस ने दर्ज किया कि खालिस्तानी सरकार के खिलाफ ब्रिटेन में सिखों को भड़का रहे थे, गलत सूचना फैला रहे थे कि ब्रिटिश सरकार सिखों का दमन कर रही है और भारत सरकार को भारत में ऐसा करने में मदद कर रही है। शॉक्रॉस ने कहा कि यह भविष्य के लिए संभावित जहरीला -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

पाक को सता रहा एक और सर्जिकल स्ट्राइक का डर : पूर्व राजनयिक

इस्लामाबाद। पुंछ आतंकी हमले को लेकर भारत में एक बार फिर से पाकिस्तान को लेकर गुस्सा है। इस हमले में हमारे 5 जवान शहीद हो गए थे। इसी हमले की जांच लगातार जारी है। इन सब के बीच पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित का बड़ा बयान आया है। पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक अब्दुल बासित इस बात का डर है कि भारत पाकिस्तान पर एक और सर्जिकल स्ट्राइक करेगा। पुंछ आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में जवाबी हमले का डर मंडराने लगा है और यह चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में एक वीडियो में बासित ने कहा कि अब पाकिस्तान में लोग भारत द्वारा एक और सर्जिकल स्ट्राइक या एयर स्ट्राइक के बारे में बात कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि अब वे ऐसा करेंगे क्योंकि वे इस साल एससीओ की बैठक और जी20 की अध्यक्षता कर रहे हैं। जब तक वे जी-20 के अध्यक्ष पद पर हैं, तब तक मुझे भारत से कोई दुस्साहस नहीं दिखता। लेकिन अगले साल चुनावों के दौरान, भारत फिर से ऐसा कर सकता है। यह भारत में चुनाव से ठीक पहले हो सकता है। उन्होंने पुंछ आतंकी हमले पर कहा कि जिसने भी यह किया है, चाहे वह मुजाहिदीन हो या कोई भी, उन्होंने नागरिकों को नहीं, बल्कि सेना को निशाना बनाया है। वे एक वैध संघर्ष में लगे हुए हैं। यदि आप एक आंदोलन कर रहे हैं, तो आप सेना को निशाना बना रहे हैं, लेकिन

नागरिकों को नहीं, अंतर्राष्ट्रीय कानून अनुमति देता है। जाहिर सी बात है कि अब्दुल बासित पुंछ आतंकी हमले को सही ठहराने की कोशिश की है। जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर किए गए हमले में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे एक बड़े अभियान के तहत अभी तक करीब 50 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। यह अभियान मंगलवार को पांचवे दिन भी जारी है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राइफल्स इकाई द्वारा आयोजित इफ्तार के लिए अग्रिम इलाके के एक गांव में फलों और अन्य वस्तुओं को ले जा रहे ट्रक पर गुरुवार की शाम घात लगाकर हमला किया गया था, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए और एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया।

कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान खुलेआम धमकी दे रहे हैं शाह : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि वह धमकी दे रहे हैं जो इस बात का प्रमाण है कि इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी हार रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस शाह के बयान से जुड़ा मुद्दा निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाएगी। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को एक चुनावी सभा में कहा था कि अगर कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य में परिवारवाद की राजनीति चरम पर होगी और वह दंगों की चपेट में रहेगा। शाह ने यह भी कहा था कि कांग्रेस के सरकार बनाने पर राज्य में अभी तक हुआ विकास *रिवर्स गियर* में चला जाएगा। रमेश ने बुधवार को ट्वीट किया, यह खुलेआम धमकाने वाला बयान है। भारत के प्रथम गृह मंत्री (सरदार पटेल) ने जिस संगठन को प्रतिबंधित किया था, उससे संबंध रखने वाले मौजूदा केंद्रीय गृह मंत्री चुनाव प्रचार के दौरान धमकियां दे रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी हार निश्चित नजर आ रही है। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि यह स्पष्ट है कि भाजपा चुनाव हार रही है। कांग्रेस नेतृत्व के चुनाव प्रचार को लेकर जनता की प्रतिक्रिया शानदार रही है। यही बात अमित शाह की 4-आई रणनीति: इन्सल्ट, इनफ्लेम, इन्साइट एंड इन्टीमिडेट (अपमानित करना, भड़काना, उकसाना और धमकाना) का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हम इस विषय को निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाने जा रहे हैं।

पुत्र के सामने पिता की हत्या

कामरूप (हिंस)। कामरूप (ग्रामीण) जिलांतर्गत हाजो के दिहिना इलाके में एक वृद्ध व्यक्ति की हत्या उसके पुत्र के सामने किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस में बुधवार को बताया कि भावेश दास (60) नामक वृद्ध व्यक्ति की हत्या उसके पड़ोस के ही युवक भास्कर दास उर्फ बेहेनो भावेन दास द्वारा की गई है। हत्या की घटना को अंजाम देने के बाद हत्यारा मौके से फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

आधुनिक कोचों के साथ गुवाहाटी-सिकंदराबाद सुपरफास्ट एक्सप्रेस चलाएगी रेलवे

गुवाहाटी। गुरुवार को गुवाहाटी से चलने वाली ट्रेन 12514 गुवाहाटी-सिकंदराबाद साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस और शनिवार को सिकंदराबाद से चलने वाली ट्रेन 12513 सिकंदराबाद-गुवाहाटी साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस आधुनिक एलएचबी रेक के साथ संचालित होगी। ट्रेन संशोधित संरचना के साथ चलेगी जिसमें 22 एलएचबी कोच होंगे। इसमें यात्रियों की सुविधा के लिए एक वातानुकूलित 2-टियर, 5 वातानुकूलित 3-टियर, 12 शयनयान श्रेणी, एक द्वितीय श्रेणी, एक पेंट्री कार और दो जनरेटर सह पावर कार होंगी। बेहतर यात्री अनुभव के लिए एनएफ रेलवे से चलने वाली 31 ट्रेनों को पारंपरिक आईसीएफ से एलएचबी में बदला गया है। सुरक्षा की दृष्टि से भी परेशानी मुक्त यात्रा के लिए संवर्धित यात्री सुविधाओं के साथ एलएचबी कोच अधिक जगहदार और आरामदायक होने के फायदे हैं। हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर और एलएचबी कोचों की बेहतर सस्पेंशन प्रणाली पारंपरिक रेकों की तुलना में यात्रियों के लिए अधिक आरामदायक सवारी सुनिश्चित करती है। प्रत्येक कोच में मॉड्यूलर इंटीरियर होता है जो छत और सामान के रैक और चौड़ी खिड़कियों में प्रकाश व्यवस्था को एकीकृत करता है। सभी एलएचबी कोच नियंत्रित डिस्चार्ज बाथरूम सिस्टम और बायो-टॉयलेट से लैस हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं।

युवक ने की खुदकुशी

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के फकीरगंज इलाके में एक नाबालिक बच्चे द्वारा फंदे से लटक कर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि फकीरगंज के बतलमार इलाके में अबू बकर नामक व्यक्ति के 16 वर्षीय पुत्र लाल मियां ने अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर लिया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत युवक के शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए धुबड़ी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल में भेज दिया है। युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की वजह से पूरे इलाके में मातम छाया हुआ है।

अरुणाचल में सीएसएस की 50 प्रतिशत से अधिक योजनाएं लागू

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय जल शक्ति और जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने आज कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में केंद्र प्रायोजित 50 प्रतिशत से अधिक विभिन्न योजनाएं (सीएसएस) सफलतापूर्वक लागू की गयी हैं। टुटू ने आज (बुधवार) इटानगर के स्टेट गेस्ट हाउस में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए बताया कि वह अरुणाचल प्रदेश में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के सत्यापन के लिए दो दिवसीय दौरे पर आए हैं। उन्होंने कहा कि संबंधित मंत्री और विभाग के साथ सीएसएस की सभी प्रगति रिपोर्ट की जांच की गई और गहन चर्चा की गई है तथा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक भी की गई। टुडू ने कहा, इस ममले पर मैं एक रिपोर्ट तैयार करूंगा और इसे प्रधानमंत्री के कार्यालय में जमा कराउंगा। उन्होंने कहा कि हम राज्य सरकार की मदद करने की कोशिश करेंगे, ताकि सभी योजना को जनता तक पहुंचाया जा सके। यह आश्वासन देते हुए कि जो कुछ भी उनके हाथ में है वह करेंगे। मंत्री ने

राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन (जेजेएम) के कार्यान्वयन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि चूंकि राज्य सरकार ने जेजेएम के तहत 77 प्रतिशत से अधिक गांवों को जोड़ दिया है, इसलिए लंबित योजनाओं पर चर्चा की जाएगी और उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत की जाएगी, लेकिन प्रस्ताव राज्य सरकार से प्राप्त किया जाना चाहिए। भारत सरकार को सूचित करना उत्तर-पूर्वी राज्यों, विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश, जो म्यांमार, चीन और भूटान के साथ सीमा साझा करता है, के प्रति अत्यंत सावधानी बरत रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार धन प्रदान करेगी लेकिन इसका कैसे उपयोग किया जाना है यह राज्य सरकार पर निर्भर है। उन्होंने विकास को एक सतत प्रक्रिया बताते हुए राज्य के नागरिकों से अपील की कि वे सभी प्रकार की विकासात्मक गतिविधियों को चलाने के लिए राज्य सरकार का सहयोग करें।

निर्मल कुमार सेठी स्मृति पुरस्कार प्रदान करेंगे राज्यपाल कटारिया

गुवाहाटी। पूर्वांचल की धरती पर जन्म लेकर जैन धर्म को विश्व पटल पर समादृत करने वाले महासभाध्यक्ष निर्मल कुमार सेठी मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि असम की वाणिज्य नगरी तिनसुकिया में जन्म लेकर देव, शास्त्र, गुरु के अनन्य उपासक, प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धारक निर्मल कुमार सेठी द्वारा लगातार 4 दशकों तक भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में जैन दर्शन, पुरातत्व, जैन एकता के क्षेत्र में दिए गए अतुलनीय योगदान की स्वीकृति स्वरूप महासभा द्वारा उनकी पुण्य तिथि जैन धरोहर दिवस के रूप में मनाने के साथ ही दर्शन व साहित्य तथा कला व पुरातत्व के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले देश के मूर्धन्य विद्वानों को निर्मल कुमार सेठी स्मृति पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई थी। इस वर्ष गुवाहाटी के माछखोवा स्थित आईटी ए सेन्टर में गुरुवार को जैन धरोहर दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें असम के राज्यपाल गुलाब सिंह कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस वर्ष दर्शन व साहित्य के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले दिवंगत भरत कुमार काला, मुम्बई तथा कला व पुरातत्व के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले सुपरिन्टेन्ड आर्कियोलाजिस्ट, मुम्बई, डॉ शुभ मजूमदार को राज्यपाल कटारिया द्वारा ये पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। 28 अप्रैल को ग्वालपाड़ा स्थित श्री सूर्य पहाड़ पर विद्वत गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

दंतेवाड़ा में नक्सली...

अफेंसिव कैंपेन) चला रखी है। इस दौरान नक्सली अक्सर बड़े हमले करते हैं। इसके चलते फोर्स पहले से ही अलर्ट मोड पर है। इसी के तहत जवानों की भी सर्चिंग लगातार जारी है। पिछले सप्ताह बीजापुर कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी के काफिले पर नक्सलियों ने हमला किया था। वह साप्ताहिक बाजार में नुक्कड़ सभा कर लौट रहे थे। इसके तीन दिन बाद नक्सलियों ने प्रेस नोट जारी कर टोसीओसी चलाए जाने की बात कही थी। हालांकि विधायक को निशाना बनाने की बात से इनकार किया था। इससे पहले साल 2021 में अप्रैल माह में ही नक्सलियों ने सबसे बड़ हमला बीजापुर के तर्रेम क्षेत्र के टेकलगुड़ा में किया था। उस समय नक्सलियों ने बीजीएल (बैरल ग्रेनेड लॉन्चर) से हमला किया था। इसमें 22 जवान शहीद हुए थे और 35 से ज्यादा घायल हुए थे। नक्सली हमले के साथ ही जवानों से हथियार भी लूटकर ले गए थे। इसी दौरान नक्सलियों ने सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के जवान राकेश्वर सिंह मन्हास का अपहरण किया था। हालांकि बाद में उसे रिहा कर दिया था। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नक्सली हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने ट्वीट कर बलिदानी जवानों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक ट्वीट में कहा कि दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ पुलिस पर नक्सलियों द्वारा किए गए कायराना हमले से दुखी हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से बात की है और राज्य सरकार को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। शहीद जवानों के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मेरी संवेदनाएं। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्री ने बघेल से बातचीत के दौरान घटनास्थल की ताजा स्थिति का जायजा भी लिया। शाह ने स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री को हरसंभव मदद का आश्वासन भी दिया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने वारदात की पुष्टि करते हुए शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि, इस प्रकार की जानकारी है और यह दुखद है। जो जवान शहीद हुए हैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। यह लड़ाई अंतिम दौर में चल रही है और नक्सलियों को किसी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। हम योजनाबद्ध तरीके से नक्सलवाद को खत्म करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी हमले को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि दंतेवाड़ा के अरनपुर में पुलिस वाहन पर हमला करके नक्सलियों ने कायरता दिखाई है, इस हमले में शहीद हुए हमारे डीआरजी के 10 वीर जवान और 1 ड्राइवर की शहादत को नमन करते हुए मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को श्रीचरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी नक्सली हमले को लेकर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सली हमले में 11 जवानों के शहीद होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं इस तरह की कायरतापूर्ण कार्रवाई की कड़ी निंदा करता हूं। मैं सभी शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और दुख की इस घड़ी में हम सब उनके परिजनों के साथ हैं। जय हिंद।

पैसेंजर ट्रेनें रद्द, मालगाड़ियां ...

किरंदुल से लौह अयस्क लेकर विशाखापट्टनम तक मालगाड़ियों की आवाजाही बरकरार रहेगी। ईको (ईस्ट कोस्ट) रेलवे मंडल ने यात्री ट्रेनों को लेकर आदेश जारी किया है। छत्तीसगढ़ में ये हमला दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र में अरनपुर-समेली के बीच हुआ। सूत्रों के मुताबिक यहां पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ भी हुई है। इसी मुठभेढ़ के दौरान नक्सलियों ने वाहन पर बम फेंका था। आईजी सुंदरराज पी ने कहा- मौके पर वरिष्ठ अफसर भेजे गए हैं। इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है।

माकुम में बरामद...

कोई जानकारी नहीं मिली है। सेना और पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। लंबे समय के बाद राज्य में आईईडी मिलने की जानकारी सामने आई है। बीती देर रात को भी कछार जिला में चाय बागान के अंदर एक सागौन के पेड़ के पास बम विस्फोट किया गया था, जिसमें पेड़ को काफी नुकसान पहुंचा था। राज्य में लगातार दो दिनों में दो अलग-अलग इलाकों में बम मिलने को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

एक और कफ...

हो सकता है। इन रसायनों की पहचान ऑस्ट्रेलिया के नियामक ने की थी। बीते छह अप्रैल को इसकी सूचना डब्ल्यूएचओ को दी गई। अलर्ट में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलिया के थेराप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन की गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाओं द्वारा सीने में बलगम और खांसी को दूर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सिरप गुइफेनेसिन में डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल की अस्वीकार्य मात्रा पाई गई।

जनसंख्या के लिए ...

है। आंकड़ों के अनुसार, हिंदू जनसंख्या वृद्धि दर 1.8 फीसदी है, जबकि अल्पसंख्यक जनसंख्या वृद्धि दर 2.8 फीसदी है। इसका मतलब है कि देश के हर गांव में जनसंख्या का टाइम बम चल रहा है। तोगड़िया ने यह भी दावा किया कि जनसंख्या बम के विस्फोट से अगले 15 से 20 वर्षों में हिंदुओं को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। एएचपी प्रमुख ने आरोप लगाया कि जनसंख्या बम के विस्फोट के परिणामों का पता सबसे पहले असम राज्य में लगाया जाएगा। उन्होंने सख्त जनसंख्या नियंत्रण विधेयक लाने पर भी जोर दिया। जब से अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद का गठन हुआ है, संगठन का केवल एक ही एजेंडा है, जो कि जनसंख्या नियंत्रण विधेयक को लागू करना है। असम के लिए, मैं अगले छह महीनों के भीतर डीएनए परीक्षण के माध्यम से बांग्लादेश मूल के मुस्लिम घुसपैठियों की पहचान करने की भी मांग करता हूं। राज्य सरकार को 1951 की मतदाता सूची के आधार पर इन घुसपैठियों की पहचान करनी चाहिए।

बादल का अंतिम ...

और 5 फीट ऊंचा होगा। इसी चबूतरे पर अंतिम संस्कार किया जाएगा, जिसे बाद में स्मारक में तब्दील कर दिया जाएगा। चबूतरा बनाने के लिए करीब दो एकड़ में लगा किन्नू का बाग उजाड़ दिया गया। बादल के पार्थिव शरीर को चंडीगढ़ स्थित पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखने के बाद बुधवार शाम उनके पैतृक गांव में लाया गया। जहां भारी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की। बादल के पार्थिव शरीर को चंडीगढ़ से सड़क मार्ग से राजपुरा, पटियाला, संगरूर, बठिंडा होते हुए गांव लाया गया।

मोदी सरनेम मामला...

समक्ष एक अनुरोध रखा जाएगा ताकि मामले की सुनवाई के लिए कोई अन्य पीठ का गठन किया जाए। चम्पानेरी ने कहा कि इस मामले का उल्लेख न्यायमूर्ति गोपी की अदालत के समक्ष इसलिए किया गया था क्योंकि उनकी अदालत आपराधिक पुनरीक्षण मामले की सुनवाई करती है। सूरत की एक निचली अदालत ने 23 मार्च को गांधी को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया। दोषसिद्धि के खिलाफ गांधी की याचिका सूरत के सत्र न्यायाधीश ने 20 अप्रैल को खारिज कर दी थी, जिसके खिलाफ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने अब उच्च न्यायालय का रुख किया है।

समलैंगिक विवाह का ...

बता दें कि संविधान पीठ के सदस्यों में न्यायमूर्ति हिमा कोहली, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट भी शामिल हैं। तुषार मेहता ने कहा कि इसका कई अन्य कानूनों पर भी प्रभाव पड़ेगा, जिसको लेकर समाज में और विभिन्न राज्य विधानसभाओं में भी बहस की जरूरत होगी। मामले की सुनवाई चल रही है। सेम जेंडर मैरिज से जुड़ी याचिकाओं की चौथे दिन हाइब्रिड तरीके से सुनवाई हुई थी, क्योंकि न्यायमूर्ति एस आर कोरोना की चपेट में आ गए थे। ऐसे में चौथे दिन न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एस आर भट वर्चुअल तरीके से शामिल हुए थे। प्रधान न्यायाधीश ने खुद इसकी जानकारी दी थी। इस मामले की सुनवाई के पहले दिन 18 अप्रैल को केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि अदालत इस सवाल पर विचार कर सकती है या नहीं, इस पर प्रारंभिक आपत्ति पहले सुनी जानी चाहिए।

हमारा लक्ष्य सबका ...

काम में भी झलकता है। इसके अलावा हमारी दृष्टि केवल मनुष्यों तक ही सीमित नहीं है। यह हमारे पूरे पारिस्थितिकी तंत्र तक फैला हुआ है। पौधों से लेकर जानवरों तक, मिट्टी से लेकर नदियों तक, जब हमारे आसपास सब कुछ स्वस्थ होगा, तभी हम भी स्वस्थ हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बैठक भारत की जी-20 की अध्यक्षता की थीम से मेल खाती है और कई देशों के सैकड़ों प्रतिभागी इसमें भाग ले रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि सदी में एक बार आने वाली महामारी ने दुनिया को कई सच्चाइयों की याद दिला दी। इसने हमें दिखाया कि गहराई से जुड़ी दुनिया में, सीमाएं स्वास्थ्य से जुड़े खतरों को रोक नहीं सकती हैं। संकट के समय, दुनिया ने यह भी देखा कि कैसे वैश्विक दक्षिण के देशों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और यहां तक कि संसाधनों तक से वंचित होना पड़ा। पीएम मोदी ने कहा कि प्रतिभा, प्रौद्योगिकी, ट्रैक रिकॉर्ड और परंपरा के अलावा भारत में एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली है जो सस्ती और सुलभ है। यह घर में हमारे प्रयासों में देखा जा सकता है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा कवरेज योजना है। आयुष्मान भारत पहल में 500 मिलियन से अधिक लोगों को मुफ्त चिकित्सा उपचार के साथ कवर किया गया है। 40 मिलियन से अधिक लोग पहले ही कैशलेस और पेपरलेस तरीके से सेवाओं का लाभ उठा चुके हैं। इससे हमारे नागरिकों के लिए पहले ही लगभग 7 अरब डॉलर की बचत हुई है।

कालियागंज हिंसा पर...

साजिश को विफल करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पश्चिम बंगाल के कालियागंज में लड़की की मौत और मंगलवार को हुई आगजनी, दोनों घटनाओं की जांच करेंगे। पश्चिम बंगाल के उत्तरी दिनाजपुर के कालियागंज में गुस्साए लोगों ने थाने में आग लगा दी। भीड़ ने नाबालिग बच्ची की मौत से गुस्सा होकर यह कदम उठाया। कुछ दिन पहले भी इस घटना को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया था। आग लगाने की घटना के बाद कलियागंज थाने के आसपास बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। मंगलवार को यह घटना उस वक्त हुई जब रायगंज में भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने के पहुंचे। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में मंगलवार को फिर से जिले में पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव करने के लिए भाजपा द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई। पुलिस ने कानून व्यवस्था को बहाल करने के लिए पत्थरबाजी करने वालों को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज भी किया। कालियागंज में शुक्रवार और शनिवार को तालाब किनारे किशोरी का शव मिलने के बाद हिंसा हुई थी। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के कलियागंज थाना क्षेत्र के साहेबघाटा गांव में किशोरी के साथ दुष्कर्म और हत्या के शुरुआती आरोपों के बीच हिंसा भड़क उठी। हालात पर काबू पाने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसबल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही हिंसा भड़क गई और साक्ष्य को सुरक्षित रखने के लिए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कोशिश की।

ब्रिटेन की सुरक्षा के...

संयोजन था। 2019 में, भारत ने एसएफजे पर उसकी अलगाववादी गतिविधियों के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। यह अलगाववादी अभियान रेफरेंडम 2020 से जुड़ा है, जिसने पंजाब को भारतीय कब्जे से मुक्त करने की मांग की थी। गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत एसएफजे पर प्रतिबंध लगाने वाली गृह मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि सिखों के लिए तथाकथित जनमत संग्रह की आड़ में, एसएफजे वास्तव में पंजाब में अलगाववाद और उग्रवादी विचारधारा का समर्थन कर रहा है, जबकि विदेशी धरती पर सुरक्षित ठिकानों से काम कर रहा है। एसएफजे अन्य देशों में शत्रुतापूर्ण ताकतों द्वारा सक्रिय रूप से समर्थित है। भारत में एसएफजे और पन्नू के खिलाफ लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं, जिनमें पंजाब में देशद्रोह के तीन मामले शामिल हैं। यूरोपियन आई ऑन रेडिकलाइजेशन की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों द्वारा हिंसा में हालिया उछाल ब्रिटेन के लिए सुरक्षा चुनौतियां पैदा कर रहा है, साथ ही देश में सिखों को कट्टरपंथी बना रहा है। ब्रिटेन ने सिख चरमपंथियों के एक गुट, खालिस्तान समर्थकों द्वारा हाल ही में गतिविधि में वृद्धि देखी है।

मन की बात ...

बढ़ा। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी ने आकाशवाणी को फिर से लोगों के बीच लोकप्रिय बना दिया। उन्होंने आगे कहा कि निन्यानवे मन की बात कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी कर चुके हैं, लेकिन उन्होंने इस कार्यक्रम में एक भी बात राजनीतिक की नहीं की। उनकी इस संवाद शैली का पूरा देश कायल है। आगे गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण से देश को मुक्त कराया। पहले पद्म पुरस्कारों पर राजनीति होती थी, लेकिन आज समाज में अच्छे काम करने वालों को यह पुरस्कार पारदर्शी तरीके से दिया जा रहा है। शाह ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम 23 भाषाओं और 29 बोलियों सहित 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित किया जाता है। कोरोना महामारी के खिलाफ दुनिया की सरकारों ने लड़ाई लड़ी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह लड़ाई देश की जनता के साथ मिलकर लड़ी, इसलिए हम जीत गए। आगे उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम में 700 लोग और 270 संगठनों के कार्यों को साझा किया। इससे लोगों में कुछ करने की उम्मीद जगी है। इस कार्यक्रम के जरिये कोरोना वारियर्स का मनोबल बढ़ाया। कुपोषण माह मनाने से लेकर विकलांग को दिव्यांग कहकर उन्हें आदर दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्मारक डाक टिकट व सिक्के का भी विमोचन किया।

कतर में फंसे ...

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार का यह एक तरह का समर्पण है और उनका यह रुख भारत को *विश्वगुरु* बनाने के उनके बड़े बड़े दावों की पोल खोलता है। भारत और कतर इस साल राजनयिक संबंधों के 50वें वर्ष का जश्न मना रहे हैं। कतर में बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी समुदाय है। खरगे ने कहा कहा कि मोदी को इन सैनिकों की जान बचाने के लिए कतर के प्रधानमंत्री से बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी जी, फीफा विश्व कप पर शुभकामनाएं देने के लिए कतर के प्रधानमंत्री को फोन करते हैं, लेकिन हमारे बहादुर सैनिकों के बहुमूल्य जीवन को बचाने के लिए हस्तक्षेप नहीं कर सकते हैं।

बाघ के खतरे को ...

होने वाले नुकसान की आशंका के कारण एहतियात के तौर पर इस क्षेत्र के पास और अंदर व्यक्तियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। हालांकि अब तक किसी मौत की कोई सूचना नहीं है। बाघ व शावकों के पकड़े जाने तक यह निर्देश प्रभावी रहेगा। कहा जाता है कि वन विभाग ने जानवरों को पकड़ने के लिए कोई प्रयास नहीं किया या कोई कार्रवाई नहीं की।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल एकादश अध्याय

(ब्रह्म-वृक्ष)

साक्षी रूप प्रकाश है, भोक्ता बन्धन आव।
एक लेप निर्लेप है, भेद दोय दोय भाव॥ 05॥

शब्दार्थ : (साक्षी) द्रष्टा (लेप) लिप्त (निर्लेप) अलेप, असंग।

भाष्य : एक पक्षी अर्थात परब्रह्म प्रकृतिरूपी वृक्ष के फल को खाने वाली आत्मा को देखता है। फल को खाने वाली आत्मा उसके मोह-बंधन में पड़ती है। एक जीवात्मा उस प्रकृतिरूपी विषय में लिप्त है और दूसरा परब्रह्म असंग, निर्लिप्त है। दोनों के दो भेद हैं। दोनों दो भाव में रहकर अपना कार्य करते हैं। जीव और ब्रह्म दोनों दो वस्तु हैं और एक दूसरे से भिन्न हैं। दोनों में किसी का कोई कारण नहीं, क्योंकि नित्य अनादि पदार्थ कूटस्थ हैं। प्रकृति त्रिगुणयुक्त-प्रवाह रूप से नित्य है। इसमें ह्रास-विकास हुआ करता है।

सद्गुरु अलख लखाइया, आप आप दरशाय।
बीज वृक्ष विस्तार में, महिमा आप जनाय॥ 06॥

शब्दार्थ : (अलख) जो भौतिक चक्षु से देखने में न आवे (आप) शुद्ध चेतनस्वरूप आत्मा (आप) शुद्ध सच्चिदानंदस्वरूप परब्रह्म (महिमा) महत्व।

भाष्य : सद्गुरु प्रकृतिपार चेतन दृष्टि से परब्रह्म का साक्षात्कार कराते हैं। सद्गुरु अनन्यशरण या सुपात्र उत्तराधिकारी को वे अपनी चेतनप्रभा देकर यौगिक ऊर्ध्व-प्रवाह को खोल देते हैं, जिसके द्वारा चेतन परब्रह्म का प्रकाश-द्वार और अक्षर का दिव्य-प्रकाश अनुभव में प्रत्यक्ष हो जाता है। इसी को **अलख-लखाना** कहते हैं। यह कार्य सद्गुरु का है और इसके द्वारा उत्तराधिकारी या अनन्यशरण, अधीन दास का परम कल्याण होता है और महान सद्गुरु का परिचय प्राप्त हो जाता है। इसी कार्य को करने वाले सत्पुरुष को सद्गुरु कहते हैं। परब्रह्म की प्राप्ति सद्गुरु द्वारा होती है। जब वे अपनी चेतनप्रभा शिरोव्रत अधिकारी में फेंककर उसके अज्ञान-अंधकार को नष्ट कर ऊर्ध्वमूल के ऊपरी प्रकाश को दिखला देते हैं, जीवात्मा को यह ब्रह्मप्रभा जब प्राप्त होती है, तब आत्मा सुख-शांति और ज्ञान-विज्ञान को प्राप्त करती है। बीज वृक्ष विस्तार के स्वरूप में ब्रह्मविद्या का विवेक मार्ग दोहे में बतलाया गया हैं।

चाय बागान में बम विस्फोट से दहशत, कोई हताहत नहीं

कछार (हिंस)। जिले के सोनाई-मोतीनगर पीडब्ल्यूडी रोड से लगभग 50-60 मीटर की दूरी पर रहमान नगर टी एस्टेट चाय बागान के मुख्य प्रवेश मार्ग पर मंगलवार रात लगभग 9.30 बजे एक बम विस्फोट से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। इस विस्फोट में कोई हताहत नहीं हुआ है। ड्यूटी पर मौजूद ऑफिस सिक्योरिटी गार्ड और एस्टेट के कर्मचारियों ने विस्फोट की पुष्टि की है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया है कि विस्फोट की तेज आवाज लगभग तीन किमी दूर तक सुनी गई। रहमान नगर टी एस्टेट के मालिक जियाउर रहमान बरलस्कर ने बताया है कि

घटना की जानकारी तुरंत कोचुडोरम पुलिस स्टेशन को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर प्रभारी अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बताया है कि विस्फोट के चलते मेरे और चाय बागान में रहने वाले लोगों की सुरक्षा चिंता का विषय है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस की टीम ने मौका मुआयना कर अपनी जांच आरंभ कर दिया है। चाय बागान इलाके में किए गए बम विस्फोट के पीछे का क्या उद्देश्य था, और किसी व्यक्ति या किसी संगठन ने इस घटना को अंजाम दिया है, इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पायी है।

रिश्वत लेने के आरोप में पुलिस चौकी प्रभारी निलंबित

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिला के बिहपुरिया थाना अंतर्गत बोंगालमोरा पुलिस चौकी प्रभारी को रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित किया गया है। इसकी जानकारी राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने ट्वीट कर बुधवार को दी। डीजीपी ने बताया है कि सोशल मीडिया में प्राथमिकी दर्ज कराने पहुंची एक व्यक्ति से रिश्वत लिए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बिहपुरिया थाना अंतर्गत बोंगालमोरा पुलिस चौकी प्रभारी का वीडियो कथित तौर पर रिश्वत स्वीकार करते वायरल हुआ है। इसके मद्देनजर लखीमपुर पुलिस अधीक्षक को उक्त अधिकारी को निलंबित करने, जांच करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

राज्यपाल ने असम राजीव गांधी सहकारिता एवं प्रबंधन विश्वविद्यालय का किया दौरा

शिवसागर (हिंस)। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने बुधवार को शिवसागर के असम राजीव गांधी सहकारिता और प्रबंधन विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्होंने सहकारी और प्रबंधन कौशल के महत्व पर जोर दिया, जो आज की दुनिया में समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं। राज्यपाल कटारिया ने संस्थान के कुलपति, प्रशासनिक अधिकारियों और संकाय सदस्यों के बैठक की। इस बैठक में वीसी प्रो. देवव्रत दास ने वित्तीय अनुदान से लेकर पाठ्यक्रम, भर्ती, छात्र प्रवेश और अनुसंधान गतिविधियों तक, विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। राज्यपाल कटारिया ने स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में शिवसागर जिले की अनुकरणीय स्थिति की सराहना की और विश्वविद्यालय में अपने विषयों के पाठ्यक्रमों को आगे बढ़ाने की अपार क्षमता पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने देश के इस हिस्से में सहकारी शिक्षा के परिदृश्य को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के साथ काम करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में उन्होंने केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के सभी कुलपतियों के साथ बैठक करने का फैसला किया है, ताकि उनकी सभी कमियों को दूर किया जा सके और उन्हें समय की आवश्यकता के अनुसार अत्याधुनिक निर्देश

प्रदान करने में मदद मिल सके। उन्होंने विश्वविद्यालयों को अपने समर्थन का आश्वासन दिया और राज्य में उच्च शिक्षा के दायरे को मजबूत करने के संबंध में उनकी दृष्टि को आगे बढ़ाने में मदद की। राज्यपाल ने असम राजीव गांधी सहकारिता और प्रबंधन विश्वविद्यालय के कुलपति को विश्वविद्यालय के भविष्य के रोडमैप के बारे में एक व्यापक रिपोर्ट भेजने के लिए कहा। उन्होंने बैठक में लोगों से कठिन समय में भी लगन से विश्वविद्यालय की सेवा करने और प्रेरित रहने का आग्रह किया। उनका मानना था कि उनकी निरंतरता और कड़ी मेहनत आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएगी।

कोकराझाड़ : दीवार ढहकर घर पर गिरने से दंपत्ति गंभीर रूप से घायल

कोकराझाड़ (विभास)। दीवार ढहने से दबकर दंपत्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर दंपत्ति को फिलहाल कोकराझाड़ जिले के आरएनबी सिविल हस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह लगभग 11.30 बजे फकीराग्राम थानांतर्गत वार्ड नंबर 6 स्थित शिव मंदिर इलाके में बिनोद कुमार अगरवाल (कालिया) नामक व्यक्ति के राइस मिल का दीवार ढहकर पास में स्थित घर में जा गिरा। जिससे घर पूरी तरह टूट चुका । घर में मौजूद साहेब हुसैन (49) और उसकी पत्नी ज्यादा खातून (40) घर के नीचे दब गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फकीराग्राम पुलिस और फकीराग्राम म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमेन सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने स्थानीय लोगों की मदद से दंपत्ति को बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

हिरण के मांस के साथ दो गिरफ्तार

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिला के डिगबोई इलाके से वन विभाग की टीम ने हिरण के मांस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। वन विभाग ने बुधवार को बताया कि वन विभाग की एक टीम ने पानबाड़ी बनगांव इलाके में अभियान चलाकर हिरण के मांस के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों की पहचान राम आरेया और राजू नाग के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरितोंपी के पास से पके हुए हिरण के मांस को बरामद किया गया है। वन विभाग इस संबंध में वन अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

मायुमं की नगांव शाखा का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

विनीत मोर अध्यक्ष और नारायण पारीक ने संभाला सचिव का पदभार

नगांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाखा का 38वां शपथ ग्रहण समारोह शनि मंदिर रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर विवाह भवन में मंगलवार को सायं 6.30 बजे से संपन्न हुआ। मंच संचालन करते हुए चाहत पोद्दार एवं खुशबू दुगड़ ने सर्वप्रथम नगांव शाखा की अध्यक्ष नीतू पोद्दार के साथ मंच की मंडल ई की मंडलीय उपाध्यक्ष पूनम पांडेय, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खट्टेड, शाखा सचिव करण अग्रवाल को मंचासीन करवाया एवं सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम सभी ने सामुहिक रूप से असम का जातीय गीत ओ मूर अपूनार देश का गायन किया गया। सभी अतिथियों का असम की संस्कृति फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया, साथ ही शाखा के पृष्ठ पोषक जगदीश लोहिया, महेंद्र करवा, एवं राजेंद्र प्रसाद मुंदड़ा के साथ शाखा सलाहकार संजय गाड़ोदिया एवं संजय पोद्दार का भी फुलाम गमछा से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित गुवाहाटी से पधारे प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य राहुल चमडिया एवं नगांव

शाखा से प्रांतीय पदाधिकारी विवेक तोदी, अरुण नागरका, पंकज गाड़ोदिया, चाहत पोद्दार, करण अग्रवाल का भी अभिनंदन किया गया। शाखा अध्यक्ष नीतू पोद्दार ने स्वागत भाषण प्रस्तुत कर सभी का अभिनंदन करते हुए अपने कार्यकाल में हुए कार्यों का संक्षिप्त विवरण सभा के समक्ष रखा एवं सत्र 2022 - 23 में उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें मिले सहयोग हेतु सदस्यों के बीच अध्यक्षीय पुरस्कारो का वितरण किया। पत्रकारिता के क्षेत्र में सहयोग हेतु नगांव के वरिष्ठ पत्रकार अजित माहेश्वरी के साथ रविंद्र शाह, विकास शर्मा, एवं असम समाचार को शाखा अध्यक्ष द्वारा मोमेंटो प्रदान कर व पत्रकार वैद्यनाथ साहनी को फुलाम गोमछा से सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्ष विनीत मोर को तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मंच पर आमंत्रित किया गया एवं प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुराणा द्वारा उन्हें शपथ पाठ करवाया गया। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा, नगांव समृद्धि शाखा, नगांव राजस्थानी युवक संघ, अग्रवाल सभा, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, नगांव जिला महेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला समिति, नगांव पारीक, दाधिच परिषद, नगांव के अतिरिक्त समाज की विभिन्न संस्थाओं द्वारा नये अध्यक्ष का अभिनंदन किया गया। विनीत मोर ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए सभी का शपथ पाठ तीन चरणों में मंडली उपाध्यक्ष पूनम पांडेय एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रितेश खट्टेड द्वारा करवाया। नई कार्यकारिणी में मनीष गाड़ोदिया, डिंपल शर्मा एवं करण अग्रवाल को उपाध्यक्ष, नारायण पारीक को शाखा सचिव, अमन खेतावत को कोषाध्यक्ष, यश तोदी को संयुक्त सचिव का भार देते हुए कार्यकारिणी समिति में विवेक तोदी, नितिन मुंदड़ा, पंकज गाड़ोदिया, नंदा मोर, रजत केजरीवाल, चाहत पोद्दार, विनायक अग्रवाल, गौतम मुंदड़ा, नीतू सोलंकी, प्रियंका पारीक, पिंकी कनोई, शिल्पा भरतीया, अंकित खेतावत, शंकर प्रजापत, सूरज अजितसरिया, मनीष अग्रवाल एवं अमित शर्मा को लिया है। वही स्थाई आमंत्रित सदस्य में सिद्धार्थ गुनेचा, उदय सेठिया, गौरव सेठिया, हर्ष शर्मा, विशाल झंवर निशु भड़ेच, रोहित अग्रवाल, दीपमाला बोकडिया, रितु कुहाड, दिव्या वर्मा, राजू राजपुरोहित, मनोज मंगलुनिया, आयुष भरतीया को सम्मिलित किया है। सलाहकार के रूप में कैलाश खेतान, सुनील सरावगी, संजय गाड़ोदिया एवं निर्मला आलमपुरिया को नियुक्त किया है। नई शाखा अध्यक्ष ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी 1 वर्ष के कार्यकाल के दौरान उनकी कई महत्वपूर्ण योजनाएं हैं जिन पर वे कार्य करते हुए शाखा को आगे लेकर जाएंगे और जल्द ही दो स्थाई अमृतधारा लगाने की घोषणा उन्होंने की। इस अवसर पर शाखा सदस्यों की यूनिफार्म हेतु एक टी-शर्ट बेच एवं फ्री विलियंस कार्ड का लोकार्पण किया। इस कार्ड द्वारा विभिन्न क्षेत्र में सदस्यों को डिस्काउंट प्राप्त होगा। प्रान्तीय महामंत्री सुभाष सुराणा ने सभा को संबोधित करते हुए मंच की गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी दी एवं सचिव से आग्रह किया कि वे मासिक रिपोर्ट समय पर प्रेषितकरते रहें। मंडलीय उपाध्यक्षा पूनम पांडेय ने अपने संबोधन में नगांव शाखा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सराहना करते हुए आगे भी मंडल एवं प्रांत स्तर पर कार्यक्रम करने हेतु सुझाव दिया, पूर्व अध्यक्ष रितेश खट्टेड ने युवा भवन के निर्माण एवं अन्य कार्यक्रमों से सभा को अवगत कराया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन नए शाखा सचिव नारायण पारीक द्वारा प्रस्तुत किया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं का तीन दिवसीय विरोध-प्रदर्शन खत्म

बाक्सा (हिंस)। असम राज्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं का तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन आज खत्म हो गया। आंदोलनकारियों की मांगों में मुख्य रूप से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को मानदेय के बदले वेतन देने, सरकारी दर्जा प्रदान करने, वेतन नहीं दिए जाने तक प्रति माह 10 हजार रुपए का भुगतान करना शामिल है। दूसरी ओर मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को पूर्ण केंद्रों में बदलने और मिनी केंद्रों में काम करने वालों को पदोन्नत करने की मांग की गई है। आंदोलनकारियों ने सरकार से उपरोक्त मांगों को जल्द से जल्द पूरा करने की अपील की। राज्य के अन्य हिस्सों के साथ-साथ आज भी बाक्सा जिला के तामुलपुर और नागरीजुली एकीकृत बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय के सामने तामुलपुर और नागरीजुली के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अलग-अलग विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आज अंतिम दिन विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि अगर हमारी मांग पूरी नहीं हुई, तो वह भविष्य में आंदोलन और तेज किया जाएगा।

शिशु निकेतन एचएस स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। नारायण नगर स्थित शिशु निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में बुधवार को बहाग बिहू के उपलक्ष में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने बिहू नृत्य सहित सांस्कृतिक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया। इस मौके पर जानीमानी असमिया गायिका अरुंधति बेजबरुवा सहित विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, सोनाराम उच्च माध्यमिक एवं दिगंबर जैन महाविद्यालय की प्रधानाचार्य भी मौजूद थी। सभी अतिथियों का स्वागत असम के प्रतीकात्मक फूलाम गामोछा से किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि गणों सहित विद्यालय के प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य द्वारा दीप प्रज्ज्वलित व ध्वजारोहण कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाला ने अपने संबोधन में सभी को बहाग बिहू की शुभकामनाएं

देते हुए असम के सबसे बड़े त्योहार बहाग बिहू के आयोजन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में बच्चों द्वारा पारंपरिक बहाग बिहू के अनुरूप सजाया। साथ ही एक संक्षिप्त प्रदर्शनी के माध्यम से असम के पारंपरिक खान-पान, वाद्य यंत्र, जीव-जंतु, बर्तन, परिधान आदि को दर्शाया गया, जिसकी सभी से खुले दिल से प्रशंसा की। तत्पश्चात रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आरंभ विद्यार्थियों द्वारा एक असमिया संगीत द्वारा किया गया। इसके साथ ही विभिन्न वर्गों के विद्यार्थियों तथा शिक्षिकाओं द्वारा बिहू नृत्य सहित देश के अन्य प्रांतों के लोकनृत्य का बेजोड़ प्रदर्शन किया गया। इस आयोजन में विद्यालय के बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित गायिका श्रीमती अरुंधति बेजबरुआ ने अपने बिहू गीतों से सभी को बहाग के रंग में रंग दिया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती रीना भौमिक ने बताया कि बच्चों को असम के पारंपरिक लोकनृत्य से अवगत कराने के लिए गत 7 से 24 अप्रैल तक विद्यालय में बिहू कार्यशाला का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विद्यालय के उपप्राचार्य सरबरी दास ने विद्यालय प्रबंधन समिति, अतिथि, छात्र-छात्राओं व शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

होजाई : सभी दवाई दुकानों में सीसीटीवी लगाने का निर्देश जारी

होजाई (होसं)। एच एंड एक्स ड्रग्स बिक्री के लिए अब सभी दुकानों में सीसीटीवा लगाना आवश्यक हो गया। आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उक्त निर्णय लिया गया। मिली जानकारी के अनुसार होजाई जिले के अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी तथा होजाई महकमाधिपति लाचित कुमार दास ने भादवि की धारा के 133 धारा4 के तहत सभी दवाई की दुकानों सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए निर्देश जारी किए। वहीं इस निर्देश को न मानने वालों के खिलाफ कानूनी कार्वाई किए जाने की बात कही।

अमृतसेम ने प्रदान किया शांति पुरस्कार

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर की अग्रणी सीमेंट निर्माताओं में से एक, अमृतसेम ने हाल ही में हाजी मुसाफिर खाना परिसर में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के बारह योग्य व्यक्तियों को शांति पुरस्कार-2023 प्रदान किए। द पीस अवार्ड्स की परिकल्पना वर्ष 2018 में अग्रणी डिजिटल मीडिया अउटलेट, टाइम 8 के सहयोग से की गई थी। हर साल यह पुरस्कार जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न योग्य व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने समाज में बेहतरी और सकारात्मक बदलाव के लिए योगदान दिया है। पुरस्कार समारोह की राज्य सभा

सांसद अजीत कुमार भुइयां, वरिष्ठ अधिवक्ता नेकीबुर जमान, अमृतसेम के वरिष्ठ प्रबंधक-तकनीकी सेवाएं शैलेंद्र दत्ता, टाइम 8 के संपादक अनुपम चक्रवर्ती आदि मौजूद थे। इस दौरान शांति पुरस्कार, 2023 तपन कुमार शर्मा, एम कमालुद्दीन अहमद, नूर मोहम्मद, अख्तर हुसैन, सत्येन शर्मा, तैजुद्दीन अहमद, अनीसुज जमान, डॉ उपेन राभा हकाचम, नुरुल हक, परेश बरुवा और हाजी मुसाफिर खाना ट्रस्ट बोर्ड को दिए गए। इस संदर्भ में अमृत सीमेंट के प्रबंध निदेशक प्रदीप बागला ने कहा कि अमृत सीमेंट परिवार हमेशा ऐसी नेक पहल का समर्थन करेगा जो लोगों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अथक परिश्रम करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

राज्य में पहली बार खुला बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ का सेंटर

गुवाहाटी। सीके बिरला हेल्थकेयर ने असम में अपना विस्तृत फर्टिलिटी सेंटर, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ पुष्पांजलि आर्केड, एबीसी बस स्टॉप, गुवाहाटी, में शुरू किया है। राज्य में यह बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ का पहला सेंटर है, जो फर्टिलिटी की समस्या से पीड़ित दंपत्तियों को किफायती और पारदर्शी पैकेज में भरोसेमंद इलाज प्रदान करेगा, ताकि उन्हें विश्वसनीय और संवेदनापूर्ण इलाज की सुविधा मिल सके। गुवाहाटी में यह बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ का देश का 15वां सेंटर है, जिसके बाद यह फर्टिलिटी चेन अहमदाबाद, जयपुर, चंडीगढ़, इंदौर और आगरा जैसे अन्य बड़े शहरों में विस्तार की योजना बना रही है। वर्तमान में इस फर्टिलिटी चेन के सेंटर दिल्ली, गुरुग्राम, कोलकाता, लखनऊ, वाराणसी, पटना, भुवनेश्वर, और गोरखपुर आदि जगहों पर हैं, और अहमदाबाद, जयपुर, चंडीगढ़, इंदौर और आगरा सहित अन्य बड़े शहरों और कस्बों में इसकी स्तिार की योजना है। बिरला फर्टिलिटी एवं आईवीएफ में थोड़े से समय में ही सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त हुए हैं, और प्रिग्नेंसी की 75 प्रतिशत सफलता दर के साथ 95प्रतिशत से ज्यादा पेशेंट संतुष्टि

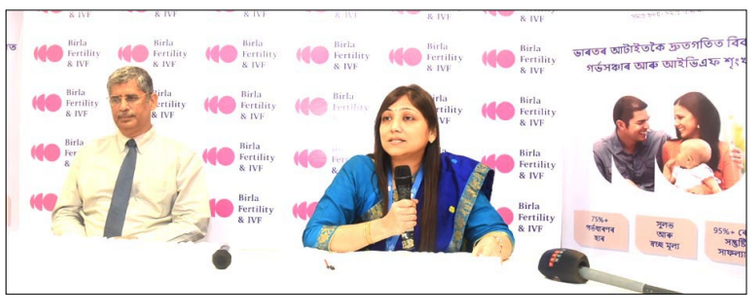

स्कोर मिला है। बिरला फर्टिलिटी एवं आईवीएफ के माध्यम से सीके बिरला समूह का उद्देश्य फर्टिलिटी केयर में ग्लोबल लीडर बनना और शानदार क्लिनिकल परिणाम, शोध एवं नवीनता द्वारा फर्टिलिटी के भविष्य को उज्जवल बनाना है। डॉ. प्रोफेसर (कर्नल) पंकज तलवार, वीएसएम, डायरेक्टर, मेडिकल सर्विसेज, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने कहा कि भारत में 28 मिलियन दंपत्तियों को प्रजनन संबंधी कोई न कोई समस्या होती है, लेकिन फिर भी अपनी समस्या के लिए मेडिकल परामर्श लेने 1 प्रतिशत से भी कम लोग ही पहुंचते हैं। इसका मुख्य कारण है इस मामले में जागरुकता की कमी। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ में हम जागरुकता बढ़ाते हुए फर्टिलिटी का किफायती व भरोसेमंद इलाज प्रदान करते हैं। आम धारणा के विपरीत फर्टिलिटी से महिला और पुरुष दोनों ही प्रभावित होते हैं। हम इस मामले में जागरुकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हम एडवांस्ड फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन तकनीकें उपलब्ध कराते हैं, जिनका उपयोग व्यक्तिगत या फिर किसी बीमारी के कारण किया जाता है। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ में काम करने वाली टीम दक्षिणपूर्व एशिया में ओवेरियन कॉर्टेक्स टिश्यू फ्रीजिंग में अग्रणी है और कैंसर मरीजों को फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन की आधुनिक विधियां उपलब्ध कराती है। डॉ. कल्पना जैन, कंसल्टैंट, बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, गुवाहाटी ने कहा कि हम एक ही जगह मल्टीडिसिप्लिनरी इलाज द्वारा दंपत्तियों के प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार लाने के लिए अद्वितीय विधि से इलाज करते हैं। हमारे आधुनिक और विस्तृत इलाजों, आधुनिक सुविधाओं और अनुभवी मेडिकल टीम के साथ बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ में महिलाओं और पुरुषों को फर्टिलिटी और आईवीएफ से संबंधित हर सेवा प्राप्त होती है। फर्टिलिटी एक्सपर्ट्स की मदद करने के लिए यहां पर न्यूट्रिशनिस्ट, काउंसलर्स, एंडोक्राईनोलॉजिस्ट्स, और एंड्रोलॉजिस्ट्स की पूरी टीम मौजूद है। गुवाहाटी में हमारा नया सेंटर दंपत्तियों को उनके ही शहर में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराएगा। हमारा किफायती पैकेज फर्टिलिटी का इलाज सभी की पहुंच में लाएगा। यह सेंटर न केवल गुवाहाटी, बल्कि जोरहत, डिब्रुगढ़, मोरीगांव, नागांव, नलबाड़ी, सिलचर, डिफू तिनसुकिया और शिलांग जैसे नजदीकी क्षेत्रों और नगालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश और अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों में मरीजों को सेवाएं देगा और फर्टिलिटी के विश्वस्तरीय इलाज को सभी की पहुंच में लाएगा।

No. MCH/HMS/2023/290/38,

NOTICE INVITING E-TENDER

E-Tenders are invited in two bid system i.e., Technical Bid and Financial Bid, affixing court fee of Rs.8.25/- (Rupees Eight and Twenty Five Paise) only(for local bidders) or IPO of Rs. 10/- (Rupees Ten) only (in case of bidders from outside of the State of Assam) in favour of the **"Member Secretary, Hospital Management Society, Gauhati Medical College Hospital, Guwahati-781032"** are hereby invited from the intending resourceful laboratories/Diagnostic centres for empanelment for laboratory investigations not available in housein GMCH, Guwahati.

Important details of the E-Tender :

Date of publication & download : 25/04/2023 at 04:00 PM.
Date of Pre Bid meeting : 29/04/2023 at 03.00 PM.
Bid Submission Start Date : 06/05/2023 at 02:00 PM.
Bid Submission End Date : 16/05/2023 at 01.00 P.M.
Bid Opening : 16/05/2023 at 02.00 P.M.
Tender Fess : Rs. 2000/- (Rupees Two Thousand Only) (Through online mode only)
EMD : Rs. 20,000/- (Twenty Thousand Only) (Through online mode only)
All other relevant information and the detailed Bid Documents are available on website www.assamtenders.gov.in.

Superintendent,
-cum-
Member Secretary, HMS
Gauhati Medical College Hospital,
Guwahati-32

-- Janasanyog /C/1411/23

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देगा इफको नैनो डीएपी : शाह

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि इफको नैनो डीएपी (तरह) प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के साथ ही कृषि लागत को कम करेगा। वे बुधवार को इफको नैनो डीएपी (तरह) का शुभारंभ करते हुए अपने विचार रख रहे थे। इस दौरान केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि नैनो डीएपी तरल और नैनो यूरिया तरल कृषि क्षेत्र को मजबूत करेगा। इससे खाद की खपत कम होगी और किसान समृद्ध होगा। आगे उन्होंने कहा कि नैनो डीएपी (तरह) और नैनो यूरिया (तरह) के आने से यूरिया की खपत में 14 फीसदी की कमी आई है और डीएपी की खपत में पहले 06 फीसदी और फिर 20 फीसदी कम करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी संदर्भ में आगे उन्होंने कहा कि दोनों नैनो खाद किसानों की लागत को कम करेंगी। इससे गेहूं की लागत में छह फीसदी की कमी आएगी, जबकि आलू और गन्ने की लागत में 20 फीसदी की कमी आएगी। शाह ने कहा कि इफको नैनो डीएपी (तरल) फर्टिलाइजर क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की शुरूआत है। अभी देश में 384 लाख मीट्रिक टन फर्टिलाइजर का उत्पादन होता है। इसमें से 132 लाख मीट्रिक टन सहकारी संस्थाएं उत्पादन करती हैं, जिसमें इफको ने अकेले 90 लाख मीट्रिक टन खाद का उत्पादन किया है। उल्लेखनीय है कि इफको नैनो यूरिया (तरल) पहले ही लॉन्च कर चुकी है। आज केन्द्रीय मंत्री शाह ने इफको नैनो डीएपी (तरल) को भी लॉन्च किया। इफको का कहना है कि संस्थान की ओर से तैयार किए गए दोनों नैनो उर्वरक फसल की उपज और गुणवत्ता बढ़ाने में सक्षम है। 50 किलो की एक डीएपी की बोरी पर 4000 रुपये की लागत आती है, जिसे किसानों को सरकार 1,350 रुपये में उपलब्ध कराती है। इसी 50 किलों वाली बोरी को इफको 500 एमएल की बोतल नैनो डीएपी लिक्विड फर्टिलाइजर के तौर पर अब उपलब्ध करवाने जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे चंडीगढ़, प्रकाश सिंह बादल को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के निधन के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें श्रद्धांजलि भेंट करने के लिए चंडीगढ़ पहुंचे। प्रधानमंत्री अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में बदलाव करके चंडीगढ़ पहुंचे। यहां हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल व पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने प्रधानमंत्री मोदी की अगवानी की। प्रधानमंत्री चंडीगढ़ स्थित टेक्निकल एयरपोर्ट से सीधे अकाली दल कार्यालय पहुंचे और यहां प्रकाश सिंह बादल के अंतिम दर्शन के बाद सुखबीर बादल व अन्य परिजनों से मिले। प्रधानमंत्री ने बादल परिवार के साथ करीब दस मिनट का समय व्यतीत किया। प्रकाश सिंह बादल का मंगलवार की रात मोहाली के फोर्टिस हार्ट अस्पताल में निधन हो गया था। बादल के निधन के बाद बुधवार की सुबह उनका पार्थिव शरीर चंडीगढ़ स्थित अकाली दल मुख्यालय में रखा गया। जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रकाश सिंह बादल के अंतिम दर्शन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्टल, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला, पटियाला की सांसद परनीत कौर, हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता, पंजाब भाजपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा, केंद्रीय मंत्री सोम प्रकाश, पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरपाल चीमा और हरजोत बैंस ने उन्हें श्रद्धांजलि भेंट की।

बादल को श्रद्धांजलि भेंट कर भावुक हुए चौटाला - बादल और चौटाला की दोस्ती हरियाणा व पंजाब की राजनीति में एक मिसाल रही है। स्वर्गीय देवीलाल ने प्रकाश सिंह बादल की बेटी का कन्यादान किया था। दोनों परिवारों में जब-जब राजनीतिक संकट आया तो बादल व चौटाला ने एक-दूसरे का साथ दिया। सक्रिय राजनीति से बाहर होने के बाद बादल व चौटाला पिछले दो सालों से अक्सर तेजा खेड़ा फार्म हाउस पर इकट्ठा होते थे। बुधवार को प्रकाश सिंह बादल को श्रद्धांजलि भेंट करने के बाद ओम प्रकाश चौटाला भावुक हो गए और अपने आंसू को रोक नहीं पाए।

'मन की बात' जन आंदोलनों का अग्रदूत है : उपराष्ट्रपति

अजय कुमार

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि मन की बात जन आंदोलनों का अग्रदूत है। जनता कर्फ्यू हो या कोरोना योद्धाओं का उत्साहवर्धन मन की बात ने इस लड़ाई को जन आंदोलन का रूप दे दिया। मन की बात का ही करिश्मा था कि प्रधानमंत्री के एक आह्वान पर कोरोना महामारी के दौरान जनता कर्फ्यू लग गया और लोगों ने पूरा सहयोग दिया। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर की उपस्थिति में मन की बात @100 पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति ने मन की बात कार्यक्रम को देश में नकारात्मक माहौल में कमी लाने और सकारात्मक भाव में वृद्धि लाने का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि विजयादशमी के पावन अवसर पर साल 2014 में प्रधानमंत्री ने मन की बात की एक नायाब शुरूआत की। उनके मन की बात हर आदमी के दिल की बात बन गई। मन की बात के पिछले एपिसोड ज्ञान बढ़ाने, प्रेरित करने और भारतीय इतिहास व संस्कृति की समृद्धि से रूबरू करवाने वाले हैं। इस दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रसार भारती के पूर्व सीईओ एस.एस. वेम्पती द्वारा लिखित कलेक्टिव स्पिरिट, कंक्रीट एक्शन' नामक पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से की गई बातचीत के आकर्षक पहलुओं का दस्तावेजीकरण करती है। उपराष्ट्रपति ने कॉफी टेबल बुक माई डियर फेलो सिटीजन्स/मेरे प्यारे देशवासियो... का भी विमोचन किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से प्रकाशित की गई पुस्तक प्रधानमंत्री के प्रतिष्ठित रेडियो कार्यक्रम मन की बात में उल्लिखित 100 से अधिक प्रेरक कहानियों की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति ने पूरी तरह से अराजनैतिक होने के लिए मन की बात कार्यक्रम की प्रशंसा की और 100 एपिसोड की उपलब्धि को सराहा। उन्होंने मन की बात को हमारी सभ्यतागत लोकाचार का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने कहा कि अब नारी शक्ति के लिए सबसे अच्छा समय है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश अपने योगदान को भूल चुका था और उस भावना को पुनर्जीवित करने में मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री का योगदान उल्लेखनीय है।

दुबई-दिल्ली उड़ान घटना की जांच पूरी होने तक चालक दल को डीजीसीए ने निलंबित किया

- एयर इंडिया की फ्लाइट में 27 फरवरी को हुई थी घटना

नई दिल्ली, (हि.स.)। एयर इंडिया की दुबई-दिल्ली फ्लाइट में हुई घटना की जांच कर रहे नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया को जांच पूरी होने तक पूरे परिचालक दल को हटाने की निर्देश दिया है। दुबई-दिल्ली उड़ान के दौरान 27 फरवरी को एक पायलट की महिला मित्र को कॉकपिट में ले जाने की शिकायत चालक दल के एक सदस्य ने डीजीसीए से शिकायत की थी। डीजीसीए के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि प्रथम दृष्टया इस मामले में केबिन-क्रू की कोई भूमिका नहीं दिख रही है, लेकिन जांच पूरी होने तक इस उड़ान के पूरे परिचालक दल की सेवा निलंबित रखी जाएगी। अधिकारी के मुताबिक फ्लाइट से संबंधित पायलट को अपना पक्ष रखने का मौका दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं आ जाता, तब तक पायलट की सेवाएं भी निलंबित रहेंगी। डीजीसीए टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया की दुबई-दिल्ली उड़ान के दौरान एक पायलट की महिला मित्र को कॉकपिट में ले जाने की अनुमति देने की घटना की जांच कर रहा है।

केजरीवाल के बंगले के रेनोवेशन पर 45 करोड़ खर्च, भाजपा ने मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी बंगले के रेनोवेशन पर 45 करोड़ रुपये खर्च होने का खुलासा होने पर भाजपा ने मोर्चा खोल दिया। भाजपा प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में केजरीवाल से फौरन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा यह केवल एक महाराज और उनके महल के रेनोवेशन की कहानी नहीं है। यह महाराज की मानसिकता के रेनोवेशन की कहानी है। यह कुछ नहीं लूंगा से सब कुछ लूट लूंगा, कुछ नहीं छोड़ूंगा का सफर है। यहर महाराज में आए परिवर्तन की कहानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने मीडिया को यह खबर रोकने के लिए 20 से 50 करोड़ रुपये देने का प्रलोभन दिया। पात्रा ने बावजूद इसके खबर का प्रकाशन करने के लिए मीडिया की प्रशंसा की। पात्रा ने कहा महाराज के महल में 8-8 लाख रुपये के परदे लगाए गए। यह वो लोग हैं जो शपथ लेने ऑटो में लटक कर पहुंचे थे। कहते थे कि हम गाड़ी नहीं लेंगे। घर नहीं लेंगे। पात्रा ने कहा कि 1 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक का तो इनके घर में मार्बल लगा है। यह मार्बल भी वियतनाम से मंगवाया गया है। भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का यह महल उस समय रेनोवेट हो रहा था जब दिल्ली में कोरोना से हाहाकार मचा था। कोरोना काल में ऑक्सीजन के टैंकर अस्पतालों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। मरीजों को बेड नहीं मिल पा रहे थे, क्योंकि केजरीवाल अपने महल के रेनोवेशन में व्यस्त थे।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर कोर्ट 28 अप्रैल को सुनाएगा फैसला

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज एमके नागपाल ने आबकारी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला टाल दिया है। कोर्ट ने 28 अप्रैल को फैसला सुनाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 18 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सिसोदिया मंत्री समूह के मुखिया थे और कैबिनेट के बारे में उनको सारी जानकारी थी। वे आबकारी नीति के बदलाव में मुख्य भूमिका में थे। नीति में फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत ली गई। मंत्री समूह की बैठक में लाइसेंस फीस और प्रॉफिट मार्जिन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान 5 अप्रैल को सिसोदिया की ओर से कहा गया था कि सिसोदिया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला ही नहीं बनता है। ईडी का पूरा केस सीबीआई के केस पर आधारित है। सिसोदिया ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 3 के तहत किसी भी तरह का अपराध नहीं किया। कोर्ट को यह देखना होगा कि क्या धारा 3 के तहत कोई उल्लंघन किया गया है। सिसोदिया की ओर से कहा गया था कि दूसरी एजेंसियां पहले ही इस मामले की जांच कर रही हैं। सिसोदिया के वकील ने कहा कि ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे यह पता चल सके कि सिसोदिया ने मनी लॉन्ड्रिंग का अपराध किया हो या उसमें शामिल हों। कथित अपराध की आय का एक भी पैसा सिसोदिया या उनके परिवार के किसी सदस्य के बैंक खाते में नहीं आया। उसका मनी लॉन्ड्रिंग के अपराध से कोई लेना देना नहीं है। जांच एजेंसी के अधिकारी अपनी सुविधा के अनुसार सिसोदिया के खिलाफ आरोप लगा रहे हैं।

केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तीन तलाक कानून को बताया समय की जरूरत

सुप्रीम कोर्ट में कई मुस्लिम संगठनों ने तीन तलाक कानून को दी है चुनौती

नई दिल्ली, (हि.स.)। तीन तलाक पर बने कानून को चुनौती देने के मामले में केंद्र सरकार ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पूरी तरह अमल सुनिश्चित करने के लिए कानून वक्त की जरूरत थी, ऐसे केस में 3 साल तक की सजा से तीन तलाक को रोकने में मदद मिली है। केंद्र सरकार ने कहा है कि तीन तलाक को असंवैधानिक घोषित किये जाने के बावजूद अभी भी पूरी तरह इस पर रोक नहीं लग पाई है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में कहा है कि कोर्ट के फैसले के बाद भी देशभर में सैकड़ों की संख्या में तीन तलाक के केस सामने आए हैं। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने ट्रिपल तलाक कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। बोर्ड ने कहा है कि तलाक-ए-बिद्दत को अपराध बनाना असंवैधानिक है।

इस मसले पर जमीयत-उलेमा-ए-हिंद समेत 3 याचिकाएं पहले से लंबित हैं। इन पर कोर्ट ने 13 सितंबर 2019 को नोटिस जारी किया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ वकील सलमान खुर्शीद ने कहा था कि जिस प्रथा को सुप्रीम कोर्ट रद्द घोषित कर चुका है, उसके लिए सजा का प्रावधान क्यों किया गया है। उन्होंने कहा था कि तीन साल की सजा वाला सख्त कानून परिवार के हित में नहीं है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका में ट्रिपल तलाक के कानून पर रोक लगाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि ट्रिपल तलाक को रोकने वाला हालिया कानून संविधान की मूल भावना के अनुरूप नहीं है।

वकील एजाज मकबूल के जरिये दायर याचिका में इस कानून पर रोक लगाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि इस कानून को लागू करने के लिए ऐसी कोई परिस्थिति नहीं थी क्योंकि ऐसे तलाक को सुप्रीम कोर्ट पहले ही असंवैधानिक घोषित कर चुका है। याचिका में कहा गया है कि इस्लामिक कानून के मुताबिक शादी एक दीवानी कांट्रैक्ट है और तलाक के जरिये उस कांट्रैक्ट को खत्म किया जाता है। इसलिए दीवानी गलतियों के लिए फौजदारी उत्तरदायित्व तय करना मुस्लिम पुरुषों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि एक्ट की धारा 4 के मुताबिक 3 साल की कैद का प्रावधान काफी ज्यादा है, क्योंकि इससे गंभीर मामलों में भी उससे कम की सजा का प्रावधान है। एक्ट की धारा 7 के मुताबिक इसे गैर जमानती अपराध माना गया है, जबकि उससे गंभीर अपराधों जैसे अपहरण इत्यादि जमानती हैं।

देश में कोरोना के 9,629 नए मरीज, 19 की मौत

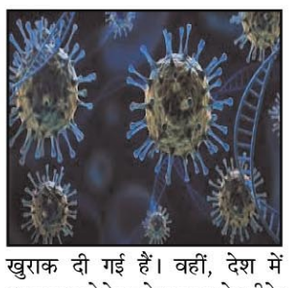

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 9,629 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में कोरोना वायरस से संक्रमित 19 मरीजों की मौत हो गई। वहीं 11,967 मरीज स्वस्थ हुए। अब तक 4,43,23,045 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और रिकवरी रेट 98.67 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी आंकड़े के अनुसार फिलहाल देश में एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 61,013 हो गई है, जबकि दैनिक संक्रमण दर 5.38 प्रतिशत है। टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 5,407 खुराक दी गई हैं। वहीं, देश में अबतक कोरोना से बचाव के टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 1,79,031 लोगों की जांच की गई। जबकि अबतक कुल 92.58 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है।

डॉ शैली ओबरॉय मेयर और आले मोहम्मद इकबाल डिप्टी मेयर निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली, (हि.स.)। भाजपा ने मेयर-डिप्टी मेयर के चुनाव में अंतिम समय पर नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद आप उम्मीदवार डॉ शैली ओबरॉय निर्विरोध मेयर और आले मोहम्मद इकबाल डिप्टी मेयर चुने गए। मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के विजन को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष तरीके से सदन को चलाएंगे। डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 गारंटियों को पूरा किया जाएगा। नेता सदन मुकेश गोयल ने कहा कि भाजपा के पार्षदों का फर्ज बनता है कि वो राजनीति ना खेलें बल्कि दिल्ली की समस्याओं को दूर करने के लिए साथ दें। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के निर्विरोध मेयर-डिप्टी मेयर बनने के बाद सिविक सेंटर में वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने मेयर डॉ शैली ओबरॉय के साथ महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। दुर्गेश पाठक ने कहा कि पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने आम आदमी पार्टी के सामने सरेंडर कर दिया है। दुर्गेश पाठक ने भाजपा पर कटाक्ष किया कि इनके अंदर मेयर-डिप्टी मेयर का चुनाव लड़ने की क्षमता खत्म हो गई है। हमारे सभी पार्षदों को दस-दस करोड़ रुपए और अमित शाह से मीटिंग का ऑफर दिया गया, ताकि किसी तरह से टूट जाएं। भाजपा ने हमारे पार्षदों को तोड़ने के लिए दिल्ली पुलिस का सहारा भी लिया। जब सारे षड्यंत्र फेल हो गए तो नामांकन वापस ले लिया। नव-निर्वाचित मेयर डॉ शैली ओबरॉय ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आभार प्रकट करती हूं जिन्होंने मुझे फिर से मेयर पद का उम्मीदवार बनाया। आम आदमी पार्टी के पार्षद, विधायक, सांसद, कार्यकर्ता और दिल्ली की जनता की भी आभारी हूं, जिन्होंने मुझे मेयर बनाने का फैसला किया। दिल्ली की जनता के जो सपने हैं उन्हें पूरा करने के लिए यह जिम्मेदारी दोबारा मिली है। सभी को आश्वस्त करती हूं कि जो जिम्मेदारी आज फिर से मिली है, उसे ईमानदारी और साफ नियत से पूरा करूंगी। दिल्ली की जनता की बेहतर स्कूल, अस्पताल, पार्क आदि उम्मीदों को पूरा किया जाएगा। इसके अलावा नगर निगम के कर्मचारियों की तनख्वाह सहित अन्य मुद्दों को पूरा किया जाएगा। सीएम अरविंद केजरीवाल के विजन को पूरा करने के लिए मिलकर काम करेंगे। हम राजनीति से ऊपर उठकर निष्पक्ष तरीके से सदन को चलाएंगे। डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की जनता का आभार, जिन्होंने दोबारा मुझ पर विश्वास जताया है। दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाते हैं कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 10 गारंटियों को पूरा किया जाएगा। जिस तरह से पूरी दुनिया में दिल्ली सरकार के स्कूल अस्पताल लोकप्रिय हैं, उसी तरह से दिल्ली नगर निगम के भी स्कूल अस्पताल होंगे। दिल्ली की जनता ने जो सपने देखें हैं, उनको पूरा करना हमारी अहम जिम्मेदारी है। दिल्ली नगर निगम के दरवाजे अब आम जनता के लिए खुल गए हैं।

दिल्ली हाई कोर्ट का निर्देश- दिल्ली की निचली अदालतों में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

- दिल्ली पुलिस और बार एसोसिएशन से मांगे सुरक्षा इंतजामों पर सुझाव

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और बार एसोसिएशन को निर्देश दिया है कि दिल्ली की निचली अदालतों के अंदर सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर बैठक करें। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की अध्यक्षता वाली बेंच ने दो सप्ताह के अंदर बैठक कर सुरक्षा इंतजामों पर सुझाव देने का निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने हाल ही में साकेत कोर्ट में हुई गोलीबारी पर गौर करते हुए यह आदेश जारी किया। इससे पहले 24 सितंबर, 2021 को रोहिणी कोर्ट रूम में फायरिंग हुई थी, जिसमें गैंगस्टर जितेंद्र गोगी की मौके पर मौत हो गई। रोहिणी कोर्ट के कोर्ट नंबर 207 में एडिशनल सेशंस जज गगनदीप सिंह की कोर्ट में ये घटना घटी थी। वकील की वर्दी में आये दो लोगों ने गैंगस्टर जितेंद्र गोगी पर गोलियां चलाई थीं। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की फायरिंग में दोनों हमलावर भी मारे गए थे। इस घटना के बाद 9 दिसंबर को रोहिणी कोर्ट में कम तीव्रता वाला धमाका हुआ था। इन घटनाओं पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को निर्देश दिया था कि वे दिल्ली हाईकोर्ट और निचली अदालतों का सुरक्षा आडिट करें। कोर्ट ने निर्देश दिया था कि अदालतों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की टीम गठित की जाए। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश वकील संतोष त्रिपाठी ने कहा कि दिल्ली पुलिस जांच में काफी सहयोग कर रही है। अदालत परिसर में ज्यादा से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। दिल्ली सरकार ने 13 दिसंबर, 2022 को बार एसोसिएशंस और भवन सुरक्षा समितियों की बैठक के आधार पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की थी।

FIR दर्ज न करने वाले पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर हो: स्वाति मालीवाल

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बुधवार को मांग की है कि महिला रेसलर की यौन शोषण की शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज न करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए। विशेष पुलिस आयुक्त (महिला सुरक्षा) को लिखे पत्र में स्वाति मालीवाल ने कहा कि यह काफी गंभीर मामला है। पांच दिन पहले शिकायत किए जाने के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। पुलिस अधिकारियों को इस मामले की जांच करनी चाहिए कि आखिर क्या कारण है कि लिखित शिकायत के बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। मालीवाल ने कहा कि इस बीच आयोग को महिला रेसलरों की एक और शिकायत मिली है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि एक द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच और हरियाणा रेसलिंग एसोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी शिकायत करने वाली महिला कोच को और उनके घर वालों को फोन करके धमकी दे रहे हैं। मालीवाल ने कहा कि रेसलर फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दिए जाने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की है। यह गंभीर मामला है कि पीड़िता की शिकायत के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। डीसीडब्ल्यू ने कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ कई लड़कियों ने यौन शोषण की शिकायत की है, इनमें एक नाबालिग लड़की भी शामिल है।

इन सभी रेसलर ने बृजभूषण सिंह के रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष रहने के दौरान योग शोषण किए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द महिला रिश्वत की शिकायत पर आईपीसी और पोक्सो के तहत मामला दर्ज करना चाहिए। इसके साथ ही उन अफसरों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए जिन्होंने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है। मालीवाल ने कहा है कि पीड़ित रेसलर ने आयोग को बताया कि 21 अप्रैल को उन्होंने कनॉट प्लेस थाने में बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दी थी, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं की गई। 22 अप्रैल को जब पीड़िता ने फोन कर एसएचओ से एफआईआर दर्ज करने के बारे में जानकारी लेनी चाही तो उन्होंने कहा कि अभी शिकायत पर सोमवार के बाद ही कोई कार्रवाई होगी। एसएचओ ने कहा कि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि सोमवार को एफआईआर दर्ज की जाएगी, थाने में शिकायत देने के बाद से ही स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट में तैनात एक आईपीएस की ओर से पीड़ितों के घरवालों को फोन आने लगे हैं और उन्हें परेशान किया जाने लगा है।

बुलेट ट्रेन सेवा से भी जुड़ेगा उप्र का मेडिकल डिवाइस पार्क

लखनऊ, (हि.स.)। योगी आदित्यनाथ सरकार उत्तर प्रदेश को मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री का हब बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। गौतमबुद्ध नगर में यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी के सेक्टर 28 में 350 एकड़ में बन रहे मेडिकल डिवाइस पार्क को बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी। जहां मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, ट्रांसपोर्ट नगर ही नहीं बुलेट ट्रेन की कनेक्टिविटी के साथ भी जोड़े जाने की तैयारी है। मेडिकल डिवाइस पार्क के लिए अबतक 59 भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। वहीं बुधवार को 26 आवंटियों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी की ओर से आवंटन पत्र व चेकलिस्ट और लीज प्लान सौंपे गये हैं। यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि भूखंडों के आवंटियों के साथ एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें उन्हें भूमि आवंटन से संबंधित पत्र सौंपे गये हैं। उन्होंने बताया कि मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इस मेडिकल डिवाइसेज पार्क को विश्व स्तरीय सुविधा संपन्न बनाने पर तेज गति से काम हो रहा है। पार्क में भारत सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स की ओर से एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल की स्थापना भी की जा रही है। इससे इंडस्ट्रियलिस्ट्स को अब एक्सपोर्ट डॉक्यूमेंटेशन, एक्सपोर्ट ग्रांट, एमएआई ग्रांट आदि कार्यों के लिए कहीं और जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके लिए एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का निर्माण कार्य भी प्राधिकरण ने प्रारम्भ कर दिया है। इसके अलावा प्राधिकरण का यह क्षेत्र बेहतर रोड, मेट्रो, हाईवे, पोड टैक्सी और बुलेट ट्रेन से भी कनेक्टेड होने जा रहा है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार यहां कॉमन हाइड्रैंट फैसिलिटी की सुविधा प्रदान की जाएगी। हाईवे पर साइनेज की व्यवस्था करने के लिए महाप्रबंधक परियोजना को निर्देशित किया गया है। साथ ही आवंटियों को अवगत कराया गया है कि इस योजना के निकटवर्ती गांवों में और प्राधिकरण क्षेत्र में बने सेक्टर में आवासीय सुविधा उपलब्ध है। प्राधिकरण द्वारा सेक्टर 33 में ट्रांसपोर्ट नगर की योजना लायी जा रही है। उससे ट्रांसपोर्टेशन की सुविधा भी इस मेडिकल डिवाइसेज पार्क को मिल जाएगी। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में फंक्शनल होने पर औद्योगिक इकाइयों को भी अलग से आरक्षण का लाभ मिलता है। प्राधिकरण की ओर से इस सेक्टर में एक पुलिस थाना अथवा चौकी की स्थापना करवायी जाएगी। प्राधिकरण सेक्टर 28 में दो फ़्लैटेड फैक्ट्री का निर्माण भी करवाएगा। इससे कम बजट वाले उद्योगपतियों को भी किराये पर फैक्ट्री लगाने व अपना बिजनेस शुरू करने में मदद मिलेगी। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी उद्योगपतियों को भरोसा दिलाया है कि वह अपनी किसी भी समस्या के समाधान के लिए प्राधिकरण में मिलने आ सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी का कर्नाटक में रोड शो, उमड़ी भीड़

- विधानसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में किया प्रचार

मांड्या, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को विधानसभा चुनाव का प्रचार करने के लिए कर्नाटक पहुंचे। भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में उन्होंने रोड शो और सभाएं कर जनता से समर्थन मांगा। उनके रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। मुख्यमंत्री योगी ने मांड्या की एक जनसभा में कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती से यहां आकर मैं आप सबका अभिनंदन करता हूं। उत्तर प्रदेश और कर्नाटक का संबंध त्रेतायुग से है। भगवान राम के वनवास के समय उन्हें बजरंगबली यहीं कर्नाटक में मिले थे। यह अभिन्न मित्रता है। यह भक्त और स्वामी का संबंध है। यह संबंधों की व्यवस्था वहीं से है। इसीलिए मेरी आत्मीयता यहां से रहती है। उन्होंने कहा कि मांड्या कुंभ का आयोजन यहीं हुआ था। मुझे आना था लेकिन उप्र में बाढ़ की स्थिति की वजह से नहीं आ सका। यह आयोजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने वाला था। आज दुनिया में भारत का नागरिक कहीं भी जाता है, सम्मान पाता है। आजादी के अमृतकाल में भारत दुनिया के 20 बड़े राष्ट्रों की अध्यक्षता जी-20 के माध्यम से कर रहा है। योगी ने कहा कि कांग्रेस विकास की बात करती है। उनका प्रोजेक्ट पंचवर्षीय योजना के आधार पर बनता था। योजना कभी नहीं पूरी होती थी। आज प्रधानमंत्री मोदी अगर कोई शिलान्यास करते हैं तो उद्घाटन की तारीख तय हो जाती है। वही उद्घाटन भी करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां के किसान एक समय बदहाल थे। आत्महत्या करने को मजबूर थे। आज किसानों को प्रधानमंत्री मोदी से सम्मान मिल रहा है। मुझे लोग पूछते हैं कि उत्तर प्रदेश में आपको सम्मान क्यों मिलता है। मैं यही कहता हूं कि वहां डबल इंजन की सरकार काम कर रही है। आज उत्तर प्रदेश में नो कर्फ्यू, नो दंगा, वहां सब है चंगा। यह डबल इंजन की सरकार ही है जिसने कर्नाटक में पीएफआई जैसे संगठन पर बैन लगा दिया। आप यहां पर डबल इंजन की सरकार फिर से लाइये। **अयोध्या आने का न्योता** - मुख्यमंत्री योगी ने कहा, मैं आपको आमंत्रित करने आया हूं। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर निर्माण हो रहा है। आपने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन में योगदान दिया था। जनवरी 2024 में मंदिर निर्माण कार्य पूरा हो चुका होगा। रामलला 500 वर्ष बाद पहली बार अपने मंदिर में विराजमान होंगे। हर भारतवासी के लिए यह गौरव की बात होगी। मैं आज यहां आप सभी बजरंगबली के अनुयाइयों को आमंत्रित करने आया हूं। रामलला के मंदिर में मैं आपके स्वागत की तैयारी कर रहा हूं। आप आइये, कर्नाटक सरकार ने कहा था कि अयोध्या में उन्हे गेस्ट हाऊस बनाना है। हमने कर्नाटक में गेस्ट हाऊस के लिए जमीन आवंटित कर दी है।

भाजपा स्मार्ट हो गई लेकिन शहर स्मार्ट नहीं हुए : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर जाति-धर्म के आधार पर और कानून की धज्जियां उड़ा कर हो रहा है। समाजवादियों को सरकार से लड़ना है। डीएम–एसपी से लड़ना है। इनके पैसे से लड़ना है और इनके टीवी-चैनलों से लड़ना है। सोचो कितना कड़ा मुकाबला है। भाजपा स्मार्ट हो गई लेकिन शहर स्मार्ट नहीं हुए। यह आरोप उत्तर प्रदेश में चल रहे नगरीय निकाय चुनाव के बीच गाजियाबाद दौरे पर पहुंचे समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगाए। अखिलेश ने बुधवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए पत्रकारों से कहा कि इनसे स्वास्थ्य सेवाओं पर पूछोगे तो यह तमंचा बोलेंगे, इनसे पूछो कि आपने वादा किया था कि पढ़ाई सस्ती होगी तो बोलेंगे तमंचा, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट नहीं कर पाए तो

तमंचा, नदियां साफ नहीं कर पाए तो तमंचा। महंगाई, बेरोजगारी की बात करो तो कहेंगे तमंचा। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारी बनाई साइकिल ट्रैक बर्बाद कर दी। महंगाई पर भाजपा नहीं बोलती है। सिलेंडर से लेकर दाल तक महंगी हो गई। महंगाई, बेरोजगारी चरम सीमा पर पहुंच गई है। किसी निजी स्कूल की फीस कम हो गई। सड़कों से सांड नहीं हटा पा रहे हैं। शहरों को कोई सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि लखनऊ जैसी राजधानी से समाजवादियों का काम हटा दो तो क्या मिलेगा वहां? भाजपा वाले बताएं यहां पर एक ऑटो वाले को पुलिस ने पीट-पीटकर मार दिया था, क्या उसकी सरकार ने सहायता की? अखिलेश ने जनता से निकाय चुनाव में पार्टी के उम्मीदवारों को वोट देकर जीताने की अपील की।

क्रांति दिवस पर मेरठ में होगा भव्य कार्यक्रम, आ सकते हैं प्रधानमंत्री

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 10 मई को शुरू हुआ था। इस बार 10 मई क्रांति दिवस पर मेरठ कैंट में तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की संभावना है। इसे लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेरठ कैंट में 10 मई क्रांति दिवस को यादगार तरीके से मनाने के लिए तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की संभावना है। इसे लेकर मेरठ में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मेरठ कैंट बोर्ड ने दस मई से पहले कैंट बोर्ड की प्रमुख सड़कों के गड्ढे भरने का निर्णय लिया गया है। कैंट बोर्ड के

अध्यक्ष ब्रिगेडियर राजीव कुमार ने माल रोड, रेस रोड और सप्लाई डिपो के पास डेयरी फार्म रोड की मरम्मत समय से कराने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री के आगमन की संभावना को देखते हुए सभी सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। जल्दी ही एग्रीमेंट की प्रक्रिया पूरी करके मरम्मत कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नाराज त्यागी समाज ने मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष को भेजा ज्ञापन

मेरठ, (हि.स.)। नगर निकाय चुनाव में त्यागी समाज ने अपनी उपेक्षा का आरोप लगाकर भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नगर निगम में एक भी वार्ड से त्यागी समाज को टिकट नहीं मिलने पर अखिल भारतीय त्यागी महासभा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह को ज्ञापन भेजकर आक्रोश जताया है। अखिल भारतीय त्यागी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश त्यागी और प्रवक्ता राहुल त्यागी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह को ज्ञापन भेजकर त्यागी समाज को नगर निगम में टिकट नहीं मिलने पर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि त्यागी समाज लंबे समय से भाजपा का समर्थक रहा है। इसके बाद भी

भाजपा सरकार द्वारा लगातार त्यागी समाज की उपेक्षा की जा रही है। प्रदेश में भाजपा से दो त्यागी विधायक होने के बाद भी एक भी मंत्री नहीं बनाया गया। अन्य संस्थाओं में भी त्यागी समाज को प्रतिनिधित्व नहीं मिला। मेरठ महानगर में त्यागी समाज की लगभग एक लाख वोट होने के बाद भी 90 वार्ड में से एक भी टिकट समाज के व्यक्ति को नहीं दिया। इससे त्यागी समाज में आक्रोश व्याप्त है। इससे त्यागी समाज के लोगों का मन भाजपा के प्रति खट्टा हो गया है और नगर निकाय चुनावों में भाजपा का विरोध करने पर मजबूर हैं। त्यागी कल्याण समिति मेरठ के अध्यक्ष यतीश प्रकाश त्यागी ने भी भाजपा द्वारा एक भी टिकट समाज को नहीं देने पर आक्रोश जताया गया है।

उप्र के गौतमबुद्धनगर जिले के सौ स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना

ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्धनगर जिले के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने जिले के 100 से अधिक प्राइवेट स्कूलों पर बड़ी कार्रवाई की। इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद अभिभावकों को कोरोना संकट काल में 15 प्रतिशत फीस वापस न करने पर सौ से ज्यादा स्कूलों पर एक-एक लाख का जुर्माना लगाया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कोरोना संकट काल में स्कूलों द्वारा ली गई फीस का 15 प्रतिशत वापस अथवा समायोजित करने का आदेश दिया था, लेकिन जिले के कई स्कूलों ने इस पर अमल नहीं किया। जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली फीस नियामक समिति ने जिले के सौ से अधिक विद्यालयों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। जिलाधिकारी के इस सख्त रुख के बाद स्कूल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

मिड डे मील घोटाले मामले में संजय तिवारी सहित तीन आरोपितों के खिलाफ आरोप गठित

रांची, (हि.स.)। मिड डे मील में 100 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोपित संजय कुमार तिवारी, अजय उरांव और राजू वर्मा के खिलाफ बुधवार को आरोप गठित किया गया। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने संजय तिवारी सहित अन्य आरोपितों के खिलाफ लगे आरोपों को पढ़कर सुनाया। इस दौरान आरोपितों ने इसे गलत बताया। संजय तिवारी एवं अन्य की ओर से अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह ने पैरवी की। इससे पहले 24 अप्रैल को संजय की डिस्चार्ज याचिका को सीबीआई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने मिड

डे मील घोटाले को लेकर अगस्त 2017 में संजय तिवारी, एसबीआई हटिया ब्रांच के मैनेजर अजय उरांव सहित तीन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। वहीं दूसरी ओर वर्ष 2021 में ईडी ने कांड संख्या ईसीआईआर 3/2021 दर्ज कर केस को टेकओवर किया। मनी लॉन्ड्रिंग के तहत ईडी मामले की जांच कर रही है।

मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र पर गर्भवतियों और बच्चों को मिलेंगी सुविधाएं: सुनीता चौधरी

रामगढ़, (हि.स.)। जिले के गोला प्रखंड अंतर्गत नावाडीह पंचायत में बुधवार को डीएमएफटी मद से बने मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन विधायक सुनीता चौधरी ने किया। इस मौके पर मौजूद डीसी माधवी मिश्रा ने बताया कि आम लोगों को सुविधा देने के लिए मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण किया जा रहा है। आंगनबाडी केंद्र का उद्घाटन होने के बाद जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी, उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा, जिला परिषद सदस्यों अन्य जनप्रतिनिधियों आदि ने बच्चों को पठन सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर विधायक सुनीता चौधरी ने जिला प्रशासन के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से न केवल बच्चों, गर्भवती महिलाओं आदि को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी बल्कि रामगढ़ जिले के विकास में भी इससे गति आएगी। इस दौरान डीसी माधवी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिले में एक हजार से अधिक आंगनवाड़ी केंद्र संचालित हैं, लेकिन लगभग 50 फीसदी आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन अस्थाई भवनों अथवा किराए के भवनों में हो रहा है। डीएमएफटी के माध्यम से जिले में योजनाबद्ध तरीके से मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण का निर्णय लिया गया। डीसी ने बताया कि प्रथम चरण में जिले के अलग-अलग प्रखंडों में कुल 14 आंगनवाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। इस नवनिर्मित मॉडल आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि शेष निमार्णाधीन मॉडल आंगनवाड़ी केंद्रों का भी निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

जमीन से जुड़े मामले को लेकर ईडी की रांची और जमशेदपुर में छापेमारी जारी

रांची, (हि.स.)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बुधवार को रांची और पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के लगभग छह ठिकानों पर जमीन घोटाले से जुड़े मामले में छापेमारी कर रही है। रांची में ईडी की छापेमारी मोरहाबादी स्थित सत्येन्द्र अपार्टमेंट में ठेकेदार विपिन सिंह के आवास पर, खेलगांव थाना क्षेत्र के गाड़ी गांव में जमीन कारोबारी शेखर कुशवाहा और लालपुर बैंक कॉलोनी में प्रियरंजन सहाय तथा अशोक नगर में चल रही है। खबर लिखे जाने तक छापेमारी जारी है। बताया गया कि ईडी की ओर से की जा रही छापेमारी के दौरान टीम मोरहाबादी स्थित विपिन सिंह के आवास में पहुंची। इनकी ट्रैकिंग ईडी नोएडा से ही कर रही थी। इस बात की भनक विपिन सिंह को लग गयी और आवास से परिवार के साथ वह निकल गया। ईडी जब आवास संख्या 402 पहुंची तो वहां किसी को नहीं पाया। इसके बाद फ्लैट मालिक प्रभात पांडेय को बुलाया और आवास को सील कर दिया। इसके अलावा ईडी जमशेदपुर में भी दो जगहों पर छापेमारी कर रही है। बताया जा रहा है कि जमशेदपुर में जिनके यहां छापेमारी की जा रही है, वह रांची के पूर्व डीसी आईएएस छवि रंजन के बेहद नजदीकी हैं। जमशेदपुर में

जुगसलाई गौशाला के समीप स्थित जैन मंदिर के पास रहने वाले कारोबारी श्याम सिंह भाटिया, बिष्टपुर कट्रिक्टर एरिया बेगुनिया टावर निवासी रवि सिंह भाटिया के यहां ईडी छापेमारी कर रही है। इनके यहां जमीन से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। छापेमारी के दौरान ईडी ने जमीन से जुड़े कई कागजात जब्त किये हैं। उल्लेखनीय है कि ईडी ने जमीन घोटाले मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित बंगाल, झारखंड और बिहार सहित 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी ने सात लोगों को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार लोगों में कारोबारी प्रदीप बागची, सीआई भानु प्रताप, अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम शामिल हैं। आरोपित फैयाज खान को कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया था। अन्य छह आरोपितों को रिमांड पर लेकर ईडी पूछताछ कर रही है। इस छापेमारी में ईडी के हाथ कई जमीन से जुड़े कागजात हाथ लगे हैं। पूछताछ में ईडी को कई जानकारी मिली है। इसी मामले में ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन से पूछताछ कर चुकी है।

बच्चों को स्कूल ले जा रही वैन को किया सीज

कोडरमा, (हि.स.)। जिला मुख्यालय से सटे फुलवरिया और डुमरियाटांड़ से स्कूल के लिए जा रहे बच्चों से भरे वाहन को वन्य प्राणी आश्रयणी के रेंजर रामबाबू ने बुधवार की सुबह रोक दिया। बच्चों वैन से उतारकर वैन को सीज कर लिया गया। ग्रामीणों ने बताया कि रेंजर का कहना था कि बिना मेरे परमिशन के इस रास्ते से बच्चे नहीं ढोये जाएंगे। जब गांव में ग्रामीणों को मामले की जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने रेंजर कार्यालय का घेराव कर दिया। इस दौरान वहां तोड़फोड़ भी की गई। वैन से उतारे गए सभी बच्चे बालाजी पब्लिक स्कूल में पढ़ते हैं। फुलवारी और डुमरियाटांड़ कोडरमा नगर पंचायत का हिस्सा है जहां से जाने के लिए कोडरमा वन्य प्राणी आश्रयणी होकर रास्ता है। वन विभाग की एनओसी नहीं मिलने के कारण अबतक इस गांव में ना तो बिजली पहुंची है और ना ही अच्छा रास्ता बन पाया है।

मोतिहारी में चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाने कवायद हुआ शुरू

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले में नमामि गंगे योजना के तहत चार सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और उससे संबंधित ड्रेनेज निर्माण की तैयारी शुरू हो गयी है। बिहार अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (बुडको) के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इस कार्य के डिजाइन और निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए एजेंसियों की तलाश प्रारंभ कर दी गयी है। बुडको के अनुसार इस साल मई में इस कार्य के बिड की प्रक्रिया पूरी कर ली जायेगी,साथ ही सब कुछ समान्य रहा तो इस साल जून माह से इस योजना पर काम भी शुरू हो सकता है। बताया गया कि इसके निर्माण को लेकर वर्क ऑर्डर के बाद डेढ़ से दो साल में निर्माण पूरा किये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। वही उक्त एसटीपी के साथ पंपिंग स्टेशन व ड्रेन भी बनाये जायेंगे। बुडको की ओर से बताया गया कि इस योजना के तहत मोतिहारी शहर में 4.6, 6.3, 5.8

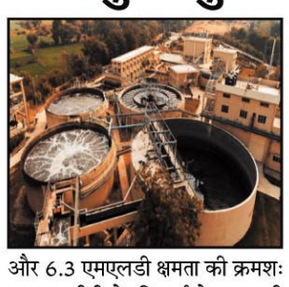

और 6.3 एमएलडी क्षमता की क्रमशः चार एसटीपी के निमार्ण के साथ ही पानी खींचने के लिए तीन पंपिंग स्टेशन और 636 मीटर का ड्रेन भी बनाये जायेगे।वही इस योजना में मोतीझील ड्रेनेज की मरम्मत का काम भी शामिल होगा। साथ ही निर्माण के लिए चयनित एजेंसी को अगले 15 साल तक एसटीपी, ड्रेनेज व चैनल की संचालन व मेंटेनेंस की जिम्मेदारी भी दी जायेगी।उक्त सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में मानव बल को कम करने के लिए ऑटोमेटिक गेट लगाये जायेंगे।ताकि जरूरत की मुताबिक इसे खोला व बंद किया जा सके।

पीएम मोदी की मन की बात संस्करण को ले भाजपाईयों ने की बैठक

नवादा, (हि. स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100वें संस्करण की तैयारी के लिए रजौली विधानसभा क्षेत्र के कार्यकताओं की बैठक बुधवार को हुई। बैठक ग्राम जयनगर में मंडल अध्यक्ष सहदेव वर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल मेहता, निवर्तमान अध्यक्ष संजय कुमार मुन्ना, मन की बात के रजौली विधानसभा प्रभारी सतीश सिन्हा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार पांडेय,, मोहन गुप्ता जी सहित दर्जनों भाजपा कार्यकताओं उपस्थित थे। बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात के 100वें संस्करण को जिला के अधिक से अधिक लोग सुन सके और प्रधानमंत्री के विचारों से अवगत हो सके इस पर काम करने पर बल दिया गया।

राज्यपाल ने 1,929 छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह-पदक देकर किया सम्मानित

भागलपुर, (हि.स.)। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय का 47 वां दीक्षांत समारोह बुधवार को धूमधाम से मनाया गया।दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के द्वारा विभिन्न सत्रों के 1,929 छात्र-छात्राओं में डी.लीट, पीएचडी सहित 29 पीजी विभागों के टॉपर और सभी 6 संकायों के फैकल्टी टॉपर को गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया गया। 160 छात्रों को गोल्ड मेडल, 2 को डीलिट की उपाधि, 96 छात्रों को पीएचडी की उपाधि और 5 बेस्ट ग्रेजुएट का अवार्ड दिया गया। वहीं 11 छात्रों को बेस्ट पोस्टग्रेजुएट का अवार्ड मिला। साथ ही 14 छात्रों को स्मृति पदक दिए गए।इसके पूर्व राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर के भागलपुर उतरते ही सबसे पहले एनसीसी के बच्चों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से हुई। फिर शहीद तिलकामांझी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए गए। उसके बाद संगीत विभाग के द्वारा कुलगीत प्रस्तुत किए गए। फिर सामूहिक रूप से राज्यपाल एवं सभी मुख्य अतिथि सम्मानित अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया।

सभी अतिथियों का स्मृति चिन्ह और औषधीय पौधा देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल सह कुलाधिपति राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री अश्विनी कुमार चौबे और सम्मानित अतिथि के रूप में बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग पटना के अध्यक्ष डॉक्टर राजवर्धन आजाद थे।

लोक अदालत में दो पक्षों को मिलता है बराबर न्याय : न्यायाधीश

बेगूसराय, (हि.स.)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर 13 मई को लगने वाले लोक अदालत की तैयारी तेज हो गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव-सह-अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार झा ने लोक अदालत को लेकर बुधवार को बलिया अनुमंडलीय न्यायालय का निरीक्षण किया। उन्होंने बलिया व्यवहार न्यायालय में लोक अदालत को लेकर बनाए जा रहे कई नोटिस का अवलोकन किया। इसके साथ ही संबंधित न्यायालय कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।इसके बाद प्राधिकार के सचिव सतीश कुमार झा

ने बलिया अनुमंडल वकालत खाना में विधिक जागरूकता कार्यक्रम में लोगों लोक अदालत में मिलने वाले न्याय के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पिछले लोक अदालत में बलिया अनुमंडल व्यवहार न्यायालय में काफी संख्या में मुकदमों का निष्पादन हुआ है। इस बार भी बलिया में अधिक मामलों का निष्पादन होने की उम्मीद है। जिसके लिए अधिवक्ताओं का सहयोग भी महत्वपूर्ण है। लोक अदालत में ऐसे मामले का निष्पादन किया जाना है जो मामले समझौता योग्य है।

लोक अदालत की विशेषता है कि मुकदमों के दोनों पक्षकारों को "न्याय सबके लिए" के तहत बराबर न्याय मिलता है। यहां आने वाले पक्षकारों को न्याय में कमी नहीं होती है। इस अवसर पर जिला वकील संघ के कोषाध्यक्ष सुबोध झा, अधिवक्ता विजेन्द्र कुमार, प्राधिकार के मो. कौनैन अली एवं राजेश कुमार सुमन आदि उपस्थित थे।

संपादकीय

विपक्षी एकता के प्रयास

विपक्षी एकता का धारावाहिक बीते कई महीनों से जारी है। मुख्य भूमिका में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं, लेकिन अभी तक कोई भी निश्चित आकार सामने नहीं आया है। एकता का विरोध किसी भी नेता ने नहीं किया है। उसके बावजूद न्यूनतम साझा कार्यक्रम की प्रस्तावना तक लिखी नहीं जा सकी है। न्यूनतम साझा कार्यक्रमों के आधार पर गठबंधन सरकारें बनी हैं और अब भी बन सकती है, लेकिन न्यूनतम साझा बातचीत और मुलाकात की ठोस स्थितियां भी बन नहीं पा रही हैं। अपने-अपने अहंकार, जनाधार की हेकड़ी और आपसी गंभीर विरोधाभासों में ही विपक्षी दल फंसे हैं। नीतीश कुमार की हिम्मत और सहिष्णुता की दाद देनी पड़ेगी कि वह व्यापक देशहित में विपक्षी एकता के सूत्रधार बने हैं। व्यापक देशहित में मौजूदा मोदी सरकार, खासकर प्रधानमंत्री मोदी, को तभी सत्ता के बाहर करना संभव होगा, जब विपक्ष पूरी मजबूती, एकता और ईमानदार लामबंदी के साथ भाजपा का मुकाबला करेगा। उसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी को हराने का कोई विकल्प नहीं है। नीतीश के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कोलकाता जाकर बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष ममता बनर्जी से मुलाकात की। फिर लखनऊ आकर वे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मिले। ममता ने बेहद महत्त्वपूर्ण बात कही कि जिस तरह जयप्रकाश नारायण ने अपना आंदोलन बिहार से शुरू किया था, उसी तर्ज पर नीतीश कुमार विपक्षी नेताओं की बैठक पटना में बुलाएं। सभी साझा मुद्दों पर विमर्श किया जाए और फिर एक निश्चित विजन बने। यकीनन यह ममता बनर्जी की राजनीति का बड़ा बदलाव है। उन्होंने यह भी इच्छा जाहिर की कि हमें यह संदेश देना जरूरी है कि हम सब एक हैं। हमें भाजपा को 'जीरो' बनाना है। वह सिर्फ झूठ बोल कर, फेक वीडियो बनाकर, गुंडागर्दी कर, मीडिया के जरिए 'हीरो' बनती रही है। नीतीश जी जो प्रयास कर रहे हैं, उसे हम भी जारी रखेंगे और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेताओं से भी बात करेंगे। मेरा कोई व्यक्तिगत अहम नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की भी सोच लगभग यही है। नीतीश इसी माह दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल और वामपंथी नेताओं से भी मुलाकात और विपक्षी एकता के सरोकारों पर बातचीत कर चुके हैं। वह निकट भविष्य में हैदराबाद में बीआरएस प्रमुख एवं तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव और भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री एवं बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक से भी मुलाकात कर सकते हैं। नीतीश कुमार वरिष्ठतम विपक्षी नेता हैं और बार-बार साफ कर चुके हैं कि वह प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं। सिर्फ देश, लोकतंत्र, संविधान को बचाने की दिशा में वह प्रयास कर रहे हैं कि विपक्ष एकजुट होकर चुनाव लड़े। नीतीश के साथ संवाद का स्वागत सभी पक्ष करेंगे, लेकिन विपक्षी एकता के लिए इतना ही काफी नहीं है। बीते दिनों लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी ने एक बयान दिया कि तृणमूल कांग्रेस ने जांच एजेंसियों से बचने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से सैटिंग कर ली है। टीवी चैनलों की बहस में कांग्रेस प्रवक्ता अक्सर तृणमूल के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं और पुराने मसलों को कुरेदते रहते हैं। तृणमूल प्रवक्ता भी कांग्रेस की दोगली राजनीति के मुखर आलोचक रहते हैं। दोनों ही पक्षों के तेवर जैसे दिखाई दे रहे हैं, उनके मद्देनजर विपक्षी एकता के मंच पर वे साथ-साथ कैसे आ सकते हैं। विपक्ष के साझा चेहरे और विजन के मुद्दे तो अभी नेपथ्य में हैं। फिलहाल यह धारावाहिक चलता रहेगा।

नीतीश के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कोलकाता जाकर बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष ममता बनर्जी से मुलाकात की। फिर लखनऊ आकर वे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मिले। ममता ने बेहद महत्त्वपूर्ण बात कही कि जिस तरह जयप्रकाश नारायण ने अपना आंदोलन बिहार से शुरू किया था, उसी तर्ज पर नीतीश कुमार विपक्षी नेताओं की बैठक पटना में बुलाएं। सभी साझा मुद्दों पर विमर्श किया जाए और फिर एक निश्चित विजन बने। यकीनन यह ममता बनर्जी की राजनीति का बड़ा बदलाव है। उन्होंने यह भी इच्छा जाहिर की कि हमें यह संदेश देना जरूरी है कि हम सब एक हैं। हमें भाजपा को 'जीरो' बनाना है। वह सिर्फ झूठ बोल कर, फेक वीडियो बनाकर, गुंडागर्दी कर, मीडिया के जरिए 'हीरो' बनती रही है। नीतीश जी जो प्रयास कर रहे हैं, उसे हम भी जारी रखेंगे और दूसरे क्षेत्रीय दलों के नेताओं से भी बात करेंगे। मेरा कोई व्यक्तिगत अहम नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की भी सोच लगभग यही है। नीतीश इसी माह दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे समेत राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल और वामपंथी नेताओं से भी मुलाकात और विपक्षी एकता के सरोकारों पर बातचीत कर चुके हैं।

कुछ अलग

नौकरी का हुलिया

कुछ तो पांव चादर से बाहर निकले हुए, कुछ सफर की थकान ने हुलिया बदल दिया। कुछ ऐसा ही मंजर हिमाचल का हुलिया बयां कर रहा है, जहां एक ओर सरकारी नौकरी की खिदमत में दरियां बिछाई जा रही हैं और दूसरी ओर बजट की सांकल से लटके प्रदेश के फटेहाल नजर आ रहे हैं। फिर भी एक आशावाद हर नई सरकार की कोशिश को दिन दूना, रात चौगना तरक्की करते हुए देखना चाहता है। नौकरियों की अर्जियां सपनों के दर पर माथा रगड़ रहीं और इधर कई कॉडर अपनी भूमिका में निरस्त होकर फांसी के लिए खड़े हैं। सरकारी नौकरी की जिरह पड़ताल पर उतरती है, तो 18542 पद डाइंग कॉडर बनकर अलविदा कह रहे हैं। सरकार ने अपने ढांचे में इतनी महत्त्वाकांक्षा भर ली है कि अगर सारे हाथी दौड़ाने हों, तो कुल 308894 पदों पर सरकारी मुलाजिम रखने पड़ेंगे। इस तरह एक ईमानदारी तो यही थी कि पता लगाया जाए कि आखिर सरकारी नौकरी की बस्ती में कितने घर खाली हैं और दूसरी ओर वादों की खेती के लिए नौकरी के नाम ऐसे इंतजाम हों कि प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष और तरह-तरह के उपनामों से लोग भर्ती कर लिए जाएं। हिमाचल का शीर्षासन है भी यही कि सरकारें बदलते ही नौकरी की पर्चियां कुछ इस कद्र बंटें कि सारा तामझाम उदार नजर आए। फिलहाल 70 हजार रिक्त पदों का खालीपन नए रोजगार का एहसास और सरकारी नौकरी का स्पेस तैयार कर रहा है। हर विभाग तंबू लगाकर खड़ा है और इस तरह नौकरी का आश्रयस्थल बनकर सरकार को अपनी महफिल जमानी है। मिलकर बैठेंगे कितने बेरोजगार, जहां हम, तुम और कोई न कोई विभाग होगा। मोटे तौर पर 70 हजार रिक्त पद अमानत हैं उस दरियादिली की जो कंगाली में गीले आटे की गर्मागर्म सियासी रोटी बेल सकती है। इन सत्तर हजार नौकरियों के कई दर्पण हैं और कई ऐसे विभाग भी हैं जो बेरोजगारों को भाग्य रसीद करते हैं। कई डिग्रियां यूं ही पैदा नहीं होती, बल्कि अभिभावकों के सपनों को कंधों पर उठाकर हर परिवार का कोई न कोई बच्चा निरंतर इंतजार में पिटारा खुलने की आहट के लिए अपने कानों पर भरोसा कर रहा है। हर चुनाव में कान से आती नौकरी का दीदार और क्या होगा कि फिलवक्त हिमाचल को 70 हजार पद भरने हैं। इनमें कितनी दिहाडियां, कितने अनुबंध और कितने ऐसे पद भी होंगे जो सरकारी मुलाजिम बनने की नई शर्तों के साथ नए पैबंद ही तो हैं। खाली पदों पर नजर दौड़ाएं तो 19 विभागों में शिखर पर पीडब्ल्यूडी में 15816 पद और इसके बाद एलिमेंटरी एजुकेशन में ही 13383 पद रिक्त है, जबकि उच्च शिक्षा में 9591 पद खाली हैं। कुल मिला कर सामाजिक सुरक्षा की उच्च प्राथमिकताओं के बीच शिक्षकों के ही बीस हजार से ऊपर पदों का रिक्त होना, बहुत कुछ बयान कर रहा है। इसी शृंखला में स्वास्थ्य विभाग में खाली रह गए 10199 पदों का अर्थ हर स्वास्थ्य केंद्र पर चस्पां है। कमोबेश हर विभाग की कार्यशैली में कर्मचारियों की आवश्यकता के मानदंड तय हैं और इस लिहाज से न्यूनतम स्तर पर भी अधिकतम उपस्थिति के लिए कई पदों पर रिक्तियों का नासूर पूरी व्यवस्था को मनोरोगी बना सकता है। बेशक यह परिदृश्य उस लापरवाही या वाहवाही का भी है, जहां सरकारों ने जरूरत से कहीं ज्यादा संस्थान व कार्यालय खोल दिए। देखना यह होगा कि सरकार इन रिक्तियों को रोजगार के विकल्प के रूप में भरना चाहेगी या सेवाओं में गुणवत्ता लाने के आधार पर किफायत से निर्णय लेगी।

भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं

बढ़ती जनसंख्या से असीमित चुनौतियां

डा. वरिंद्र भाटिया

इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उलपब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशलन कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढक़र 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढक़र 463 व्यक्ति प्रति वर्ग लिकोमीटर हो जाएगा।

देश के लिए बढ़ती जनसंख्या एक वरदान है या फिर एक अभिशाप है, यह हमारे लिए एक सवालिया निशान है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र के जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत इस साल के मध्य तक चीन को पीछे छोड़ दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। इस साल के मध्य तक भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख पहुंचने की उम्मीद है जो चीन की 142 करोड़ 57 लाख की आबादी से 29 लाख ज्यादा होगी। साल 2011 के बाद से भारत में जनगणना नहीं हुई है, इसलिए इस वक्त भारत की जनसंख्या क्या है, इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। लेकिन साल 2020 में नेशनल कमीशन ऑन पॉपुलेशन ने जनसंख्या के अनुमानों पर एक रिपोर्ट जारी की जिसमें कहा गया कि साल 2011 और 2036 के बीच के 25 सालों में भारत की जनसंख्या 121 करोड़ दस लाख से बढक़र 152 करोड़ 20 लाख हो जाएगी। इसका नतीजा ये होगा कि जनसंख्या का घनत्व 368 से बढक़र 463 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। लेकिन जानकारों का कहना है कि भारत में ज्यादा लोग पहले के मुकाबले लम्बी उम्र तक जी रहे हैं और देश में कम बच्चे पैदा हो रहे हैं जिसकी वजह से भारत की जनसंख्या की वृद्धि दर नीचे जा रही है। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढना जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसी स्थिति में देश के सामने जो चुनौतियां पेश होंगी, उनका प्रभाव नकारा नहीं जा सकता है। लगातार बढ़ती जनसंख्या की वजह से सबसे बड़ी चुनौती प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। इन प्राकृतिक संसाधनों में जमीन, पानी, जंगल और खनिज शामिल हैं। जनसंख्या के बढने की वजह से इन संसाधनों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल होता है। नतीजतन कृषि उत्पादकता और पानी की कमी के साथ पर्यावरण में गिरावट होने की सम्भावना बढ़ जाती है। बढ़ती आबादी के कारण आवास, परिवहन, स्वास्थ्य और शिक्षण सुविधाओं से जुड़े बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की जरूरत भी बढ़ जाती है। एक बहुत बड़ी आबादी की जरूरतों को पूरा करना एक मुश्किल काम बन जाता है और आबादी का एक बड़ा हिस्सा बदहाल हालात में जीने के लिए मजबूर हो सकता है। एक बड़ी

आबादी की वजह से काम करने की क्षमता रखने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या भी खड़ी हो जाती है। इस बड़ी संख्या को रोजगार उपलब्ध करवाना एक बड़ी चुनौती के तौर पर उभरता है। आज भी भारत में बेरोजगारी एक ज्वलंत समस्या है। लगातार बढ़ रही जनसंख्या की वजह से यह समस्या भविष्य में विकराल रूप ले सकती है। रोजगार की कमी आर्थिक असमानता और गरीबी को बढ़ाने का काम काम कर सकती है जिससे सामाजिक अशांति फैल सकती है। शिक्षा और एक बड़ी आबादी को शिक्षित और कुशल बनाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है क्योंकि समय के साथ जितने लोगों को शिक्षित और कुशल बनाने की जरूरत होगी उतनी क्षमता शैक्षणिक संस्थानों के पास शायद नहीं होगी। इसका सीधा परिणाम ये हो सकता है कि बहुत से लोग अच्छी शिक्षा हासिल नहीं कर पाएंगे और बहुत से लोगों के पास जो कौशल होगा वो नौकरी के बाजार से मेल नहीं खाएगा। बढ़ती जनसंख्या की वजह से गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोगों की संख्या बढ़ सकती है। साथ ही आमदनी की असमानता भी बढने का खतरा है। एक बड़ी चुनौती गरीबी कम करने की कोशिशों को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने की भी होगी। कुल मिलाकर लोगों के जीवन स्तर और स्वास्थ्य और शिक्षा तक उनकी पहुंच में गहरी असमानताएं पैदा हो सकती हैं। बढ़ती जनसंख्या का सीधा असर पर्यावरण पर भी पड़ेगा। वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण पर्यावरण की रक्षा के लिए बड़ी चुनौतियों के तौर पर उभर सकते हैं। वृद्धि दर के घटने के बावजूद भारत की जनसंख्या का बढना जारी है और अगले कई सालों तक जारी रहेगा। ऐसे में सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती लोगों के लिए प्रभावी नीतियां और योजनाएं बनाना और उन्हें लागू करना होगा। भारत की बढ़ती जनसंख्या के मद्देनजर सरकारों के लिए ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाना और मुश्किल हो जाएगा जो ये सुनिश्चित करें कि संसाधनों का वितरण बराबरी से हो और सामाजिक व आर्थिक विषमता को दूर किया जा सके। बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी एक बड़ी चिंता ये जताई जाती है कि इससे कई किस्म की सामाजिक चुनौतियां सामने आ सकती हैं। एक बड़ी आबादी भीड़भाड़ को तो बढ़ाएगी ही, साथ ही शहरीकरण को भी बढ़ावा देगी जिसकी वजह से अपराधों में बढ़ोतरी आ सकती है और कानून-व्यवस्था कायम रखना मुश्किल हो सकता है? इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि एक बड़ी आबादी पर्यावरण और संसाधनों पर दबाव डालती है। यही कारण है कि जनसंख्या को लेकर इतना चिंताजनक विमर्श हो रहा है। हालांकि इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि भारत लंबे समय से दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा है और भारत सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने ही वाला था। तो यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। भारत की बढ़ती जनसंख्या को लेकर तरह-तरह की चिंताएं जताई जा रही हैं। तो क्या किसी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या होनी चाहिए? किसी भी देश के लिए कोई आदर्श जनसंख्या आकार नहीं है। जब आप जनसंख्या की बात करते हैं तो आप लोगों की बात करते हैं और लोग नंबरों से पहले आते हैं, इसलिए संख्या को लोगों से ज्यादा महत्त्व देना मानवाधिकार आधारित दृष्टिकोण नहीं होगा ज्यादा जरूरी यह है कि इस बारे में सवाल पूछे जाएं कि क्या लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है, क्या उनके पास सही अवसर हैं, क्या वे पर्याप्त शिक्षित हैं। चर्चा का एक और विषय भारत की प्रजनन दर को लेकर भी है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के आंकड़ों के अनुसार भारत के सभी धार्मिक समूहों में प्रजनन दर कम हो रही है। जनसंख्या को केवल प्रजनन दर से जोडने का मतलब ये है कि सारा बोझ महिलाओं पर डाला जा रहा है। भारत में 25 साल से कम उम्र के लोगों की आबादी कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। वहीं देश की करीब आधी आबादी की उम्र 25 से 64 साल के बीच है।

अपराध बड़ा या आपराधिक मानसिकता?

जिस समय मानव समाज की रचना हुई अर्थात मनुष्य ने अपना समाजिक संगठन प्रारंभ किया, उसी समय से उसने अपने संगठन की रक्षा के लिए नैतिक, सामाजिक आदेश बनाए। उन आदेशों का पालन मनुष्य का 'धर्म' बतलाया गया। किंतु, जिस समय से मानव समाज बना है, उसी समय से उसके आदेशों के विरुद्ध काम करने वाले भी पैदा हो गए और जब तक मनुष्य प्रवृत्ति ही न बलद जाए, ऐसे व्यक्ति बराबर होते रहेंगे। युगों से अपराध की व्याख्या करने का प्रयास हो रहा है। अतएव के. सेन ने अपराध की सत्ता इतिहास काल के भी पूर्व से मानी है। अतएव इसकी व्याख्या कठिन है। पूर्वी तथा पश्चिमी देशों के प्रारंभिक विधानों के नैतिक, धार्मिक तथा सामाजिक नियमों का तोडऩा समान परू से अपराध था। सारजेंट सटीफन ने लखिा है कि समुदाय का बहुमत जिसे सही बात समझे, उसके विपरीत काम करना अपराध है। ब्लेकस्टन कहते हैं कि समुचे समुदाय के प्रति कत्त्रव्य है तथा उसके जो अधिकार हैं उनकी अवज्ञा अपराध का निर्णय नगर की समूची जनता करती थी।

समाज जिसमें व्यक्ति रहता है, मानवीय समाज कहलाता है। मानवीय समाज मानवीय नियम और कानून समाज व्यवस्था को चलाने के लिए अलग-अलग समाज के लिए बनाए जाते हैं। बने हुए सामाजिक नियमों को तोडऩे को अपराध की श्रेणी में गिना जाता है। सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और मानवीय नियम विभिन्न समय और सभ्यताओं के अनुसार प्रतिपादित किए जाते हैं। जिस समय मानव समाज की रचना हुई अर्थात मनुष्य ने अपना समाजिक संगठन प्रारंभ किया, उसी समय से उसने अपने संगठन की रक्षा के लिए नैतिक, सामाजिक आदेश बनाए। उन आदेशों का पालन मनुष्य का 'धर्म' बतलाया गया। किंतु, जिस समय से मानव समाज बना है, उसी समय से उसके आदेशों के विरुद्ध काम करने वाले भी पैदा हो गए और जब तक मनुष्य प्रवृत्ति ही न बदल जाए, ऐसे व्यक्ति बराबर होते रहेंगे। युगों से अपराध की व्याख्या करने का प्रयास हो रहा है। अतएव के. सेन ने अपराध की सत्ता इतिहास काल के भी पूर्व से मानी है। अतएव इसकी व्याख्या कठिन है। पूर्वी तथा पश्चिमी देशों के प्रारंभिक विधानों के नैतिक, धार्मिक तथा सामाजिक नियमों का तोडऩा समान रूप से अपराध था। सारजेंट सटीफन ने लिखा है कि समुदाय का बहुमत जिसे सही बात समझे, उसके विपरीत काम करना अपराध है। ब्लेकस्टन कहते हैं कि समुचे समुदाय के प्रति कत्त्रव्य है तथा उसके जो अधिकार हैं उनकी अवज्ञा अपराध का निर्णय नगर की समूची जनता करती थी। आज के कानून में अपराध 'सार्वजनिक हानि' की वस्तु समझा जाता है। दो सौ वर्ष पूर्व तक संसार के सभी देशों की यह निश्चित नीति थी कि जिसने समाज के आदेशों की अवज्ञा की है, उससे बदला लेना चाहिए। इसीलिए अपराधी को घोर यातना दी जाती थी। जेलों में उसके साथ पशु से भी बुरा व्यवहार होता था। यह भावना अब बदल गई है। आज समाज की निश्चित धारणा है कि अपराध शारीरिक तथा मानसिक दोनों प्रकार का रोग है, इसलिए अपराधी की चिकित्सा करनी चाहिए। उसे समाज में वापस करते समय शिष्ट, सभ्य, नैतिक नागरिक बनाकर वापस करना है। अतएव कारागार यातना के लिए नहीं, सुधार के लिए है। यह तो स्पष्ट हो गया कि अपराध यदि नैतिक तथा सामाजिक आदेशों की अवज्ञा का नाम है तो इस शब्द का कोई निश्चित अर्थ नहीं बतलाया जा सकता। फ्रायड वर्ग के विद्वान प्रत्येक अपराध को कामवासना का परिणाम बतलाते हैं तथा हीली जैसे शास्त्री उसे सामाजिक वातावरण का परिणाम कहते हैं, किंतु ये दोनों मत मान्य नहीं हैं। एक देश में एक ही प्रकार का धर्म नहीं है। हर एक में एक ही प्रकार का सामाजिक संगठन भी नहीं है, रहन-सहन में भेद है, आचार-विचार में भेद है, ऐसी स्थिति में एक देश का अपराध दूसरे देश में सर्वथा उचित आचार बन सकता है। कहीं पर स्त्री को तलाक देना वैध बात है, कहीं पर सर्वथा वर्जित है। कहीं पर संयुक्त परिवार का जीवन उचित है, कहीं पर पारिवारिक जीवन का कोई कानूनी नियम नहीं है। सन 1946-47 में इंग्लैंड में चोरबाजारी करने वालों को कड़ा दंड मिलता था। फ्रांस में उसे एक 'साधारण' बात समझा जाता था। कई देश धार्मिक रूप से किया गया विवाह ही वैध मानते हैं। पूर्वी यूरोप तथा अन्य अनेक सभ्यवादी देशों में धार्मिक प्रथा से किए गए विवाह का कोई कानूनी महत्त्व ही नहीं होता। मनोविज्ञान अपराध को मनुष्य की मानसिक उलझनों का परिणाम मानता है। जिस व्यक्ति का बाल्यकाल प्रेम और प्रोत्साहन के वातावरण में नहीं बीतता उसके मन में अनेक प्रकार की हीनता की मानसिक ग्रंथियां बन जाती हैं। इन ग्रंथियों में, उसकी मन में, उसकी बहुत सी मानसिक शक्ति संचित रहती है। डा. अलफ्रेड एडलर का कथन है कि जिस व्यक्ति के मन में हीनता की मानसिक ग्रंथियां रहती हैं वह अनिवार्य रूप से अनेक प्रकार के अपराध करता है। यह अपराध वह इसलिए करता है कि स्वयं को वह दूसरे लोगों से अधिक बलवान सिद्ध कर सके। हीनता की ग्रंथी जिस व्यक्ति के मन में रहती है, वह सदा भीतरी मानसिक असंतोष की स्थिति में रहता है। वह सब समय ऐसे कामों में अपने को लगाए रहता है जिससे सभी लोग उसकी ओर देखें और उसकी प्रशंसा करे। हीनता की मानसिक ग्रंथी मनुष्य को ऐसे कामों में लगाती है जिनके करने से मनुष्य को अनेक प्रकार की निंदा सुननी पड़ती है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को सदा चर्चा का विषय बनाए रखना चाहता है। यदि उसके भले कामों के लिए चर्चा नहीं हुई तो बुरे कामों के लिए ही हो। उसकी मानसिक ग्रंथी उसे शांत मन नहीं रहने देती। वह उसे सदा विशेष काम करने के लिए प्रेरणा देती रहती है। यदि ऐसे व्यक्ति को दंड दिया जाए तो इससे उसका सुधार नहीं होता, अपितु इससे उसकी मानसिक ग्रंथी और भी जटिल हो जाती है। ऐसे अपराधी के उपचार के लिए मानसिक चिकित्सक की आवश्यकता होती है। क्रिमिनोलॉजी मूल रूप से एक सामाजिक दृष्टिकोण से अपराध का अध्ययन है और इस अध्ययन का फोकस यह निर्धारित करना है कि कोई व्यक्ति अपराध करता है या आपराधिक तरीके से कार्य करता है। आधुनिक मनोविज्ञान ने हमें बताया है कि समाज में अपराध को कम करने के लिए दंडविधान को कड़ा करना पर्याप्त नहीं है। इसके लिए समाज में सुशिक्षा की आवश्यकता होती है। जब मनुष्य की कोई प्रवृत्ति बचपन से ही प्रबल हो जाती है तो आगे चलकार वह विशेष प्रकार के कार्यों में प्रकाशित होती है। ये कार्य समाज के लिए हितकर होते हैं अथवा समाजविरोधी होते हैं। जिस बालक को बड़े लाड-प्यार से रखा जाता है और उसे सभी प्रकार के कामों को करने के लिए छूट दे दी जाती है, उसमें दूसरों के सुख के लिए अपने सुख को त्यागने की क्षमता नहीं आती। ऐसे व्यक्ति की सामाजिक भावनाएं अविकसित रह जाती हैं। जीवन सुस्वत्व का निर्माण नहीं होता। इसके कारण वह न तो सामाजिक दृष्टि से भले-बुरे का विचार कर सकता है और न बुरे कामों से स्वयं को रोकने की क्षमता प्राप्त कर पाता है। बालक के माता-पिता और आसपास का वातावरण तथा पाठशालाएं इसमें महत्त्व का काम करती हैं। उचित शिक्षा का एक उद्देश्य यही है कि बालक के भीतर संयम की क्षमता आ जाए। जिस व्यक्ति में आत्मनियंत्रण की स्थिति जितनी अधिक रहती है, वह अपराध उतना ही कम करता है।

नागरकि बोध

उत्तरप्रदेश में अमन, चैन और विकास की वैतरणी पार करने में योगी ने निभाई अहम भूमिका

सत्य और न्यासी इन दो शब्द से सन्यासी शब्द बनता है। इसका अर्थ सत्य को अक्षुण्ण रखने वाला।योगी आदित्यनाथ का शासन सन्यासी भावना के अनुरूप है। यूपी का नाम आते ही दिलोदिमाग में गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार, माफियागिरी, छेड़खानी आदि शब्द जेहन में आते थे।मोदी और अमित शाह का नारा,सबका साथ ,सबका विकास और सबका प्रयास योगी के सन्यासी अर्थों के करीब था ।योगी के मुख्यमंत्री बनने के बाद विपक्षी दल योगी पर कटाक्ष करते थकते नही थे। यूपी को हर हमेशा के लिए माफिया गिरी से आजाद कर महिलाओं के सरंक्षण के लिए प्रयासरत है। भाजपा ने सबसे पिछड़ी जातियों को आगे लाकर उम्मीदवार बनाया जाना यूपी की सफलता का सूचक रहा है। योगी की धाक से माफिया और गुंडागर्दी वाले दुबके नजर आ रहे है।एनकाउंटर की बात हो या माफियाओ को पुलिस का डर हमेशा सताता रहता है। यूपी के लिए ऐसे मुख्यमंत्री की ही जरूरत थी जिसका लोहा मनवा लेने में सफलता हासिल कर सके। इस निर्विवाद मुख्यमंत्री को सूबे की जनता ने दूसरी बार स्वीकार किया है। माफिया कभी कभी सिर बिल से बाहर निकालते है तो योगी सरकार कुचलने में आगे है। सन्यासी का जाति, कुल और परिवार नही होता।इस सब मे योगी युपयुक्त होते हुए उनके गृहस्थी परिवार में ध्यान नही देकर उनका नजरिया पूरे सूबे का है। उन्होने एक इंटरव्यू में कहा है कि मैं योगी हूँ और मेरा पूरा प्रदेश परिवार है।उन्होंने आधुनिक रूप दिया है। आज के परिपेक्ष्य में योगी के नाम से गुंडे थरथर कांपते है। यूपी के लिए महत्वपूर्ण था और यूपी की चमक उनके किए प्रयासों का सुफल है। गोरखपुर के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ सामयिक संदर्भो के अतिरिक्त शासक पद स्वीकार करते हुए गोरखपुर मन्दिर में एकत्रित फरियादियों की व्यथा सुनकर निराकरण देने के लिए हमेशा आवागमन करते है। देश मे सन्यासियों की अहम भूमिका रही है। सन्यासियों ने पीड़ति परिवारों की सेवा और गांव गांव में घूमकर अंग्रेजो के विरुद्ध जनता को जागृत किया। आज भी देश मे धर्म से जोड़े रखने का कार्य और धार्मिक उपदेश से समाज को बांधे रखने में अहम भूमिका है। समाजवादी नेता ड्रॉ राम मनोहर लोहिया कहते थे कि धर्म दीर्घकालीन राजनीति है।और राजनीति अल्पकालिक धर्म। ड्रॉ लोहिया ने गौहत्या के विरोध में संत पर प्रभुदत्त ब्रह्चारी का अनशन तुड़वाया।भारत साधु समाज के कार्यक्रमो में जवाहरलाल नेहरू और गृहमंत्री गुलजारी लाल नन्दा भाग लेते रहते थे। बाबा गोरखपुर शिव के अवतार माने जाते है। इस गोरखनाथ मंदिर में योगी का समय बिता है। मोदी और अमित शाह के विचारों के योगी को दूसरी बार सूबे की जनता ने चुना है।यूपी को अव्वल बनाने का बीड़ा उठाकर आगे बढ़ाने के कार्य मे जुड़े है।आर्थिक सदृरता और स्वावलंबन में उत्तरप्रदेश देश के अन्य राज्यो से कम नही है। 1977 में जनता पार्टी की जीत लोकनायक जय प्रकाश नारायण के नाम थी।

देश दुनीया से

उफ! अब मेरे भी दिन फिरे...

इधर जबसे मुझे यह शुभ समाचार मिला है कि लुगदी साहित्य को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है, तबसे मेरे बांछें न होने के बाद भी मेरी बांछें ही क्या, मैं पूरा का पूरा खिल रहा हूं। वजह! मैं भी उच्चकोटि का लुगदी साहित्यकार हूं। अब वसंत इसका क्रेडिट लेता हो तो लेता रहे। पर इस क्रेडिट का वह कतई हकदार नहीं। वैसे मुफ्त का क्रेडिट लेने वालों की इस समाज में कोई कमी थोड़े ही है। एक पत्थर हटाओ तो दस निकल आएंगे। अब पाठ्यक्रम से हटाए रोने वाले रोते हों तो रोते रहें। उनके रोने का कुछ नहीं हो सकता। रोने के बदले उन्हें इस बात की खुशी होनी चाहिए कि आजतक वे पाठ्यक्रम में कैसे टिके रहे? सम्मानों में नहीं तो कम से कम पाठ्यक्रम में तो बारी बारी सबको चांस मिलना चाहिए। जो वे अपने समय के सूर, तुलसी, प्रेमचंद, अज्ञेय थे तो मैं भी अपने समय का सूर, तूलसी, प्रेमचंद, अज्ञेय हूं। वे मुझे अपने से कम मानते हों तो मानते रहें, पर असल में वे मुझसे बहुत कम हैं। मुझ जैसे बरसों से सोते सोते लिखने वालों को भी जिंदा जी हंसने का कम से कम एक मौका तो जरूर मिलना चाहिए। सम्मान हर लेखक का जन्मसिद्ध अधिकार हो या न, पर पाठ्यक्रम में आना हर लेखक का जन्मसिद्ध अधिकार है। वह चाहे क्लासिक साहित्यकार हो, लुगदी साहित्यकार हो या फिर रद्दी साहित्यकार। मैं तो हर विश्वविद्यालय के वीसी से मांग करता हूं कि मुझ जैसे सर्वश्रेष्ठ लुगदी साहित्यकारों को भी नहीं, मुझ जैसे सर्वश्रेष्ठ लुगदी साहित्यकारों को ही इनके उनके विश्वविद्यालयों के हिंदी से लेकर साइंस तक के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए ताकि हर स्ट्रीम के छात्रों को पता चले कि मुझ जैसों ने बकवास की छांव में कितना खास लिखा है, कितना साफ-साफ लिखा है। अपने लिखे को जबरदस्ती छात्रों को अपने जीते जी भी और मरने के बाद भी पढ़ाने का अधिकार केवल और केवल उनका ही तो नहीं है। चंदन न सही तो न सही, पर मैं भी तो इधर बरसों से कलम पिस रहा हूं। अपने गोबर लिखे को चाहे ये वे कितना ही श्रेष्ठ कहाते फिरें, अपने गोबर साहित्य को अपने किराए के समीक्षकों से उसे चाहे कितना ही समाजोपयोगी कहाते फिरें, पर मैं अपने लुगदी साहित्य को सर्वश्रेष्ठ साहित्य मानता हूं, क्लासिक साहित्य से भी चार कदम आगे का। लुगदी साहित्य ही दिमाग में गुदगुदी करता है। साहित्य का उद्देश्य भी तो गुडी गुडी की फीलिंग देना ही तो है तो फिर हे लुगदी साहित्य के विरोधियो ! लुगदी से परहेज क्यों? कहावत यों ही किसी ने नहीं बनाई थी कि घूरे के भी दिन फिरते हैं। आज उसे चरितार्थ होते अपनी फटी आंखों से साफ-साफ देख रहा हूं। तय है, अब मेरे लिखे साहित्य के भी दिन भी फिरने वाले हैं। मैं भी आगामी सत्र से किसी न किसी विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में निश्चित तौर पर शामिल होने वाला हूं। इसलिए इन दिनों आत्म परिचय लिख रहा हूं। बाद में जल्दबाजी में कहीं कुछ छूट न जाए। अहा! अब छात्र मुझे भी पढ़ेंगे। अब मेरे साहित्य का सही सही मूल्यांकन होगा। मेरे सर्वश्रेष्ठ लुगदी साहित्य के सामाजिक उपयोगिता की परख होगी। आज तक मेरे साहित्य का मूल्यांकन किया ही किसने? जिसे भी कहा कि यार! मेरे लिखे पर दो चार ही सही शब्द मार दो, उसने अपनी कलम का मुंह तो मेरी ओर से फेरा ही फेरा, अपना मुंह भी मेरी ओर से फेर लिया। हे श्रेष्ठ, सर्वश्रेष्ठ रद्दी साहित्य लिखने वालो! अगला दौर आपका है। इसलिए बिना किसी खौफ के लिखते रहो।

एक पत्थर हटाओ तो दस निलक आएंगे। अब पाठ्यक्रम से हटाए रोने वाले रोते हों तो रोते रहें। उनके रोने का कुछ नहीं हो सकता। रोने के बलदे उन्हें इस बात की खुशी होनी चाहिए कि आजतक वे पाठ्यक्रम में कैसे टिके रहे? सम्मानों में नहीं तो कम से कम पाठ्यक्रम में तो बारी बारी सबको चांस लिमना चाहिए। जो वे अपने समय के सूर, तुलसी, प्रेमचंद, अज्ञेय थे तो मैं भी अपने समय का सूर, तूलसी, प्रेमचंद, अज्ञेय हूं। वे मुझे अपने से कम मानते हों तो मानते रहें, पर असल में वे मुझसे बहुत कम हैं। मुझ जैसे बरसों से सोते सोते लखिने वालों को भी जिंदा जी हंसने का कम से कम एक मौका तो जरूर लिमना चाहिए। सम्मान हर लेखक का जन्मसिद्ध अधिकार हो या न, पर पाठ्यक्रम में आना हर लेखक का जन्मसिद्ध अधिकार है। वह चाहे क्लासिक साहित्यकार हो, लुगदी साहित्यकार हो या फिर रद्दी साहित्यकार।

चीनी भाषा सिखाने वाले इंस्टीट्यूट की फंडिंग बंद होगी : चुनावी वादा पूरा करेंगे ऋषि सुनक, हर साल करीब 3 अरब रुपए खर्च होते हैं

लंदन।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सरकार देश में चीन की मंदारिन भाषा सिखाने वाले इंस्टीट्यूट्स की फंडिंग बंद करने जा रही है। पिछले साल जुलाई में इलेक्शन कैम्पेन के दौरान सुनक ने कन्फ्यूशिस इंस्टीट्यूट्स की फंडिंग रोकने का वादा किया था।

माना जा रहा है कि इस फैसले पर अमल का ऐलान किया जा सकता है। ब्रिटिश सरकार इन इंस्टीट्यूट्स को हर साल करीब 27 लाख पाउंड (करीब 2.75 अरब रुपए) देती है। सुनक के इस फैसले से चीन भड़क सकता है।

इंस्टीट्यूट्स फिलहाल बंद नहीं होंगे - एक रिपोर्ट के मुताबिक- सुनक सरकार के इस फैसले का ऐलान फॉरेन मिनिस्टर जेम्स क्लेवर्ले करेंगे। फिलहाल, मंदारिन सिखाने वाले कन्फ्यूशिस इंस्टीट्यूट्स को बंद नहीं किया जा रहा है। अभी इनकी फंडिंग रोकने का ही ऐलान होगा। ये तमाम इंस्टीट्यूट्स मंदारिन और चीन के कल्चर को बहुत एक्टिवली प्रमोट करते हैं। इसका फायदा चीन की कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े लोग या नेता उठाते हैं। ब्रिटेन में उनके आने के रास्ते खुलते हैं। उन्हें फास्ट ट्रैक वीजा फैसेलिटीज मिलती हैं। बाद में वो जासूसी समेत कई गलत कामों में इन्वॉल्व हो जाते हैं। पिछले साल कुछ रिपोर्ट्स में इन हरकतों की तरफ इशारा किया गया था।

ब्रिटेन में 30 ब्रांच - रिपोर्ट के मुताबिक- ब्रिटेन में कन्फ्यूशिस इंस्टीट्यूट्स की कुल 30 ब्रांच हैं, जो ब्रिटेन जैसे छोटे देश के लिए काफी ज्यादा मानी जाती हैं। इंस्टीट्यूट्स का एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ ब्रिटिश होता है, जबकि तमाम प्रोफेसर चीन के होते हैं। चीन और ब्रिटेन की सरकारें एक-एक कोडायरेक्टर अपॉइंट करते हैं। ब्रिटेन सरकार को लगता है कि कन्फ्यूशिस इंस्टीट्यूट्स ब्रिटेन की हायर एजुकेशन और सोसायटी में दखल बढ़ा रहे हैं। ब्रिटिश मीडिया कई बार सवाल उठा चुका है कि ब्रिटेन में चीन के कल्चर को प्रमोट करने की जरूरत क्यों है। इसकी वजह यह है कि ब्रिटेन और यूरोप की सोसायटीज ओपन आईडियोलॉजी वाली और डेमोक्रेटिक हैं, जबकि चीन में तो हर चीज पर सेंसरशिप है। इसके अलावा चीन की सरकार इन इंस्टीट्यूट्स का इस्तेमाल अपनी फॉरेन पॉलिसी के प्रमोशन में करती है।

ब्रिटेन-चीन के रिश्तों में तनाव - सुनक के सत्ता में आने के बाद से ही ब्रिटेन और चीन के रिश्ते अच्छे नहीं रहे। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने चीन में बने सीसीटीवी कैमरों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। रूस-यूक्रेन जंग में चीन पूरी तरह रूस के साथ है तो ब्रिटेन सरकार यूक्रेन के साथ खड़ी है। बहरहाल, ब्रिटेन सरकार का होम डिपार्टमेंट ने इन इंस्टीट्यूट्स की फंडिंग बंद करने का फैसला कानून के मुताबिक किया है। ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज ने एक सर्वे में कहा था कि उनका स्टाफ कन्फ्यूशिस इंस्टीट्यूट में नहीं जाता। फॉरेन मिनिस्टर क्लेवर्ले कह चुके हैं कि ब्रिटेन की सिक्योरिटी से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

न्यूज ब्रीफ

नॉर्थ कोरिया को सिगरेट बेची, 52 हजार करोड़ का जुर्माना: ब्रिटिश कंपनी पर अमेरिका ने की कार्रवाई, 2007-17 के बीच हुई थी डील

लंदन। नॉर्थ कोरिया को सिगरेट बेचने के आरोप में ब्रिटेन की एक कंपनी पर अमेरिका ने 52 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। दुनिया की सबसे बड़ी टोबैको कंपनियों में शामिल ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी के एक सहायक ने तानाशाह किम के देश को सिगरेट बेचने की बात स्वीकार की है। ये डील 2007 से 2017 के बीच की गई थी। अमेरिका के डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने बताया कि ने नॉर्थ कोरिया के संस्थानों को सिगरेट बेचने के लिए कई वित्तीय घोटाले भी किए थे। 2007 से 2017 के बीच में सहायक कंपनियों के जरिए अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए नॉर्थ कोरिया को करीब 35 हजार करोड़ रुपए के तंबाकू उत्पाद बेचे थे। इस दौरान बिक्री में शामिल उत्तर कोरियाई बैंकर सिम ह्योन-सोप, चीनी सहायक किन गुओमिंग और हान लिनलिन के खिलाफ भी क्रिमिनल चार्ज लगाए गए हैं। हालांकि, तीनों आरोपी फिलहाल फरार हैं। अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट की तरफ से बैंकर सिम पर 40 करोड़ रुपए के इनाम की घोषणा की गई है। बाकी दोनों आरोपियों पर 4-4 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया गया है। तीनों पर आरोप है कि उन्होंने नॉर्थ कोरिया की सिगरेट बनाने वाली कंपनियों को लीफ टोबैको सप्लाई करने के लिए कई जाली दस्तावेज बनाए। इनके जरिए उन्होंने अमेरिकी बैंकों से 600 करोड़ रुपए का ट्रांजैक्शन प्रोसेस करवाया।

जापान और ईयू को है रूस पर संपूर्ण प्रतिबंध के अमेरिकी प्रस्ताव पर एतराज

टोक्यो। जापान और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने जी-7 के तहत इस अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध किया है कि अब रूस पर हर तरह का निर्यात प्रतिबंध लगा दिया जाए। जी-7 का शिखर सम्मेलन अगले महीने जापान के हिरोशिमा में होगा। अमेरिका चाहता है कि इस शिखर सम्मेलन में जी-7 से जुड़े देश रूस से हर प्रकार का निर्यात रोकने का फैसला करें। पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद जी-7 ने एक के बाद दूसरे खास क्षेत्रों की पहचान उनमें आयात-निर्यात रोकने का फैसला किया है। अमेरिका की शिकायत है कि इस नजरिए के कारण ऐसी खामियां छूट गई हैं, जिनकी वजह से विभिन्न देश रूस के साथ कारोबार जारी रखने में सफल रहे हैं। एक खास खबर में बताया है कि उसने संपूर्ण प्रतिबंध के बारे में अमेरिका की तरफ से भेजे गए प्रस्ताव का अध्ययन किया है। इसमें कहा गया है कि कृषि, मेडिकल और कुछ अन्य उत्पादों को छोड़ कर बाकी हर चीज को प्रतिबंध की श्रेणी में डाल देना चाहिए। दो अधिकारियों ने बताया कि साल भर बाद भी रूस से विभिन्न देशों के कारोबारी संबंध बने रहने को लेकर अमेरिकी प्रशासन में गहरा असंतोष है। जी-7 शिखर बैठक के लिए एक तैयारी बैठक पिछले हफ्ते हुई थी। उसमें जापान और ईयू के प्रतिनिधियों ने कहा कि रूस पर संपूर्ण प्रतिबंध लगाना संभव नहीं है। उनमें से एक अधिकारी ने बताया- 'हमारी समझ में यह प्रस्ताव अमल में लाने योग्य नहीं है।' इस बारे में अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद से संपर्क किया, तो परिषद ने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

बढ़ती बदनामी के बीच फिर सफाई देने पर मजबूर हुई पाकिस्तान की सेना

इस्लामाबाद। अपनी लगातार बढ़ रही बदनामी से परेशान पाकिस्तान की सेना को फिर से सफाई देनी पड़ी है। सेना के जन संपर्क विभाग की तरफ से आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा गया कि पाकिस्तान की सेना एक 'राष्ट्रीय सेना है' और उसकी नजर में सभी राजनेता और राजनीतिक दल 'सम्माननीय' हैं। हाल में एक पत्रकार ने अपने सूत्रों के हवाले से दावा किया पाकिस्तान के तत्कालीन सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को अंधेरे में रख कर कश्मीर के सवाल पर भारत के साथ समझौते की तैयारी कर ली थी। इससे पाकिस्तान की सेना नए सिरे से आलोचनाओं के केंद्र में आई है। प्रेस कांफ्रेंस में बाजवा के सेना पर जारी प्रभाव के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर इंटरसर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के प्रवक्ता ने कहा- 'हर व्यक्ति को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन सत्ता का असल केंद्र राष्ट्र है। प्रेस कांफ्रेंस को आईएसपीआर के महानिदेशक मेजर जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने संबोधित किया। आईएसपीआर के महानिदेशक पद संभालने के बाद चौधरी की यह पहली प्रेस कांफ्रेंस थी। मेजर जनरल चौधरी ने सफाई दी- 'सेना किसी विचारधारा या पार्टी का समर्थन नहीं करेगी।

ट्रंप का भय दिखाना है जो बाइडन की रणनीति, मागा चरमपंथियों का दिखाया खौफ

वॉशिंगटन।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के 2024 के राष्ट्रपति में उतरने का एलान के साथ उनकी टीम की तरफ से जारी प्रचार सामग्री में 'मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) चरमपंथियों' से देश को बचाने का संकल्प जताया गया है। इसमें चेतावनी दी गई है कि 'मागा चरमपंथी' अमेरिकी नागरिकों की बुनियादी स्वतंत्रताओं को छीनने पर आमादा हैं। मागा अमेरिका में एक शक्तिशाली आंदोलन बना हुआ है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुरू किया था।

जो बाइडन के समर्थकों ने कहा है कि राष्ट्रपति ने डोनाल्ड ट्रंप से अमेरिका को बचाने के लिए फिर से चुनाव लड़ने का फैसला किया है। अगले चुनाव अभियान में बाइडन का प्रचार मुख्य रूप से ट्रंप और उनक समर्थकों की तरफ से पैदा हो रहे खतरे पर केंद्रित रहेगा। बाइडन 80 वर्ष के हो चुके हैं। अगर वे दोबारा जीते, तो जनवरी 2025 में अपना नया कार्यकाल 82 साल की उम्र में शुरू करेंगे। इतनी उम्र में राष्ट्रपति कार्यकाल शुरू करने का यह एक नया रिकॉर्ड होगा। बाइडन समर्थक अब पूरी रिपब्लिकन पार्टी को ट्रंप समर्थक बताने की रणनीति पर चल रहे हैं। उनकी तरफ से इस पार्टी को 'मागा रिपब्लिकंस' कहा जा रहा है। अपने पहले प्रचार वीडियो में जो बाइडन ने कहा है- 'चार साल पहले जब मैं राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ रहा था, तब मैंने कहा था कि अमेरिका की आत्मा बचाने की लड़ाई चल रही है। वो लड़ाई अभी भी जारी है। हमारे सामने सवाल यह है कि आने वाले वर्षों में हमारे पास अधिक स्वतंत्रता होगी या कम स्वतंत्रता होगी। हमारे पास अधिक अधिकार होंगे, या कम अधिकार होंगे। पर्यवेक्षकों के मुताबिक इस बात के ठोस संकेत हैं कि डेमोक्रेटिक पार्टी के ऐस्टैब्लिशमेंट ने 2024 के चुनाव में फिर से बाइडन पर दांव लगाने का फैसला कर लिया है। बाइडन की राह आसान बनाने के लिए डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी ने फैसला किया है कि इस बार पार्टी के अंदर उम्मीदवारी के दावेदारों के बीच बहस नहीं होगी। इससे डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी पर दावा जता चुके दोनों नेता- रॉबर्ट केनेडी और मरियाना विलियम्सन नाराज हैं। विलियम्सन ने एक लंबे बयान में दावा किया है कि बाइडन ने 2020 के चुनाव में किए अपने खास वादों को पूरा नहीं किया। इसलिए अब उन्हें जवाबदेही से बचाने के लिए पार्टी नेतृत्व ने बहस की स्थापित परंपरा को खत्म किया है। विश्लेषकों के मुताबिक जो बाइडन की उम्र और सेहत अगले चुनाव अभियान में उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित होंगी। अमेरिकी मीडिया के एक हिस्से में यह आम चर्चा है कि बाइडन की यादाश्त कमजोर हो गई है और शारीरिक रूप से भी वे पूरी तरह फिट नहीं हैं। आलोचकों के मुताबिक बाइडन के पास दिखाने के लिए कोई ठोस उपलब्धि नहीं है, इसलिए उन्होंने ट्रंप का भय दिखाने की नकारात्मक रणनीति अपनाने का फैसला किया है। हालांकि बाइडन समर्थकों का दावा है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण, स्वच्छ ऊर्जा और सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को खड़ा करने के क्षेत्र में बाइडन प्रशासन ने उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बाइडेन की प्रचार टीम का आकलन है कि अगर ट्रंप रिपब्लिकन उम्मीदवार बने, तो दोनों नेताओं के बीच कड़ी टक्कर होगी। इसलिए बाइडन की टीम ने 2020 में सफल रही रणनीति को दोहराने का फैसला किया है। तब बाइडन ने ट्रंप से मुक्ति दिलाने के नारे के साथ चुनाव लड़ा था।

चीन से बढ़ रहीं मॉस्को की नजदीकियां, अमेरिकी सांसद बोले- भारत रूस को नहीं मानेगा दोस्त

वाशिंगटन। यूक्रेन और रूस का युद्ध खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। वहीं, मास्को और बीजिंग के बीच संबंध घनिष्ठ होते जा रहे हैं। ऐसे में भारतीय मूल के एक अमेरिकी सांसद ने कहा है कि चीन के साथ बढ़ते संबंधों को देखते हुए रूस को एक सुरक्षित मित्र नहीं समझा जा सकता है। सांसद रो खन्ना ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि भारतीय अमेरिकियों का लक्ष्य रिश्ते को मजबूत करना होना चाहिए। बता दें, रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वीं कांग्रेसनल डिस्ट्रीक्ट से अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता भारत एशिया में अपनी सीमा के संभावित आक्रमण के खिलाफ बचाव के लिए रूस को एक सुरक्षित मित्र के रूप में देखेगा। क्योंकि उसके रिश्ते लगातार चीन के साथ अच्छे और घनिष्ठ होते जा रहे हैं। भारतीय जानते हैं कि इस मामले में रूस से ज्यादा अमेरिका भरोसेमंद है। सांसद रो खन्ना ने कहा कि चीन के खिलाफ मजबूत रहने के लिए अमेरिका के साथ जुड़ना भारत के हित में है। यह भारतीय विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण कारक रहा है।

पूर्व स्तंभकार ने ट्रंप पर लगाए दुष्कर्म के आरोप, पूर्व राष्ट्रपति के वकील बोले- अधिक पैसा और शोहरत पाने के लिए कर रही हैं

वाशिंगटन।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। ट्रंप 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं लेकिन उससे पहले उन्हें अदालती कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। स्टॉर्मी डेनियल्स मामले में आरोपों का सामना कर रहे ट्रंप को अब पूर्व स्तंभकार ई जीन कैरोल के मामले में भी अदालती सुनवाई का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमे की सुनवाई कर रही एक अमेरिकी अदालत को बताया गया कि डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व अमेरिकी स्तंभकार ई जीन कैरोल के साथ दुष्कर्म किया और बाद में अपमानजनक टिप्पणियां करके उनका मजाक उड़ाया। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप के वकील ने बहुप्रतीक्षित कार्यवाही की शुरुआत में तर्क दिया कि जीन कैरोल यह सब अधिक पैसा और शोहरत पाने के लिए कर रही हैं।

जीन कैरोल ने पहले दावा किया था कि डोनाल्ड ट्रंप ने मैनहट्टन में फिफ्थ एवेन्यू पर बर्गडॉर्फ गुडमैन डिपार्टमेंट स्टोर के चेंजिंग रूम में उनका यौन उत्पीड़न किया था। उन्होंने दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप ने पहले लेडीज इनवेअर खरीदने के लिए उनसे सलाह मांगी और फिर उन पर हमला कर दिया। जीन कैरोल के वकील शॉन क्रॉली ने अदालत को बताया कि जिस वक्त कैरोल ड्रेसिंग रूम के अंदर थी, ट्रंप वहां आ गए और अचानक सब कुछ बदल गया। ट्रंप कैरोल से लगभग दोगुने आकार के हैं इसलिए वह अपना बचाव नहीं कर सकी। ई जीन कैरोल ने पहली बार 2019 में आरोप लगाया था और डोनाल्ड ट्रंप पर मानहानि का मुकदमा किया था लेकिन दुष्कर्म के दावे को शामिल करने में असमर्थ थी। नवंबर 2022 में न्यूयॉर्क में प्रभावी होने वाले एक नए कानून के बाद, जिसमें यौन उत्पीड़न के पीड़ितों को हमलों के दशकों बाद भी अपने कथित दुर्व्यवहारियों पर मुकदमा करने के लिए एक साल की अनुमति देता है। इस कानून के तहत कैरोल ने एक नया मुकदमा दायर किया, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप पर जबरन दुष्कर्म और छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया। जानकारों का कहना है मुकदमे की प्रकृति आपराधिक नहीं है, लेकिन यह मामला ऐसे समय में आया है जब डोनाल्ड ट्रंप को कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो उनके 2024 के दूसरे राष्ट्रपति पद के कार्यकाल को खतरे में डाल सकता है।

लंदन में बनेगा ब्रिटेन का पहला जगन्नाथ मंदिर: ओडिया मूल के बिजनेसमैन ने दान किए 254 करोड़, 2024 तक पूरा होगा पहला फेज

लंदन।

ब्रिटेन की राजधानी लंदन में देश का पहला जगन्नाथ मंदिर बनने जा रहा है। इसके लिए ओडिया मूल के बिजनेसमैन बिस्वनाथ पटनायक ने 254 करोड़ रुपए दान किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि मंदिर निर्माण का पहला चरण अगले साल के खत्म होने तक पूरा हो जाएगा। मंदिर का निर्माण चैरिटी कमीशन इन इंग्लैंड में रजिस्टर्ड श्री जगन्नाथ सोसाइटी करवा रही है। फिनेनेस्ट ग्रुप के फाउंडर पटनायक और कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण कार इस मंदिर निर्माण के लिए दान करने वाले मुख्य लोगों में शामिल हैं। कार ने बताया कि पटनायक की तरफ से 254 करोड़ रुपए फिनेनेस्ट ग्रुप की कंपनियां देंगी। ग्रुप ने मंदिर निर्माण के लिए 15 एकड़ जमीन खरीदने के लिए 71 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है।

अक्षय तृतीया पर पटनायक ने लिया दान का संकल्प - लंदन में अक्षय तृतीया के मौके पर पहले श्री जगन्नाथ सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय हाईकमीशन के डिप्टी कमिश्नर सुजीत घोष और भारत के मंत्री

(संस्कृति) अमीश त्रिपाठी मौजूद रहे। इनके अलावा पुरी के महाराज गजपति दिब्यसिंह देब, महारानी लीलाबती पट्टामहादेई के साथ शामिल हुए। इसी सम्मेलन में पटनायक ने मंदिर के लिए 254 करोड़ रुपए दान करने का संकल्प लिया।

उन्होंने कहा- मंदिर के सपने को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ में विश्वास रखते हुए मिलकर काम करना होगा। चैरिटी कमीशन इन इंग्लैंड के मुताबिक, मंदिर के लिए जमीन की पहचान कर ली गई है और वह खरीद के अंतिम चरण में है। मंदिर के निर्माण की इजाजत के लिए लोकल गवर्नमेंट को एक प्री-प्लानिंग एप्लिकेशन भी जमा कर दी गई है।

विक्रम लैंडर जैसे हादसे का शिकार हुआ जापान का स्पेसक्राफ्ट, चांद पर उतरते ही हुई क्रैश लैंडिंग

टोक्यो।

जापान को भारत के विक्रम लैंडर जैसे हादसे का सामना करना पड़ा है। उसका चांद पर अपना लैंडर उतारने का सपना अधूरा रह गया। दरअसल, जापान की निजी कंपनी आईस्पेस इंक का एक लैंडर चंद्रमा के लिए रवाना हुआ था। कहा जा रहा था कि पहली बार किसी देश की निजी कंपनी का यान चांद की सतह पर उतरेगा, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। ग्राउंड टीम का लैंडर से संपर्क टूट गया है। लैंडर का नाम हाकुतो-आर मिशन 1 है। जापानी कंपनी के इस सैटेलाइट को पिछले साल दिसंबर में फ्लोरिडा के केप केनवरल से स्पेसएक्स के रॉकेट से लॉन्च किया गया था। संस्थापक और मुख्य कार्यकारी ताकेशी हाकामादा ने अंतरिक्ष यान से संचार बंद होने के

बाद कहा कि हमारा संपर्क टूट गया है। हमें उम्मीद थी कि संपर्क फिर से जुड़ जाएगा, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। इससे साफ है कि हम चंद्र सतह पर लैंडिंग नहीं कर सके और हमारा मिशन असफल रहा। उन्होंने कहा कि लैंडर को सतह पर पहुंचने में जरूर बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ा होगा। हाकुतो-आर मिशन 1 की लंबाई 7.55 फीट है। यह यान चंद्रमा की सतह से 100 किलोमीटर ऊपर 6000 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से घूम रहा था। धीरे-धीरे इसकी गति को कम किया गया था क्योंकि चंद्रमा की गुरुत्वाकर्षण शक्ति ने इसे खींचना शुरू कर दिया था। हाकुतो-आर मिशन की लैंडिंग चंद्रमा के उत्तरी गोलार्ध पर मौजूद मारे फ्रिगोरिस के पास होनी थी। इसके बाद रू अपने दो पहिए वाला रोवर बाहर निकालता। बता दें, यह रोवर बेसबॉल के आकार का था। अब तक सिर्फ अमेरिका, सोवियत संघ और चीन ने ही चांद पर सफल लैंडिंग की है। वहीं, भारत और इजरायल जैसे देश भी चांद पर लैंडिंग करने में असफल रहे हैं। इस रोवर को जापानी खिलौना कंपनी टोमी को और सोनी ग्रुप ने मिलकर बनाया था। साथ ही संयुक्त अरब अमीरात का चार पहियों वाला राशिद रोवर भी लैंडर में था। जापान के इस मिशन का दूसरा यान 2024 में लॉन्च करने की योजना है। तब आईस्पेस अपना खुद का रोवर लेकर आएगी।

सिंगापुर में गांजा तस्करी करने वाले तंगराजू को फांसी

तमिल बोलता था, अंग्रेजी में पूछताछ हुई; 2014 में एक किलोग्राम ड्रग्स के साथ पकड़ा गया था

सिंगापुर।

सिंगापुर में एक शख्स को ड्रग स्मगलिंग के लिए फांसी दी गई। 2018 में 46 साल के तंगराजू सुप्पैया को एक किलोग्राम गांजे की तस्करी करने के आरोप में फांसी की सजा सुनाई गई थी। यूनाइटेड नेशन्स ह्यूमन राइट काउंसिल ने फांसी की सजा का विरोध किया था। बावजूद इसके तंगराजू को फांसी दे दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, तंगराजू की तमिल बोलता था और पुलिस ने उससे अंग्रेजी में पूछताछ की। इस दौरान कोई इंटरप्रेटर मौजूद नहीं था। तंगराजू को फांसी दिए जाने के पहले जिनेवा स्थित ग्लोबल कमिशन ऑन ड्रग पॉलिसी के मेंबर और ब्रिटिश टायकून रिचर्ड ब्रैनसन ने कहा था- तंगराजू का ड्रग्स से कोई वास्ता नहीं था। सरकार एक निर्दोष शख्स को फांसी पर लटकाने वाली है।

सिंगापुर सरकार बोली- सबूत के आधार पर सजा दी - सिंगापुर के गृह मंत्रालय ने कहा- तंगराजू के खिलाफ सबूत मिले थे। उसके नाम पर दो मोबाइल नंबर थे, जिनसे वो ड्रग्स के लेन-देन को लेकर बातचीत करता था। वो मलेशिया से सिंगापुर में गांजे की तस्करी करने की कोशिश में

पकड़े गए दो अन्य लोगों के साथ फोन पर बातचीत करता था।

2014 में हुई थी गिरफ्तारी - सिंगापुर में ड्रग कानून काफी सख्त है। यहां के ड्रग एक्ट के मुताबिक, 500 ग्राम से ज्यादा गांजा तस्करी करने वाले को फांसी की सजा होती है। इसके अलावा गांजा रखने वाले और इसका सेवन करने वाले को 10 साल तक की सजा हो सकती है। 2014 में गिरफ्तारी के समय तंगराजू के पास एक किलोग्राम से ज्यादा (1,017.9 ग्राम) गांजा बरामद किया गया था। 2017 में उसके खिलाफ आरोप साबित हुए। इसके बाद उसे सजा सुनाई गई थी।

2019 में सजा पर रोक लगाने वाली सभी याचिकाएं खारिज हुईं - तंगराजू के परिवार ने कई बार फांसी की सजा पर रोक लगाने के लिए याचिकाएं दायर की थीं। कोर्ट ने 2019 में सभी याचिकाएं खारिज कर दीं। परिवार का कहना था कि तंगराजू पर लगाए गए आरोप मुख्य रूप से उसकी पुलिस पूछताछ के बयानों पर निर्भर थे। ये पूछताछ किसी वकील और इंटरप्रेटर की मौजूदगी के बिना हुई थी। तंगराजू की मातृभाषा तमिल थी और पुलिस उससे अंग्रेजी में सवाल कर रही थी। ऐसे में इंटरप्रेटर का मौजूद होना जरूरी था। वहीं, मानवाधिकारों के लिए लड़ने वाली संस्था एमनेस्टी इंटरनेशनल का कहना है कि किसी को भी मौत की सजा तब दी जानी चाहिए जब आरोप पूरी करह से सिद्ध हो जाएं। लीगल प्रोसेस के बाद कार्रवाई में कोई खामी नजर नहीं आनी चाहिए। सभी सबूत पुख्ता होने चाहिए, लेकिन तंगराजू के केस में काफी खामियां थीं। कई अन्य संस्थाओं का भी कहना है कि तंगराजू के खिलाफ मामला काफी हद तक परिस्थितियों और अनुमानों पर आधारित है।

6 महीने बाद किसी को फांसी दी गई - सिंगापुर में पिछले 6 महीने में किसी को फांसी नहीं दी गई थी। सिंगापुर में दो साल से ज्यादा के समय बाद मार्च 2022 में फांसी की सजा देना फिर से शुरू किया गया। तब से अब तक तंगराजू 12वां शख्स है जिसे फांसी दी गई।

जब तुर्की के राष्ट्रपति ने बीच में ही छोड़ दिया लाइव इंटरव्यू, 15 मिनट बाद लौटे और बताई यह वजह

अंकारा। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें अर्दोआन को एक लाइव इंटरव्यू को बीच में ही रुकवाते और छोड़ते देखा जा सकता है। अर्दोआन करीब 15 मिनट बाद इस इंटरव्यू में लौटते हैं और जनता से माफी मांगते हुए अपने उठकर जाने की वजह भी बताते हैं। तुर्की में 14 मई को आम चुनाव होने हैं। इसके चलते अर्दोआन लगातार मीडिया और लोगों के सामने अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। उनका चुनावी अभियान भी जोर-शोर से जारी है। 69 साल के अर्दोआन अब तक इस अभियान से जुड़े तीन भाषण दे चुके हैं। वहीं, कई टीवी इंटरव्यू का हिस्सा भी बन चुके हैं। अपने चुनावी अभियान के तहत ही उन्होंने साझा तौर पर उल्के टीवी और कनाल 7 न्यूज एजेंसी को एक इंटरव्यू दिया। मजेदार बात यह है कि ये इंटरव्यू भी अपने शेड्यूल से डेढ़ घंटे बाद शुरू हुआ। हालांकि, शुरू होने के महज 10 मिनट में ही सवाल-जवाब के दौरान इसे फिर रोक दिया गया। इंटरव्यू के लाइव वर्जन की जो क्लिप वायरल हो रही है, उसमें सवाल-जवाब के बीच ही अचानक से कैमरे को हिलते और रिपोर्टर को अपनी कुर्सी से खड़े होते देखा जा सकता है। इसके बाद ब्रॉडकास्ट कट जाता है और पीछे से कुछ आवाज आती हैं। अर्दोआन इस इंटरव्यू में 15 मिनट बाद लौटते हैं और अपने अचानक बीमार होने को लेकर माफी मांगते हैं। वे रिपोर्टर से कहते हैं कि लगातार दो दिन में काफी काम करने की वजह से उन्हें पेट की समस्या हो गई।

सूडान से लौटने वाले राजस्थानियों के दिल्ली से परिवहन खर्च वहन करेगी राज्य सरकार

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक और मानवीय पहल दिखाते हुए निर्णय लिया गया है कि सूडान से लौटने वाले सभी राजस्थानियों को दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद राज्य सरकार के खर्चे पर राजस्थान में उनके अंतिम गंतव्य तक ले जाया जाएगा। राजस्थान सरकार इन सब के लिए रहने और खाने की भी व्यवस्था करेगी। मुख्यमंत्री ने पूर्व में आंतरिक संघर्ष के कारण सूडान में फंसे सभी राजस्थानियों के लिए चिंता व्यक्त की थी और हेल्पलाइन नंबर शुरू किए थे, जिसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। राजस्थान और यहां तक कि राज्य के बाहर के कई लोग, जिनके रिश्तेदार सूडान में हैं, ने इन नंबरों पर जानकारी मांगने के साथ-साथ संघर्ष प्रभावित अफ्रीकी देश में मौजूद अपने व्यक्तियों के बारे में विवरण प्रदान करवाया है। बीकानेर हाउस रेजिडेंट कमिश्नर ऑफिस और राजस्थान फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से सूडान में फंसे राजस्थानियों की सूची भी विदेश मंत्रालय को मुहैया कराई गई है। राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त धीरज श्रीवास्तव, जो रेजिडेंट कमिश्नर भी हैं, ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने हिंसा प्रभावित सूडान में राजस्थानियों की सुरक्षा और निकासी सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए। उनके प्रयासों के कारण ही हम विदेश मंत्रालय को प्रवासी राजस्थानियों के बारे में प्रामाणिक जानकारी देने वाले सर्वप्रथम राज्य बने। इसके साथ ही सूडान से लौटे सभी राजस्थानियों को चाहे वे फ्लाइट, बस या किसी अन्य प्रकार के परिवहन से यात्रा कर रहे हों, राज्य सरकार उनको उनके गंतव्य स्थान तक निशुल्क पहुंचाएगी। सूडान से राजस्थानियों को सुरक्षित निकालने में हमारा प्रवासी परिवार भी काफी मददगार रहा है। मुख्य आवासीय आयुक्त, बीकानेर हाउस शुभ्रा सिंह और सीआरएफ ने सभी राजस्थानियों से आग्रह किया कि वे सूडान में संघर्ष से प्रभावित लोगों के बारे में जानकारी देने के लिए संपर्क करें और अधिकारियों को विवरण प्रदान करें।

कौशल रोजगार निगम में कर्मचारियों का किया जा रहा शोषण : विकास गोस्वामी

फील्ड कर्मचारी की समस्याओं के समाधान के लिए बनाई आंदोलन की रणनीति

हिसार (हिंस)। सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की जनस्वास्थ्य विभाग शाखा की बैठक बुधवार को सर्व कर्मचारी संघ कार्यालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता शाखा प्रधान दीपक लोट ने की जबकि शाखा सचिव विकास गोस्वामी ने संचालन किया। बैठक को संबोधित करते हुए शाखा प्रधान दीपक लोट व सचिव विकास गोस्वामी ने बताया कि जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अंतर्गत कार्यरत फील्ड कर्मचारी का लगातार शोषण किया जा रहा है। कर्मचारी वर्षों से विभाग में सेवा दे रहे हैं जबकि अधिकारियों द्वारा कौशल रोजगार निगम में इन कर्मचारियों का अनुभव दर्ज नहीं किया गया है, जिसके कारण उन्हें लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इन कर्मचारियों को ईएसआई कार्ड जारी नहीं किए गए हैं और इनको टीए का भुगतान भी नहीं किया जा रहा है। इसके अलावा इनको उनके द्वारा किए जा रहे कार्य के अनुसार पद आवंटित किए गए हैं। जिला प्रधान नरेश गौतम ने बताया कि फील्ड कर्मचारी लगातार हो रहे शोषण से काफी परेशान हैं और इसको लेकर उनमें रोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक में कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि यह आंदोलन कभी भी शुरू किया जा सकता है। बैठक में शाखा चेयरमैन रमेश आहूजा, वरिष्ठ उपप्रधान पवन शर्मा, राकेश शर्मा, अजय डाबड़ा, बृजलाल, अशोक पूनिया, रामू शर्मा, मदन लाल, पवन कुमार, राधेश्याम व महावीर, विशाल आदि मौजूद रहे।

भाजपा ने महिला मोर्चा समेत तीन जिलों के अध्यक्ष बदले

चंडीगढ़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में संगठन को नई धार देते हुए कई नियुक्तियां की हैं। पार्टी ने तीन जिलाध्यक्षों तथा महिला मोर्चा अध्यक्ष को बदल दिया है। इसके अलावा प्रदेश के चार जिलों में नए प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। प्रदेश कार्यालय सचिव गुलशन भाटिया ने प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की तरफ से जारी पत्र में पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता को प्रदेश उपाध्यक्ष, ईश्वर सिंह पलाका को प्रदेश सचिव, रेनु डाबला को प्रदेश सचिव तथा सुनीता डांगी को भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इसी प्रकार रेवाड़ी के हुक्मचंद यादव, भगवान दास कबीरपंथी, अजय बंसल, राकेश शर्मा तथा सुमित्रा चौहान को प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

महाराजा हरि सिंह की पुण्यतिथि पर उपराज्यपाल ने दी विनम्र श्रद्धांजलि

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बुधवार को महाराजा हरि सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। उपराज्यपाल ने एक ट्वीट में कहा कि महाराजा हरि सिंह को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। वह एक दूरदर्शी, राजनेता, प्रखर बुद्धिजीवी थे और आम आदमी के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने असाधारण सुधारों की शुरुआत की। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनके प्रगतिशील विचार और योगदान फीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे।

एमएसएमई सुविधा शिविरों का आयोजन कल और चार मई को

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के 21 जिलों में 28 अप्रैल और 12 जिलों में चार मई को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) सुविधा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों में उद्यमियों, व्यवसायियों और नागरिकों को राज्य सरकार व भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। यह जानकारी उद्योग विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थियों को योजनान्तर्गत आवेदन तैयार करने और आगन्तुकों को आर्थिक रूप से व्यवहार्य उद्यम के चिह्नीकरण, राज्य में उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं की जानकारी एवं उद्यमियों को अपने उत्पाद के विपणन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने बताया कि राज्य में उद्यमी को अपना उद्यम स्थापित करने, विस्तार करने एवं उद्यम संचालन में आ रही समस्याओं के निराकरण के लिए सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से प्रत्येक जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र में एमएसएमई फेसिलिटेशन सेन्टर्स कार्यरत हैं। शिविरों में उद्यम संचालन में आ रही कठिनाइयों के निवारण संबंधी कार्रवाई भी की जाएगी।

बृजभूषण व मंत्री संदीप सिंह को संरक्षण देना लोकतंत्र के लिए खतरा : बजरंग गर्ग

हिसार (हिंस)। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता बजरंग गर्ग ने कहा है कि महिला यौन शोषण के आरोप लगने के बाद सरकार को तुरंत प्रभाव से भारतीय कुश्ती संघ के प्रधान बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके उसे बर्खास्त करना चाहिए। केंद्र व प्रदेश सरकार के लिए बड़ी शर्म की बात है कि अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों को इंसाफ लेने के लिए बार-बार धरना प्रदर्शन करना पड़ रहा है जबकि सरकार बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाएं उसे बचाने में लगी हुई है। बजरंग गर्ग बुधवार को कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा एक ढकोसला है जबकि बहन-बेटियों को भाजपा नेताओं से बचाने की जरूरत है। भाजपा सरकार में बेटी, बहन, बहु कोई सुरक्षित नहीं है। सात महिला

खिलाड़ियों ने बृजभूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाते हुए दिल्ली कनॉट पैलेस के थाने में मुकदमा दर्ज कराने की शिकायत दी थी, पुलिस को शिकायत देने के बावजूद कार्रवाई ना होना निंदनीय है। भाजपा सरकार में अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों को इंसाफ नहीं मिला तो आम जनता की इस राज में क्या सुनवाई होगी। उन्होंने कहा कि जांच समिति के सदस्य व भाजपा नेत्री बबीता फोगाट ने स्पष्ट कहा है कि वह जांच रिपोर्ट से असंतुष्ट है। उन्होंने कहा कि कुछ माह पहले राष्ट्रीय महिला कोच ने हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाते हुए संदीप सिंह के खिलाफ चंडीगढ़ में मुकदमा दर्ज करवाया था मगर मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने आज तक संदीप सिंह पर कोई कार्रवाई नहीं की, ना ही संदीप सिंह को बर्खास्त किया गया है, उल्टा संदीप सिंह के पक्ष में बयानबाजी करके देश की बहन-बेटियों का अपमान करने का काम किया है। इस मौके पर पूर्व मंत्री सुभाष गोयल, पूर्व विधायक नरेश सेलवाल, वरिष्ट कांग्रेसी नेता धर्मवीर गोयत, हांसी नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन सुमन शर्मा, पार्षद प्रतिनिधी सुशील शर्मा, कांग्रेस नेता तेजवीर पूनिया, सोमवीर लांबा, जगजीत सिंह सिंधु, सुरेन्द्र पंघाल, राजवीर नैन, दिलदार बिठमडा, अमर गुप्ता, व्यापार मंडल के प्रदेश संगठन मंत्री राजेन्द्र बंसल, प्रदेश सहसचिव निरंजन गोयल, युवा व्यापार मंडल के प्रदेश प्रभारी राहुल गर्ग, अनिल बिश्नोई आदि नेतागण मौजूद थे।

समलैंगिक विवाह के विरुद्ध एकजुट हुए सामाजिक-धार्मिक संगठन

फरीदाबाद (हिंस)। समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह के विरुद्ध एकजुट हुए सामाजिक-धार्मिक संगठनों ने रोक लगाने के लिए मांग पत्र दिया है। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन जिला उपायुक्त के माध्यम से समलैंगिक विवाह पर तुरंत रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया गया है। विश्वम्भरा सेवा न्यास सहित फरीदाबाद के अन्य संगठनों की महिला प्रतिनिधि काफी संख्या में उपस्थित रहीं। बुधवार को सेक्टर 12 स्थित लघु सचिवालय पर विश्वम्भरा सेवा न्यास का प्रतिनिधिमंडल अन्य संगठनों की महिला स्वयंसेविकाओं के साथ एकत्रित हुआ। न्यास की अध्यक्ष रजनी गुलाटी ने बताया कि उन्होंने आज अन्य संगठनों के सहयोग से राष्ट्रपति के नाम एक मांगपत्र जिला उपायुक्त विक्रम के माध्यम से दिया जिसमें भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक सामंजस्य के लिए गंभीर समस्या बनने वाले समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह के विरुद्ध तुरंत

रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया गया है। गुलाटी ने बतया कि समलैंगिक व्यक्तियों के विवाह को मान्यता नहीं मिलनी चाहिए क्योंकि यह हमारी संस्कृति -सभ्यता पर आघात होने जा रहा है। देश एवं राष्ट्रहित में हमारा जन जागरण अभियान कार्य जारी रहेगा। उपरोक्त मांग पत्र में बताया गया कि भारत देश, आज, सामाजिक, आर्थिक क्षेत्रों की अनेक चुनौतियों का, सामना कर रहा है। विश्वम्भरा सेवा न्यास फरीदाबाद की सचिव सुषमा तोलम्बिया ने बताया कि विशंभरा सेवा न्यास फरीदाबाद किस सचिव सुषमा तोलंबिया ने बताया कि हमारे हिंदू जीवन पद्धति को विश्व देख रहा है। यथासंभव अनुसरण भी कर रहा है। यह हमारे लिए गर्व एवं गौरव का विषय है। भारतीय संस्कृति एवं संस्कार की धरोहर की चाबी को हम नई पीढ़ी को सौंपते हैं। मांग पत्र के माध्यम से माननीय न्यायालय से विनम्र निवेदन किया गया है कि इस विषय की गंभीरता का ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर विश्वम्भरा सेवा न्यास फरीदाबाद की अध्यक्ष रजनी गुलाटी, सचिव सुषमा तोलम्बिया, साध्वी शकुंतला,कोषाध्यक्ष ममता मलिक, नीरू धींगड़ा, शालिनी सहित अन्य सामाजिक एवं धार्मिक संगठन की महिला प्रतिनिधि उपस्थित रही।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर सिख समाज भड़का

यमुनानगर (हिंस)। सिख समाज के गुरु और सिख धर्म को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट और अभद्र टिप्पणी डालने के विरोध में आरोपित की गिरफ्तारी को लेकर बुधवार को सिख समाज के लोग बड़ी संख्या में सदर थाना जगाधरी पहुंचे। पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू की और आरोपित के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया। गांव महिलावाली के शिकायतकर्ता सुखजिंदर सिंह ने बताया कि साढ़ौरा थाने के गांव हैबतपुर में रहने वाले गौरव पंडित नाम के युवक की आईडी से सोशल मीडिया पर हमारे गुरू और सिख धर्म को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट डाली है। जिसमें अभद्र भाषा लिखी हुई है। जिसमें विशेषकर मोहाली के एक गुरुद्वारे में दो दिन पहले हुई गुरुग्रंथ साहिब बेदबी मामले का भी जिक्र उसने अपनी पोस्ट में डाला हुआ है जिसे वह सही बता रहा है। किसान नेता मंदीप सिंह रोड छप्पर ने कहा कि इस तरह

की गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह की पोस्ट से हमारी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। हम अपने गुरुओं और धर्म का तिरस्कार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस सूचना के मिलते ही जिला पुलिस उप अधीक्षक प्रमोद कुमार थाना सदर जगाधरी में पहुंचे और सिख समाज को आरोपित युवक के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल को दी श्रद्धांजलि

फतेहाबाद (हिंस)। पंजाब के पूर्व सीएम प्रकाश सिंह बादल के निधन पर बुधवार को पुराना बस स्टैंड स्थित रेस्ट हाउस में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में जहां उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया, वहीं उपस्थित लोगों ने उनकी जीवनी और राजनीतिक संघर्ष के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर युवा इनेलो के प्रदेश उपाध्यक्ष राणा जोहल ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल 11 बार विधायक बने, 5 बार पंजाब के मुख्यमंत्री बने और दो बार सांसद बने। इतने लंबे राजनीतिक सफर में उन्होंने गरीब, मजदूर, किसान और कमेरे वर्ग की आवाज को बुलंद करने का काम किया। उन्होंने कहा कि प्रकाश सिंह बादल को पंजाब ही नहीं, बल्कि देश की राजनीति की नर्सरी कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। उनके चले जाने से राजनीतिक और सामाजिक तौर पर जो नुकसान हुआ है, उसकी कभी भरपाई नहीं हो सकती। राजनीति में आने वाली पीढ़ी को भी उनकी

जीवनी से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। शिरोमणि अकाली दल बादल के जिला महासचिव महेंद्र सिंह वधवा ने कहा कि उनकी पार्टी से जुड़े होने के कारण उनसे राजनीतिक तौर पर बहुत कुछ सीखने को मिला है। उन्होंने कहा कि संयुक्त पंजाब के बाद अलग हुए हरियाणा से प्रकाश सिंह बादल का जुड़ाव रहा तथा वह समय-समय पर यहां के लोगों की आवाज को भी बुलंद करने का काम करते थे। माकपा नेता और पार्षद मोहन लाल नारंग ने कहा कि वह अपनी स्टूडेंट लाइफ से प्रकाश सिंह बादल को जानते हैं।

मुख्यमंत्री से बातचीत के बाद भी आरक्षण आंदोलन छठे दिन जारी, इंटरनेट सेवा बंद

भरतपुर (हिंस)। बारह फीसदी आरक्षण की मांग को लेकर जयपुर-आगरा हाइवे स्थित अरोदा पर जाम लगाकर बैठे सैनी, शाक्य, मौर्य और कुशवाह समाज का आरक्षण आंदोलन बुधवार को छठे दिन भी जारी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से हुई बातचीत में आरक्षण के लिए प्रक्रिया शुरू करने का भरोसा देने के बावजूद आरक्षण आंदोलन खत्म करने की राह नहीं निकल पाई हैं। सैनी समाज आरक्षण संघर्ष समिति और आंदोलनकारी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के आश्वासन से संतुष्ट नहीं हुए और अपनी मांगों को लेकर अभी भी आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन के हालात को देखते हुए संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने भी इंटरनेट सेवाओं की बंद अवधि को 26 अप्रैल की रात 12 बजे तक बढ़ा दिया है। जयपुर-आगरा नेशनल हाईवे-21 पर आरक्षण को लेकर जुटे आंदोलनकारियों ने साफ कह दिया है कि वे राष्ट्रीय राजमार्ग खाली नहीं करेंगे। मंगलवार शाम फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी ने अरोदा गांव पहुंचकर आंदोलनकारियों से सीएमआर पर मुख्यमंत्री से हुई वार्ता के बिंदू साझा किए थे। सैनी ने कहा कि सरकार ने आरक्षण पर काम शुरू कर दिया है लेकिन आंदोलनकारियों ने मंगलवार को सुसाइड करने वाले आंदोलनकारी मोहन सिंह के परिवार को एक करोड़ के मुआवजे व परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी की मांग कर दी। इससे मामला अटक गया। आंदोलनकारियों का कहना है कि सरकार जब तक मुआवजे का ऐलान नहीं करेगी, हाईवे खाली नहीं करेंगे। मंगलवार को धरना स्थल के पास चह गांव में हाईवे के किनारे पेड़ से फंदा लगाकर एक आंदोलनकारी मोहन सिंह (48) ने आत्महत्या कर ली थी। मंगलवार को फुले आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी की अगुवाई में सैनी समाज का एक प्रतिनिधि मंडल जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचा और सीएम अशोक गहलोत से मुलाकात की।

हरियाणा विधानसभा स्पीकर ने किया 14 समितियों का गठन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने वर्ष 2023-24 के लिए 14 समितियों के सभापति और सदस्य मनोनीत किए हैं। नए वित्तीय वर्ष की बैठकों से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष इन समितियों के सभापतियों के साथ बैठक कर उनके गत वर्ष की समीक्षा और भविष्य के लिए कार्ययोजना पर विमर्श करेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता द्वारा गत वर्ष से शुरू हुई आदर्श संसदीय परम्परा का निर्वहन करते हुए इस बार भी लोक लेखा समिति और सरकारी आश्वासनों के बारे में समिति के सभापति विपक्षी दल के विधायकों को मनोनीत किया गया है।

पटियाला और फिरोजपुर में चार लोगों की गई जान, लुधियाना में ट्रेन से कटकर युवक की मौत

पटियाला/फिरोजपुर/लुधियाना। पटियाला में सरहंदी गेट के नजदीक पीआरटीसी बस ने एक्टिवा सवार रिटायर टीचर को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक आशा चोप ?ा (60) निवासी फैक्टरी एरिया दोपहर को किसी काम से एक्टिवा पर सवार होकर सरहंदी गेट के नजदीक पीआरटीसी वर्कशाप के पास से गुजर रही थीं। इसी बीच एक तेज रफ्तार पीआरटीसी बस ने उनकी एक्टिवा को टक्कर मार दी। इससे वह नीचे गिर गईं और बस के टायरों के नीचे आकर कुचली गईं। वारदात के बाद आरोपी बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बस को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। उसके खिलाफ थाना लाहौरी गेट में केस दर्ज कर लिया गया है। इसके अलावा राजपुरा रोड पर सड़क हादसे में एक्टिवा सवार कॉलेज छात्रा की मौत हो गई। छात्रा की पहचान हरमनप्रीत कौर के तौर पर हुई है। बताया जा रहा है कि वह एक्टिवा पर सवार होकर राजपुरा रोड से गुजर रही थी। इसी बीच तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। फिरोजपुर के मक्खू और गुरुहरसहाए में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जगदीप सिंह निवासी मिशन बस्ती मक्खू ने पुलिस को बताया कि उनके पिता जोगराज सिंह (66) स्कूटी पर मक्खू से अपने घर मिशन बस्ती लौट रहे थे। वह जैसे ही राधा स्वामी डेरे के नजदीक पहुंचे तो तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। उन्हें बठिंडा रेफर किया गया, जहां उनकी मौत हो गई। थाना मक्खू पुलिस ने आरोपी चालक सुखजिंदर सिंह निवासी पट्टी जिला तरनतारन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह, हरजिंदर सिंह निवासी लक्खोके बहराम ने पुलिस को बताया कि उनके पिता हरभजन सिंह बाइक पर सोहनगढ़ रत्ते वाला की तरफ जा रहे थे।

शहीद जवानों के घर पहुंचे सीएम भगवंत मान, दुख किया साझा

परिवार को सौंपे एक करोड़ का चेक

बठिंडा/बटाला (पंजाब)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आंतकी हमले शहीद सैनिक सेवक सिंह और हरकृष्ण सिंह के घर सीएम भगवंत मान पहुंचे। उन्होंने शहीद के परिजनों के साथ दुख साझा किया। इस दौरान सीएम मान ने परिजनों को एक-एक करोड़ रुपए के चेक भी सौंपे। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने एलान किया कि शहीद के नाम पर बठिंडा के गांव बाघा में खेल स्टेडियम बनाया जाएगा। वहीं दूसरी तरफ बाघा और अन्य गांव के लोगों ने मुख्यमंत्री मान के समक्ष नशे का मुद्दा उठाया। ग्रामीणों ने कहा कि पुलिस सुनवाई नहीं करती है। मुख्यमंत्री मान ने आश्वासन दिया कि किसी भी नशा तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा और अगर कोई भी पुलिसकर्मी नशा तस्करों की सहायता करते मिला तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। बुधवार दोपहर को शहीद सेवक सिंह के घर पहुंचे मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने

शहीद के परिजनों से दुख साझा किया। सीएम ने एलान किया कि शहीद के नाम पर गांव में अच्छा खेल स्टेडियम बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री मान ने कहा कि शहीद के परिवार की राज्य सरकार हर तरह से सहायता करेगी। परिवार की अन्य मांग को भी तुरंत पूरा किया जाएगा। उधर, सीएम मान बटाला के गांव तलवंडी भरथ पहुंचे। यहां शहीद हरकृष्ण सिंह के परिवार से मुलाकात की और परिवार को एक करोड़ रुपए का चेक सौंपा। सीएम मान ने कहा कि समूचा देश सिपाही हरकृष्ण सिंह का कर्जदार है। उन्होंने देश की सुरक्षा में अपने जीवन का बलिदान दिया है। भगवंत मान ने एलान किया कि गांव के सरकारी स्कूल का नाम शहीद के नाम पर रखा जाएगा। वहीं गांव की धर्मशाला को नया रूप देने और स्टेडियम के निर्माण के लिए 73.50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे।

ग्राहकों के फंड पर ब्रोकर नहीं बना पाएंगे बैंक गारंटी, मौजूदा गारंटी 30 सितंबर तक खत्म करने का निर्देश

नई दिल्ली ।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शेयर बाजार के ब्रोकरों को अब ग्राहकों के फंड पर बैंक गारंटी बनाने पर रोक लगा दी है। साथ ही कहा है कि मौजूदा गारंटी को 30 सितंबर तक समाप्त कर देना चाहिए। यह नया नियम एक मई से लागू हो जाएगा। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार ब्रोकर और अन्य बिचौलिये ग्राहकों के फंड को बैंकों के पास गिरवी रखते हैं, जो बदले में बड़ी रकम के लिए क्लियरिंग कॉरपोरेशन को मंजूरी देने की गारंटी देते हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक सर्कुलर में कहा कि यह प्रक्रिया विशेष रूप से ग्राहक के फंड को जोखिम में डालती है।

स्टॉक एक्सचेंज व क्लियरिंग कॉरपोरेशन करेंगे निगरानी – सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों और क्लियरिंग कॉरपोरेशन को व्यवस्थित तरीके से बैंक गारंटी को बंद करने की निगरानी करने के लिए कहा है। गौरतलब है कि ग्राहकों के शेयरों को गिरवी रखने पर पहले भी निवेशकों को नुकसान हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि इस आदेश से ग्राहकों के फंड के दुरुपयोग की संभावना रुक सकेगी।

विदेशी मुद्रा में निवेश के जोखिम का प्रमाणपत्र देना होगा जरूरी – भारतीय निवासियों को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गैर वितरण फारवर्ड मार्केट (एनडीएफ) के खुलने का लाभ उठाने के लिए विदेशी मुद्रा में निवेश पर जोखिम का प्रमाणपत्र देना होगा। बैंकरों ने कहा कि आरबीआई ने इसी महीने मौद्रिक नीति समिति (एमपीसीपी) की बैठक में कहा था कि यह आईएफएससी बैंकिंग इकाइयों के साथ स्थानीय लोगों को भारतीय रुपये से जुड़े गैर-वितरण योग्य विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंधों की पेशकश करने की मंजूरी देगा। एक आईएफएसी बैंकिंग यूनिट (आईबीयू) को आरबीआई की ओर से इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेस सेंटर (आईएफएसी) से परिचालन की मंजूरी मिलती है।

बोलेरो मैक्स पिकअप रेंज 7.85 लाख में पेश – महिंद्रा एंड महिंद्रा ने मैक्स पिकअप रेंज को पेश किया है। इसकी शुरुआती कीमत 7.85 लाख रुपये होगी। कंपनी के ऑटोमोटिव विभाग के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा कि खरीदार इसे 24,999 रुपये के न्यूनतम डाउन पेमेंट पर बुक कर सकते हैं। ग्लेनमार्क फार्मा अमेरिका में जेनरिक ड्रग के मामले निपटाने के लिए 8.75 करोड़ डॉलर का भुगतान करेगी।

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में भी हो सकेगा विकास कार्य; SC ने बैन हटाया, बताया ये कारण

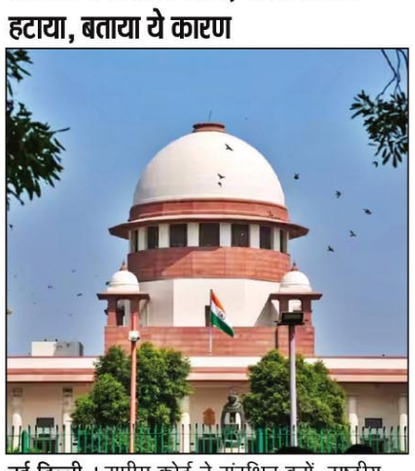

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने संरक्षित वनों, राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के आसपास कम से कम एक किलोमीटर के इको-सेंसिटिव जोन (ईएसजेड) के भीतर विकास कार्य पर लगा पूर्ण प्रतिबंध हटा दिया है। अदालत ने पिछले साल जून में पर्यावरण के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों के भीतर विकास या निर्माण कार्य पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था। हालांकि, अब उस आदेश में संशोधन किया गया है। आज का फैसला एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया, जहां अदालत की पर्यावरण पीठ वन मंजूरी और वन भूमि की सुरक्षा की समीक्षा कर रही थी। इस महीने की शुरुआत में मामले की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा था कि वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों के आसपास पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों के भीतर विकास पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता है। अदालत ने कहा कि वह आदेश में संशोधन करना चाहती है। कोर्ट ने कहा, अगर इस फैसले को लागू किया जाता है, तो हर राज्य में प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) के पास स्थायी संरचनाओं के निर्माण के लिए व्यक्तिगत ग्रामीणों के अनुरोधों पर विचार करने के अलावा कोई अन्य काम नहीं बचेगा।

ई-कॉमर्स कंपनियों की बाजार बिगाड़ने वाली कीमत के खिलाफ सरकार, पीयूष गोयल ने साधा निशाना

नई दिल्ली । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार ऑनलाइन मंचों पर आकर्षक फ्लैश सेल के खिलाफ नहीं है। हालांकि, हम ई-कॉमर्स कंपनियों की ओर से बाजार बिगाड़ने वाली कीमत और धोखाधड़ी के तरीके अपनाकर उपभोक्ताओं की पसंद पर 'अंकुश' लगाने के खिलाफ हैं। उपभोक्ता मंत्रालय का भी जिम्मा संभालने वाले गोयल ने कहा, उपभोक्ता फ्लैश सेल का लाभ उठाने के लिए ई-मार्केट प्लेस मंच से अक्सर सामान खरीदते हैं। लेकिन, ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी पसंदीदा या प्रमोटेड इकाइयों से ही खरीदारी करने के लिए इन उपभोक्ताओं को बाध्य करती हैं। यह पूरी तरह धोखा है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों के खिलाफ है। गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा, अगर कोई छूट देना चाहता है तो मैं शिकायत क्यों करूं। उपभोक्ताओं को अच्छी कीमत पर सौदा मिल रहा है तो हमें कोई दिक्कत नहीं है।

पांच वर्ष में स्वास्थ्य पर 17प्रतिशत कम हुआ जेब खर्च, सरकारी खर्च 13प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली । बीते पांच साल में स्वास्थ्य पर 17 फीसदी तक जेब खर्च कम हुआ है जबकि स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च में करीब 13 (12.8) फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी जारी राष्ट्रीय स्वास्थ्य खाता 2019-20 रिपोर्ट में सामने आई है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि कुल जीडीपी में सरकारी स्वास्थ्य व्यय पर बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, 2014-15 की तुलना में कुल स्वास्थ्य पर सरकारी खर्च 28.6 फीसदी से बढ़कर 2019-20 में 41.4 फीसदी दर्ज किया गया है। इसी अवधि में, सरकारी खर्च का शेयर 3.9 से बढ़कर 5.02 फीसदी रहा। इन्हीं पांच वित्तीय वर्ष में जेब खर्च भी 64.2 से घटकर 47.1 फीसदी रह गया। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने रिपोर्ट पर कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2011 में एक फ्रेमवर्क तैयार किया था जिसके आधार पर देश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य खाता रिपोर्ट तैयार की जाती है।

12.14 फीसदी रही केंद्र सरकार की हिस्सेदारी...

रिपोर्ट के अनुसार, हेल्थ केयर फाइनेंसिंग स्कीम्स द्वारा कुल वर्तमान स्वास्थ्य व्यय (2019-20) 5.93 लाख करोड़ रुपये रहा।

वित्त मंत्रालय ने किया आगाह, संभावित खतरों से आर्थिक वृद्धि और महंगाईपर बढ़ेगा जोखिम

नई दिल्ली ।

तमाम चुनौतियों के बावजूद विकास की पटरी पर तेज गति से रफ्तार भर रहे भारत को कृषि उपज में कमी, कीमतों में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिवर्तन जैसे संभावित जोखिमों से सतर्क रहने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय ने मासिक आर्थिक समीक्षा में आगाह करते हुए कहा, अल नीनो (स्पैनिश में लिटिल ब्वॉय) से सूखे जैसे हालात बन सकते हैं।

इससे कृषि उपज में कमी के साथ कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका है। भू-राजनीतिक परिवर्तन और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता जैसे संभावित जोखिम भी भारत की चिंता बढ़ा सकते हैं। ये तीनों कारक अनुमानित आर्थिक वृद्धि और महंगाई के परिणामों के अनुकूल संयोजन को प्रभावित कर सकते हैं।

मंत्रालय ने समीक्षा के मार्च संस्करण में कहा, चालू वित्त वर्ष में वास्तविक वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक के अनुमानों के अनुरूप है। हालांकि, कुछ कारक इस अनुमान को प्रभावित कर सकते हैं।

अर्थव्यवस्था : सबसे तेज रहेगी वृद्धि दर – रिपोर्ट के मुताबिक, महामारी और भू-राजनीतिक संघर्ष के कारण उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था 2022-23 में मजबूत रही है। अब भी इसमें मजबूती देखी जा रही है। भारतीय जीडीपी के 7 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि की तुलना में अधिक है।

चालू खाता घाटे में सुधार, महंगाई के दबाव में कमी और नीतिगत दरों में वृद्धि का सामना करने के लिए पर्याप्त मजबूती वाली बैंकिंग प्रणाली से वृहद आर्थिक स्थिरता बढ़ती दिख रही है। इससे आर्थिक वृद्धि दर और भी टिकाऊ बनी है।

विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी, कैड घटा – मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि बाहरी मोर्चे पर देश की स्थिति अच्छी है।चालू खाता घाटे (कैड) में गिरावट आई है। इसके अलावा, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में बढ़ोतरी दर्ज की गईहै।इससे देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हो रही है।

महंगाई पर काबू पाने में सरकार के त्वरित कदमों से मिली मदद – रिपोर्ट के मुताबिक, 2021-22 में पूरे वर्ष के लिए खुदरा महंगाई दर 5.5 फीसदी रही थी। 2022-23 में यह बढ़कर 6.7 फीसदी पहुंच गई। लेकिन, 2022-23 की दूसरी छमाही में यह 6.1 फीसदी ही रही, जबकि पहली छमाही में 7.2 फीसदी रही थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय जिसों के दामों में नरमी, सरकार के त्वरित कदमों और आरबीआई की मौद्रिक सख्ती ने घरेलू महंगाई पर काबू पाने में मदद की है।

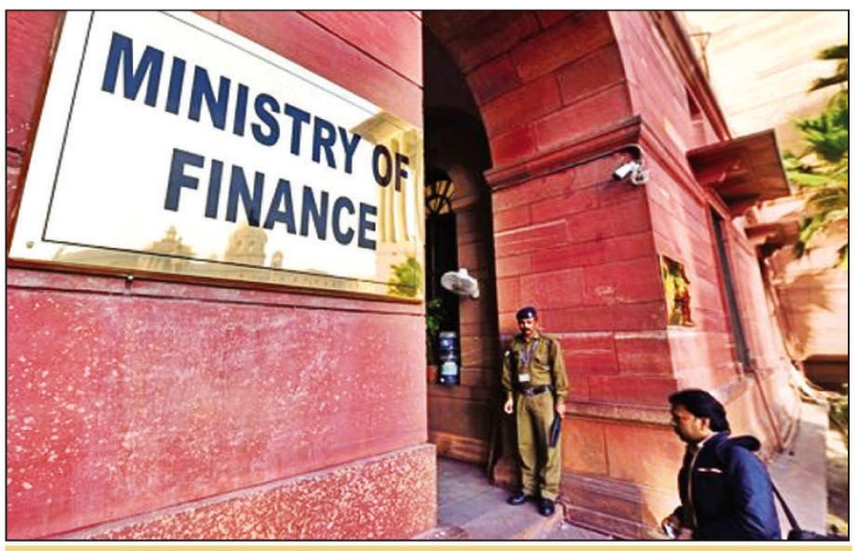

जीडीपी के लिहाज से व्यक्तिगत आयकर सात साल में 0.83प्रतिशत बढ़ा, करदाता आधार में भी वृद्धि

नई दिल्ली। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के प्रतिशत के रूप में व्यक्तिगत आयकर सात साल में 0.83 फीसदी बढ़कर 2021-22 में 2.94 फीसदी पहुंच गया। 2014-15 में यह 2.11 फीसदी रहा था। यह बताता है कि मौजूदा सरकार के प्रयासों से देश में करदाताओं का आधार बढ़ा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथसमीक्षा बैठक में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने कर आधार बढ़ाने को लेकर उठाए गए विभिन्न कदमों की जानकारी दी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि सात साल में व्यक्तिगत आयकर संग्रह भी 4.31 लाख करोड़ बढ़ा है।2014-15 में यह संग्रह 2.65 लाख करोड़ था, जो 2021-22 में बढ़कर 6.96 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। मंत्रालय के मुताबिक, लाभांश व ब्याज, प्रतिभूति, म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय लेनदेन के ब्योरे (एसएफटी) से नए आंकड़े लेने और जीएसटीएन से मिलने वाली सूचना में 1,118 फीसदी का इजाफा हुआ है।

बैंकिंग क्षेत्र पर बढ़ी निगरानी – वित्तीय क्षेत्र पर रिपोर्ट में कहा गया कि आरबीआई ने संपत्ति के आकार की परवाह किए बिना बैंकिंग क्षेत्र पर निगरानी बढ़ाई है। केंद्रीय बैंक के दायरे में आने वाले संस्थानों की संख्या बढ़ी है। बैंकों पर दबाव का परीक्षण भी समय-समय पर किया जाता है। मंत्रालय ने कहा, जमा की तेजी से निकासी की आशंका नहीं है, क्योंकि 63 फीसदी जमा वैसे परिवार करते हैं, जो जल्द निकासी नहीं करते हैं।

उपज कम होने से महंगाई बढ़ने का रिस्क

अल नीनो और बड़े देशों में तनाव से धीमी पड़ सकती है देश की ग्रोथ

नई दिल्ली।

देश में कृषि उत्पादन घट सकता है। इसके चलते अनाज, दलहन और चीनी जैसी जरूरी चीजें महंगी हो सकती हैं। वित्त मंत्रालय ने आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट में कहा है कि इस बीच दुनियाभर में बढ़ रहा भूराजनैतिक तनाव अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 1 अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6.5प्रतिशत आर्थिक विकास का अनुमान वर्ल्ड बैंक और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के अनुमानों के अनुरूप है। इसके अलावा महंगाई भी कम रहने की संभावना है, लेकिन कुछ चुनौतियां इन अनुमानों के सही साबित होने को लेकर जोखिम पैदा कर सकती हैं। अल नीनो प्रभाव के चलते कम बारिश इनमें शामिल है।

अल नीनो की आशंका कितनी गंभीर – मौसम विभाग के मुताबिक इस साल जून, जुलाई और अगस्त में अल नीनो की 70प्रतिशत आशंका है। जुलाई, अगस्त और सितंबर में इसकी आशंका 80प्रतिशत तक बढ़ जाएगी।

देश में 20 साल में 7 बार अल नीनो – देश ने 2001 से लेकर 2020 के बीच कुल सात बार अल नीनो को झेला है। इसकी वजह से चार बार सूखा पड़ा। इससे धान और सोयाबीन जैसी खरीफ फसलों का उत्पादन 16प्रतिशत तक घटा। खरीफ फसलों से देश की करीब आधी सालाना खाद्यान्न आपूर्ति होती है।

रिजर्व बैंक की निगरानी – रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई ने बैंकिंग सेक्टर की निगरानी बढ़ाई है। इसके दायरे में आने वाले संस्थान बढ़े हैं। बैंकों पर फंसे लोन के दबाव की नियमित समीक्षा की जा रही है।

बैंकों से तेज निकासी नहीं – बैंक डिपॉजिट की तेज निकासी की आशंका नहीं है। 63प्रतिशत डिपॉजिट ऐसे परिवारों के हैं, जो जल्द निकासी नहीं करते। इससे घरेलू बैंक अमेरिका और यूरोप के बैंकों से बेहतर स्थिति में हैं।

रिजर्व बैंक ने तीन साल में खरीदा 137 टन सोना: ये मार्च 2020 से 79प्रतिशत ज्यादा, दुनियाभर में बढ़ती अनिश्चितताओं के चलते गोल्ड रिजर्व बड़ा रहे बैंक

नई दिल्ली।

कोविड के बाद दुनियाभर में बढ़ती अनिश्चितताओं के बीच रिजर्व बैंक ने सुरक्षित एसेट के तौर पर सोने की तगड़ी खरीदारी की। मार्च 2020 से मार्च 2023 के बीच आरबीआई ने 137.19 टन गोल्ड खरीदा। इससे आरबीआई का गोल्ड रिजर्व 79प्रतिशत बढ़कर 3.75 लाख करोड़ रुपए (790.20 टन) से ज्यादा हो गया।

इसके साथ ही आरबीआई सबसे ज्यादा गोल्ड रिजर्व वाला आठवां केंद्रीय बैंक बन गया। 20 मार्च, 2020 तक आरबीआई का गोल्ड रिजर्व कुल विदेशी मुद्रा भंडार का करीब 6प्रतिशत था, जो 24 मार्च तक बढ़कर 7.85प्रतिशत हो गया। केंद्रीय बैंकों का गोल्ड रिजर्व 1967 के बाद सबसे ज्यादा: वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक 2022 में केंद्रीय बैंकों ने रिजर्व में 1,136 टन सोना जोड़ा। इसकी कीमत 5.73 लाख करोड़ रुपए है। ये 1967 के बाद सबसे ज्यादा है।

इसलिए ताबड़तोड़ सोना खरीद रहे केंद्रीय बैंक रिस्की माहौल में सोना सुरक्षा बाड़ (हेज) का काम करता है। अनिश्चितता के दौरान गोल्ड प्रभावी क्रॉस बॉर्डर करंसी की भूमिका निभाता है। अतिरिक्त करंसी छापने पर सपोर्ट के लिए गोल्ड रिजर्व बढ़ाना जरूरी हो जाता है। विदेशी करंसी से ज्यादा सुरक्षित होने की वजह से गोल्ड काफी भरोसेमंद एसेट माना जाता है।

वॉट्सऐप को अब एक साथ 4 फोन में चला सकेंगे: ओटीपी के जरिए कर सकेंगे लॉग-इन

नई दिल्ली।

वॉट्सऐप ने एक बड़ा बदलाव किया है। अब आप एक ही अकाउंट को एक साथ चार फोन में इस्तेमाल (लॉग-इन) कर सकेंगे। वैसे तो आप की मदद से एक ही अकाउंट को फोन और (डेस्कटॉप) दोनों में यूज कर सकते हैं, लेकिन अब ये फीचर फोन के लिए भी मिलेगा।

कंपनी के मुताबिक, वॉट्सऐप का यह फीचर कुछ हफ्तों में सभी यूजर्स तक पहुंच जाएगा। कुछ दिनों पहले ही इस फीचर को यूजर्स के लिए रिलीज किया गया था। वॉट्सऐप की पेरेंट कंपनी मार्क जुकरबर्ग ने इस नए फीचर की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा- अब आप एकसाथ चार फोन पर वॉट्सऐप लॉग-इन कर सकेंगे।

क्या है नया फीचर – वॉट्सऐप के इस नए फीचर में आप किसी भी वॉट्सऐप अकाउंट को एक साथ 4 डिवाइस पर लॉग-इन कर सकेंगे। ये सभी डिवाइसेज इंडिपेंडेंट रूप से काम करेंगे। इसके अलावा, जब प्राइमरी डिवाइस पर नेटवर्क नहीं होगा, तब भी वॉट्सऐप यूजर्स अन्य सेकेंडरी डिवाइस पर वॉट्सऐप चला सकेंगे। यूजर्स मैसेज रिसीव करने से लेकर मैसेज भेज भी सकेंगे, लेकिन यूजर्स के प्राइमरी डिवाइस पर अकाउंट लंबे समय तक इनएक्टिव रहने पर अन्य डिवाइसेज से अकाउंट अपने आप ही लॉग-आउट हो जाएगा। ओटीपी के जरिए कर सकेंगे लॉग-इन वॉट्सऐप यूजर अगर प्राइमरी डिवाइस के साथ अन्य डिवाइस पर लॉग-इन करना चाहता है तो सेकेंडरी यानी दूसरे डिवाइस के वॉट्सऐप एप्लिकेशन में जाकर फोन नंबर दर्ज करना होगा। इसके बाद प्राइमरी फोन पर ओटीपी आएगा। जिसे दर्ज करने के बाद आप दूसरे डिवाइस पर भी लॉग-इन हो जाएंगे। इसी तरह प्राइमरी डिवाइस पर कोड स्कैन करके भी अन्य डिवाइस को लिंक किया जा सकता है। भारत में वॉट्सऐप के करीब 48.9 करोड़ यूजर हैं। वहीं, दुनियाभर में इसके 200 करोड़ से भी ज्यादा यूजर हैं। वॉट्सऐप को साल 2009 में लॉन्च किया गया था। 2014 में फेसबुक ने वॉट्सऐप को 19 बिलियन डॉलर में खरीदा था।

भुगतान के लिए बाहरी लिंक देने से रोक नहीं सकता एपल, अदालत ने कंपनी की अपील को किया स्वीकार

वॉशिंगटन ।

अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने कहा कि एपल कंपनी अपने एप स्टोर में इन-एप भुगतान के लिए डेवलपर्स द्वारा यूजर्स को बाहरी लिंक देने से रोक नहीं सकती। एक संघीय अदालत ने 2021 में भी यही निर्णय दिया था, जिसके खिलाफ एपल ने अपील की थी। हालांकि अपील में उठाए नौ अन्य विषयों को मान लिया गया, इसमें एपल की भुगतान प्रणाली को स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के खिलाफ नहीं माना गया। ऑनलाइन गेम फोर्टनाइट बनाने वाली कंपनी एपिक गेम्स ने एपल के खिलाफ एक मुकदमा किया था। उसका कहना था कि एपल अपने एप स्टोर पर यूजर्स से भुगतान लेने के लिए डेवलपर्स को लिंक पोस्ट नहीं करने देता। अपनी ही प्रणाली से भुगतान लेता है, जिसमें 30प्रतिशत कमीशन काटता है। यह स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के नियमों के विरुद्ध है। निचली अदालत ने एपिक गेम्स के हक में निर्णय दिया था, जिसके खिलाफ एपल ने अपील की थी। ताजा निर्णय पर एपल ने कहा कि वह अदालत के निर्णय से सहमति नहीं है और पुनर्विचार मांग सकती है। यह साफ नहीं है कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएंगी या जजों की बड़ी बेंच में अपील करेंगी। उसे 14 दिन में अपील करनी है। एपिक गेम्स ने कहा कि अदालत ने आईफोन के एप डेवलपर्स को स्वतंत्रता दे दी है कि वे यूजर्स को अपनी वेबसाइट का लिंक देकर सीधे भुगतान करवा सकते हैं। उधर, अमेरिका में आईआईटी बॉम्बे के छात्रों का दल 'सोलर डेकाथलॉन' प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहा। गर्म तथा आर्द्र जलवायु में वायु गुणवत्ता बेहतर करने में मदद के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों के साथ मुंबई में एक मकान बनाने के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्रालय की यह स्पर्धा अमेरिका में सबसे लंबे समय तक चलने वाली छात्र प्रतियोगिता है। इसमें छात्रों के समूहों को अक्षय ऊर्जा द्वारा संचालित अत्यधिक कुशल व अभिनव भवनों को डिजाइन तथा उनका निर्माण करना होता है। पेन स्टेट यूनिवर्सिटी की भारतीय-अमेरिकी अध्यक्ष नीली बेंदापुडी को अमेरिका में उच्च शिक्षा में उनके योगदान के लिए इस साल का प्रतिष्ठित 'इमिग्रेंट अचीवमेंट अवार्ड' दिया जाएगा। अमेरिकी विरासत के लिए प्रतिबद्धता और समर्पण के लिए यह पुरस्कार दिया जाता है। बेंदापुडी (59) को 28 अप्रैल को पुरस्कार प्रदान किया जाएगा।

गूगल समेत 19 कंपनियां नए नियमों के अधीन, इंटरनेट को ज्यादा सुरक्षित बनाने की जिम्मेदारी पर बनाया कानून

ब्रुसेल्स। फेसबुक, एपल का एप स्टोर, अमेजन का मार्केट प्लेस, अलीबाबा का अली एक्सप्रेस आदि 19 टेक कंपनियां अब यूरोपीय संघ (ईयू) के नए ऑनलाइन सामग्री नियमों के अधीन लाई जा रही हैं। इसके लिए डिजिटल सर्विसेज एक्ट (डीएसए) बनाया गया है। इसमें 4.50 करोड़ से अधिक मासिक यूजर्स संख्या वाली टेक कंपनियों को रखा जाएगा। यूरोपीय संघ के उद्योग प्रमुख थियरी ब्रेटन ने बताया कि यह नियम अगस्त से लागू हो रहे हैं। नियमों के तहत कंपनियों को अपनी रिस्क मैनेजमेंट रिपोर्ट, बाहरी व स्वतंत्र ऑडिटिंग, डाटा की अधिकारियों व अध्ययनकर्ताओं से शेयरिंग, आदि करनी होगी। कंपनी को आचरण संहिता भी बनानी होगी। माना जा रहा है कि यह 19 ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और सर्च इंजन नए नियमों से ज्यादा जवाबदेह बनेंगे। ब्रेटन के अनुसार समय के साथ इन प्लेटफॉर्म की प्रासंगिकता बढ़ी है, इसलिए इंटरनेट को सुरक्षित बनाने के लिए इन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। यह नियम मील का पत्थर साबित होंगे। माना जा रहा है कि 5 और कंपनियां भी नये नियमों के दायरे में लाई जा सकती हैं। 19 में यह कंपनियां भी शामिल - मेटा की इंस्टाग्राम, अल्फाबेट की गूगल मैप्स, गूगल प्ले, गूगल सर्च, गूगल शॉपिंग, यूट्यूब, लिंक्डइन, पिनट्रेस्ट, स्नैपचैट, टिकटॉक, ट्विटर, विकिपीडिया, माइक्रोसॉफ्ट की बिंग, जालैंडो, बुकिंग डॉट कॉम आदि को नियमों के दायरे में लाया जा रहा है। इन्हें नियमों के अधीन लाए जाने को लेकर पिछले कुछ वर्षों से तैयारी चल रही थी।

फिल्म रुसलान के साथ वापस आ गए आयुष शर्मा

- टीजर में आयुष शर्मा को एक्शन अवतार में दिखाया

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर आयुष शर्मा अब अपनी नवीनतम फिल्म रुसलान के साथ वापस आ गए हैं। इसका ट-ीजर बीते दिनों रिलीज किया गया। ट-ीजर में आयुष शर्मा को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। टीजर को देखने से आयुष शर्मा की मेहनत साफ झलकती है। एक्शन अवतार में उन्होंने स्वयं को बखूबी पेश किया है। इस फिल्म का निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है। सलमान खान के साथ आखिरी बार अन्तिम में नजर आए आयुष शर्मा रुसलान की वजह से स-ुर्खियों में हैं। शुक्रवार, 21 अप्रैल को उन्होंने प्रशंसकों की उत्सुकता को शांत करने के लिए फिल्म का टीज़र साझा किया।आयुष ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इंपेशेंट हूं, इंपल्सिव हूं और प्रोटोकॉल तो बिलकुल फॉलो नहीं करता हूं। तभी तो रुसलान के नाम से जाना जाता हूं। आ रहा हूं हाथ में गन और गिटार लेकर क्योंकि इस बार # गिटार भी बजेगा और गन भी टीज़र आउट! ईद विथ रुस्लान रुसलान के टीजर में ढेर सारे एक्शन सीक्वेंस और ग्लैमर का तडका है। यह आयुष के चरित्र के चारों ओर एक आभामंडल बनाने का भी अच्छा काम करता है। रुस्लान का निर्माण केके राधामोहन द्वारा श्रीसत्यसाई कला बैनर के तहत किया गया है। इसमें आयुष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। कलाकारों में सुश्री मिश्रा और तेलुगु स्टार जगपति बाबू शामिल हैं। रुसलान इस साल के अंत में स्क्रीन पर आएगी। बता दें कि वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अन्तिम को दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। महेश मांजरेकर निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त करने के साथ ही आयुष शर्मा को सिने उद्योग में स्थापित करने में मदद की थी। अन्तिम में सलमान खान अपने विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे। कहने को यह कैमियो था लेकिन दर्शकों का कहना था कि यह दो नायकों की फिल्म थी, जिसे आयुष शर्मा के नाम पर दर्शकों के सामने लाया गया।

सेल्फी ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर हुई स्ट्रीम

-मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक है फिल्म

मुंबई (ईएमएस)। खतरों के खिलाडी यानि की अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो चुकी है। अक्षय कुमार और ओटीटी प्लेटफॉर्म ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी है। सेल्फी में अक्षय कुमार ने एक्टर विजय कुमार और इमरान हाशमी ने आरटीओ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश अग्रवाल का रोल निभाया था। फिल्म की कहानी में दिखाया जाता है कि आरटीओ इंस्पेक्टर ओम प्रकाश अग्रवाल और उसका बेटा एक्टर विजय कुमार का बहुत पड़ा फैन होता है और उसके साथ एक सेल्फी लेने के लिए काफी जतन करता है। इसके बाद कुछ ऐसा होता है कि विजय कुमार और ओम प्रकाश अग्रवाल में जबरदस्त टकराहट हो जाती है। अक्षय कुमार और इमरान हाशमी की फिल्म सेल्फी साल 2019 में रिलीज हुई मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार ओएमजी 2, कैप्सूल गिल, बड़े मिया छोटे मियां, गोरखा, हेरा फेरी 3 और सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक में दिखाई देंगे। वहीं, इमरान हाशमी फिल्म टाइगर 3 में सलमान खान के साथ काम करते दिखाई देंगे। बता दें कि धीरे-धीरे भारत में अपने प्रोडक्शन को कम करता जा रहा यह प्लेटफार्म सेल्फी को लेकर ज्यादा आशान्वित नहीं था, शायद इसी के चलते उसने उसका पूर्व प्रचार नहीं किया। सेल्फी इस साल यानी 2023 की 24 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दर्शकों ने इस फिल्म को सिरे से अस्वीकार कर दिया था, जिसके चलते यह बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। इस फिल्म ने अपने सिनेमाघरों में रन के दौरान मात्र 20 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी, यह अक्षय कुमार की पृथ्वीराज के बाद सबसे बड़ी असफल फिल्म थी। मूल रूप से मलयालम फिल्म ड्राइ-विंग लाइसेंस के आधिकारिक हिन्दी रीमेक सेल्फी में उन तत्वों को अभाव था जो मूल फिल्म में थे। राज मेहता के निर्देशन में बनी बनी इस फिल्म में नुसरत भरुचा और डायना पेंटी ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं।

सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं : मिथुन

-एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है। हाल ही में अपने छोटे बेटे नमाशी चक्रवर्ती की फिल्म की शुरूआत के साथ फिर से चर्चा में हैं। एक्टर ने सलमान खान के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात की। मिथुन चक्रवर्ती और सलमान खान की दोस्ती के बारे में हर कोई जानता हैं। इन्हे कई रियलीटी शोज पर अक्सर हंसी मजाक करते देखा गया है। उन्होंने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन अब मिथुन ने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसे सुनकर सलमान हैरान हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि उस वक्त उनका रिएक्शन कैसा था जब उन्हें पता चला था कि सलमान फेमस स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान के बेटे हैं। मिथुन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सलमान संग अपने रिश्ते को लेकर बात की है और उन्हें ह्यशेर दिलह्य बताया है। मिथुन चक्रवर्ती ने खान परिवार और खास तौर पर सलीम खान के साथ अपने बंधन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ह्यमेरे लिए संघर्ष करने वाले सलीम जी हैं। एक बार उन्होंने मेरी तरफ देखा और मुझसे कहा, तुम्हारे चेहरे पर ऐसा आकर्षण है, तुम अभिनेता क्यों नहीं बन जाते? उन्होंने मुझे फिल्म में लेने की बहुत कोशिश की, लेकिन उस समय नियति ने मेरा साथ नहीं दिया। मैं सलीम जी के सामने कभी सिर नहीं उठा सकता। मिथुन ने आगे कहा, हम बहुत सारे राज एक दूसरे से शेयर करते हैं। वह कभी-कभी चालाकी से काम लेता है, लेकिन वह नहीं जानता कि अगर मैं अपना मुंह खोलूंगा तो क्या होगा? लोग उसे सिर्फ गलत समझते हैं लेकिन वह एक शेर दिल इंसान है। मिथुन ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है।

हैंडीकैप शख्स की मदद करते नजर आए शालीन भनोट

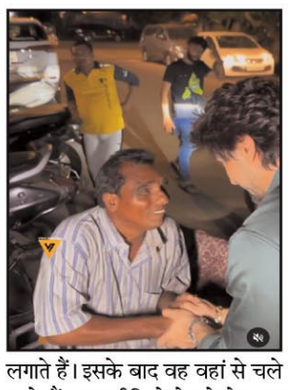

बीती रात टीवी एक्टर शालीन भनोट को मुंबई में अपनी गाड़ी में स्पॉट किया गया, जहां वह एक हैंडीकैप शख्स की मदद करते नजर आए। उनका इस दौरान का वीडियो मीडिया के कैमरे में कैद हो गया, जो खूब वायरल हो रहा है। फैंस को शालीन का ये जेस्चर खूब पसंद आ रहा है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि व्हीलचेयर पर बैठा एक व्यक्ति शालीन भनोट की कार के पास जाता है और उनका हाथ पकड़ते हुए कहता है, खाना खाना है भाई.. हालत बहुत खराब है। यह सुनते ही एक्टर अपने पर्स से पैसे निकालकर उसे दे देते हैं और फिर उसे प्यार से गले लगाते हैं। इसके बाद वह वहां से चले जाते हैं। यह वीडियो देखने के बाद लोग शालीन के इस अंदाज की खूब तारीफ कर रहे हैं।

अरिजीत सिंह इंडस्ट्री के टॉप सिंगरों में शामिल

-भरते हैं सबसे ज्यादा टैक्स

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के सिंगर अरिजीत सिंह आज अपना 36वां जन्मदिन मना रहे हैं। मधुर आवाज और सुरो के बादशाह अरिजीत सिंह इंडस्ट्री के टॉप सिंगरों में शामिल हैं। देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी उनके चाहने वालों की कमी नहीं। सबसे खास बात है कि इतनी उपलब्धि के बावजूद भी अरिजीत सिंह बहुत सी सिंपल लाइफ जीते हैं। शायद उनकी इस सादगी की वजह उनके जीवन का संघर्ष हो सकता है, जिन्होंने आज अरिजीत सिंह को इस मुकाम पर पहुंचा दिया। अरिजीत सिंह भले ही साधारण जीवन जीने में यकीन रखते हैं लेकिन उनकी कमाई और कुल संपत्ति साधारण नहीं है। चलिए जानते हैं अरिजीत सिंह एक गाने से कितनी कमाई करते हैं, उनकी कुल संपत्ति कितनी है।अरिजीत सिंह को किंग ऑफ प्लेबैक सिंगिंग भी कहा जाता है। यही वजह है कि वह इंडस्ट्री के हाईएस्ट पेड सिंगर्स में शुमार हैं। अगर अरिजीत की नेट वर्थ की बात की जाए तो आप हैरान रह जाएंगे। बेहद सादगी से रहने वाले अरिजीत सिंह एक घंटे के लाइव कॉन्सर्ट के लिए वह 1.5 करोड़ रुपये चार्ज करते हैं। वहीं एक फिल्मी गाने के लिए 8-10 लाख रुपये चार्ज करते हैं। अरिजीत की नेट वर्थ की बात करें तो उनकी नेट वर्थ 7 मिलियन डॉलर से ज्यादा है। यानी अरिजीत 55 करोड़ रुपये की संपत्ति के मालिक हैं। अगर अरिजीत की मंथली इनकम की बात की जाए तो बता दें कि सिंगर महीने में 50 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई करते हैं। अरिजीत इंडस्ट्री के हाईएस्ट टैक्सपेयर भी हैं। इसके अलावा वह एक एनजीओ का भी हिस्सा हैं। हालांकि, सुपरस्टार होने के बावजूद वह बेहद सिंपल जिंदगी जीते हैं। अरिजीत नवी मुंबई के प्राइम इलाके में रहते हैं। उनके घर की कीमत लगभग 8 करोड़ रुपये है। उनके पास कुछ लग्जरी कारें हैं जिनमें हमर, रेंज रोवर, मर्सिडीज-बेंज शामिल हैं। बता दें कि अरिजीत सिंह बॉलीवुड के ऐसे सितारे हैं, जिन्होंने अपनी आवाज से हर किसी को दीवाना बना लिया है। लोग उनके गाने सिर्फ सुनते ही नहीं हैं, बल्कि उन्हें दिल से महसूस भी करते हैं।

अनुष्का-विराट ने लिया साउथ इंडियन फूड का आनंद

बालीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और विराट कोहली अपने बिजी शेड्यूल से अपने परिवार के लिए टाइम निकाल ही लेते हैं। दोनों ने आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे विराट ने बेंगलुरु में भी फैमिली के लिए टाइम निकाल ही लिया। टीम का हौसला बढ़ाने बेंगलुरु पहुंची अनुष्का के साथ विराट लंच पर गए। इस दौरान अनुष्का के पेरेंट्स और उनकी फैमिली के कुछ मेंबर्स भी साथ नजर आएं। अनुष्का शर्मा और विराट कोहली साउथ इंडियन फूड का मजा लेने अपनी फैमिली और फ्रेंड्स के साथ सेंट्रल टिफिन रूम पहुंचे। इस दौरान सभी ने साउथ इंडियन फूड इडली-डोसा, सांभर-वड़ा का लुत्फ उठाया। अनुष्का शर्मा ने फैमिली के साथ आउटिंग की कुछ पिक्चर्स इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। जिसमें कपल फैमिली के साथ पोज देता नजर आ रहा है।

शाहरुख खान की 'जवान' 2 जून को ही होगी रिलीज

पठान की तूफानी प्रतिक्रिया के बाद शाहरुख खान के प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में डंकी और जवान शामिल हैं। इसमें से जवान फिल्म से शाहरुख के फर्स्ट लुक की दर्शकों ने काफी तारीफ की थी। शाहरुख खान की इस साल की यह दूसरी बिग बजट फिल्म है। इस फिल्म का निर्देशन साउथ के मशहूर डायरेक्टर एटली कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में पूरी की गई है। इस बीच जवान के सेट से कई तस्वीरें लीक होती दिख रही हैं। कुछ दिनों से चर्चा थी कि फिल्म की शूटिंग में देरी और कोरोना महामारी के दौरान हुए बदलावों के चलते जवान तय की गई तारीख पर रिलीज नहीं हो पाएगी, लेकिन हाल ही में जवान की रिलीज डेट को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साफ है कि जवान तय की गई तारीख पर 2 जून को रिलीज होने वाली है। इसके लिए डायरेक्टर एटली और रेड चिलीज कंपनी की टीम दिन-रात काम कर रही है। इतना ही नहीं, इस फिल्म का प्रमोशन भी जल्द शुरू होने की उम्मीद है। जवान का नया टीजर मई के पहले हफ्ते में दर्शकों के सामने आ सकता है। इस टीजर से फिल्म के बारे में और जानकारी देने की कोशिश की जाएगी। जवान में शाहरुख खान के साथ नयनतारा, विजय सेतुपति, सुनील ग्रोवर, सान्या मल्होत्रा अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसके साथ ही संभावना है कि दीपिका पादुकोण और अल्लू अर्जुन का भी कैमियो होगा।

अगली पीढी को पेड़ लगाने के महत्व जानना चाहिए

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण के प्रति चिंता जताते हुए एक्टर जैकी श्रॉफ ने कहा कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को पेड़ लगाने के महत्व को जानना चाहिए और मेरा पेड लगाओ अभियान इस तथ्य पर प्रकाश डालता है। मुझे उम्मीद है कि मैं जो भी पौधा बोऊंगा, पृथ्वी उसका लाभ उठाएगी। यदि आज, पृथ्वी दिवस पर हम सभी एक छोटा पौधा लगाते हैं, तो सामूहिक रूप से हम इतना बड़ा अंतर और सकारात्मक प्रभाव डालेंगे, जिसके लिए आने वाली पीढ़ियां आभारी होंगी। आज कदम उठाना महत्वपूर्ण है, ताकि हमारे पास एक बेहतर कल हो। आइए अब रोपें, हरे भरे भविष्य के लिए आज पौधें लगाएं। एक्टर जैकी श्रॉफ ने पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण के प्रति चिंता जाहिर की और आने वाली पीढ़ियों के लिए इसे संरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर डाला।

मशहूर सिंगर सोनू निगम ने डिस्को डांसर द म्यूजिकल कार्यक्रम में थामा अक्षरा सिंह का हाथ

अपनी सुरीली आवाज से दुनिया भर के लोगों के दिलों में राज करने वाले बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम ने भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की खूबसूरत आवाज की मलिका अक्षरा सिंह का हाथ सारेगामा कारवां डिस्को डांसर द म्यूजिकल कार्यक्रम में थाम लिया। इस कार्यक्रम में अक्षरा सिंह जब स्टेज पर जा रही थी तब सोनू निगम ने उनका हाथ थाम कर उन्हें स्टेज पर लाया। इस वीडियो को खुद अक्षरा सिंह ने अपने इंस्टाग्राम में अकाउंट से शेयर किया, जिसके बाद उनके फैंस ने दोनों की खूब सराहना की। दोनों सिंगर अपनी इंडस्ट्री के माहिर कलाकार है। ऐसे में दोनों को एक साथ आने पर उनके फैंस भी गदगद हो गए। दरअसल, मुंबई के वर्ली में सारेगामा द्वारा फिल्म डिस्को डांसर का नाट्य प्रस्तुति लाइव परफॉर्मेंस के जरिए आयोजित किया गया था। यह एक अनोखा कौन सा था, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। पूरी फिल्म को स्टेज पर लाइव परफॉर्म करना अपने आप में बेहद खास था। इस खास मौके के गवाह बॉलीवुड सिंगर सोनू निगम, शान, अक्षरा सिंह, राखी सावंत और सारेगामा के सीएमडी विक्रम मेहरा भी बने। इसी दौरान सोनू निगम ने अक्षरा सिंह का हाथ उस वक्त थाम लिया, जब वह स्टेज पर जा रही थी। सारेगामा कारवां डिस्को डांसर द म्यूजिकल में शिरकत करने के बाद में अक्षरा ने इस मूवमेंट को रील्स के जरिए अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया।

मलाइका का ग्लैमरस फोटोशूट

काम से ज्यादा अपने फैशन स्टेटमेंट को लेकर चर्चा में रहने वाली मला-इका अरोरा हमेशा अपने लुक और स्टाइल से फैंस को चौंका देती हैं। हाल ही में मलाइका ने पिंक आउटफिट में गजब का फोटोशूट करवाया, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ शेयर की हैं। उनकी इन तस्वीरों पर यूजर्स के ताबड़तोड़ कमेंट आ रहे हैं। इस तस्वीरों में मलाइका पिंक कलर की ब्रालेट, स्कर्ट और केप जैकेट सेट में बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। ग्लोसी मेकअप, न्यूड लिप्स और खुले बालों में मला की ब्यूटी देखते ही बन रही है। खूबसूरत आउटफिट में अपना किलर फिगर फ्लॉन्ट करते हुए एक्ट्रेस कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस को मलाइका की ये तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं।

संजय लीला भंसाली ने 1.60 हजार स्क्वायर फीट में बनाया वेब सीरीज 'हीरामंडी' का सेट

चाहे हम दिल दें चुके सनम हो या देवदास या फिर कुछ वक्त पहले आई पद्मावत और गंगूबाई काठियावाड़ी, संजय लीला भंसाली एक ऐसे फिल्म मेकर हैं जो अपने ग्रैंड मूवी सेट्स और उसकी बारीकियों के लिए जाने जाते हैं। हर फिल्म में उनके सेट दर्शकों को पूरी तरह से अलग दुनिया से रूबरू कराते हैं। ऐसे में ओटीटी को भी अगले स्तर पर ले जाते हुए संजय लीला भंसाली अब हीरामंडी के साथ सामने आ रहे हैं। इस वेब सीरीज में आजादी के पहले के भारत में तवायफों के जीवन में प्रेम और धोखे की कहानियां बिल्कुल उनके सिग्नेचर स्टाइल में होंगी। दिलचस्प बात यह है कि हीरामंडी ग्लोबल दुनिया में देश की सबसे बड़ी ओटीटी पेशकश है, इसके लिए फिल्म मेकर का नजरिया और भी महत्वाकांक्षी है। हालांकि, इससे जुड़ी डिटेल्स अब तक सामने नहीं आई है, लेकिन मिली जानकारी के मुताबिक इस सीरीज के लिए लगभग 1,60,000 स्क्वायर फुट का एक विशाल सेट बनाया गया है। निर्देशक व्यक्तिगत रूप से इसकी हर छोटी से छोटी चीज पर गौर कर रहे हैं। अभिनेता के लुक से लेकर सेट की बारीकियां और आर्ट डिजाइन तक सब कुछ वो देख रहे हैं। यहां तक कि हर सीन के साथ लाइटिंग पर भी वो पैनी नजर रखते हैं, जो एक अलग विजुअल विगनेट को कैप्चर करती है। हीरामंडी को अपनी अब तक की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना बताते हुए संजय लीला भंसाली अपनी आइकोनिक फिल्मों की तुलना में इस सीरीज में दोगुना जुनून और पैमाना दिखा रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6413

मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6412 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

शब्दजाल - 7160

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क	
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि	
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स	
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले	
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व	
ज	ति	श	री	ह	झ	नि	ना	ण	घ	को	
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल	
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा	
ने	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि	
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता	
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न	

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेबेत, शेबेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अब

शब्दजाल - 7159 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6113

	5	2	3	7		6
6	29		40		38	1
	1	4	6		2	
2	24		34		32	4
5		3		4	7	
	31		30		32	5
7		1		2	6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6112 का हल

7	6	4	1	5	3	2
1	34	5	28	2	29	6
4	5	2	6	3	1	7
2	31	6	33	4	28	1
5	6	1	4	7	2	3
6	33	3	33	6	34	4
3	2	7	4	1	6	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत को 58 साल से स्वर्ण पदक का इंतजार, इस बार सिंधू, प्रणय और लक्ष्य से उम्मीद

नई दिल्ली ।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के सामने एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप में शुरू हो रहे मुख्य ड्रॉ में अपने पदक का रंग बदलने की कड़ी चुनौती रहेगी। टूर्नामेंट के क्वालिफाइंग मुकाबले शुरू हो गए, लेकिन सभी शीर्ष खिलाड़ी मुख्य ड्रॉ में खेलने उतरेंगे। भारत का इस चैंपियनशिप में पदक जीतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि शीर्ष खिलाड़ियों के सामने अपनी खोई लय को वापस पाने की चुनौती रहेगी।

भारत 1965 से इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक नहीं जीता है। दिनेश खन्ना स्वर्ण जीतने वाले पिछले और एकमात्र खिलाड़ी हैं। ऐसे में सिंधू, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन के आगे स्वर्ण जीतने की राह आसान नहीं रहेगी। सिंधू इस चैंपियनशिप में दो बार कांस्य पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने 2014 और 2016 में कांस्य पदक जीते थे। वहीं, प्रणय ने 2018 में वुहान में कांस्य पदक जीता था।

ताइवान की खिलाड़ी से सिंधू का पहला मैच – चोट के बाद वापसी करने वाली सिंधू मैड्रिड ओपन के फाइनल में पहुंची थीं। आठवीं वरीयी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत ताइवान की वेन ची-सू के खिलाफ करेंगी। पुरुष एकल में विश्व के नौवें नंबर के खिलाड़ी प्रणय ने अपने प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई है और वह म्यांमार के पेई नाइंग के खिलाफ अपने पहले दौर के मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

पूर्व विश्व चैंपियन से भिड़ेंगे लक्ष्य सेन – 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता किदांबी श्रीकांत बहरीन के एडनन इब्राहिम के खिलाफ खेलेंगे। विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी रहे लक्ष्य का इस साल प्रदर्शन निराशाजनक रहा है और टूर्नामेंटों में वह जल्दी बाहर हुए हैं। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला काफी मुश्किल रहेगा क्योंकि उनकी भिड़ंत पूर्व विश्व चैंपियन सिंगापुर के लोह कीन वेई से होगी। महिला एकल में मालविका बंसोड़ का सामना शीर्ष वरीय और पिछले साल की उप विजेता जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं, आकर्षी कश्यप इंडोनेशिया की कोमांग के सामने चुनौती पेश करेंगी। वहीं, महिला युगल में, राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना इंडोनेशिया की लैनी ट्रिया मायासारी और रिबिका सुगित्रो से होगा। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की छठीं वरीय जोड़ी ने इस साल स्विस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था और यह जोड़ी मलयेशिया की जोड़ी तान कियान मेंग और तान वी कियोंग के खिलाफ खेलेगी।

न्यूज ब्रीफ

जयपुर पहुंचे महेंद्र सिंह धोनी, देखने उमड़े फैन्सः इसी ग्राउंड पर बनाए थे 183 रन, अजिंक्य रहाणे और रविंद्र जडेजा भी पहुंचे

जयपुर। जयपुर में धोनी के फैन्स का इंतेजार खत्म हो गया है। महेंद्र सिंह धोनी जयपुर पहुंच गए हैं। वे सवाई मानसिंह स्टेडियम में एक बार फिर महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल मैच खेलते हुए नजर आएंगे। धोनी की कप्तानी वाली चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला राजस्थान रॉयल से होगा। यही कारण है कि मैच से 4 दिन पहले ही स्टेडियम के सभी टिकट बिक चुके हैं। महेंद्र सिंह धोनी जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे। धोनी पूरी टीम के साथ जयपुर पहुंचे। यहां धोनी की एक झलक देखने के लिए बड़ी संख्या में उनके फैंस इकट्ठा हो गए। इस दौरान धोनी ने भी अपने फैंस को निराश नहीं करते अभिवादन को स्वीकार किया। एमएस धोनी 41 साल के हैं। धोनी ने 15 अगस्त 2020 की शाम को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था। धोनी ने अब तक 90 टेस्ट, 350 वनडे और 98 टी-20 खेले हैं। इसमें उन्होंने 4876, 10773 और 1617 रन बनाए हैं। जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम महेंद्र सिंह धोनी के लिए काफी खास है। उन्होंने 31 अक्टूबर 2005 को अपने करियर के शुरुआती दौर में जयपुर के सवाईमान सिंह स्टेडियम में ही श्रीलंका के खिलाफ इंडियन टीम के लिए मैच विनिंग पारी खेली थी।

फैंस के बीच फंसे अनुष्का-कोहलीः बेंगलुरु में फैंस सेल्फी लेना चाहते थे, होटल से कार तक पहुंचने के लिए करनी पड़ी मशक्कत

बेंगलुरु। विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा बेंगलुरु में भीड़ में फंस गए। होटल के मुख्य दरवाजे से करीब 10 मीटर दूर खड़ी कार तक पहुंचने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। कोहली पत्नी अनुष्का को भीड़ से बचाते हुए कार तक ले गए। इस बीच एक फैन ने अनुष्का के साथ जबरदस्ती सेल्फी लेने की कोशिश की। कोहली इस पर नाराज हो गए। दरअसल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का मैच चिन्नास्वामी स्टेडियम बेंगलुरु में पंजाब किंग्स इलेवन के साथ है। विराट मैच की वजह से बेंगलुरु में ही हैं। उनके साथ उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा भी हैं। दोनों लंच करने के लिए बेंगलुरु के होटल में गए थे। जब लोगों को पता चला कि विराट-अनुष्का होटल में आए हैं। तो उनके साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ लग गई। कोहली ने हाल ही में कहा था करियर के बुरे दौर में पत्नी अनुष्का का मिला था साथ कोहली ने हाल ही में जियो सिनेमा पर चेन्नई के पूर्व खिलाड़ी रॉबिन उथप्पा को कहा कि जब वह इंटरनेशनल और आईपीएल में रन नहीं बना पा रहे थे, उस दौरान पत्नी अनुष्का का साथ मिला।

आईपीएल के अंतिम चरण के मुकाबलों में नहीं खेलेंगे वुड

नई दिल्ली । आईपीएल के अगले माह होने वाले अंतिम चरण के मुकाबलों के लिए लखनऊ सुपर जाइंट्स को अपने मुख्य तेज गेंदबाज मार्क वुड की सेवाएं नहीं मिलेंगी। वुड अगले महीने अपने बच्चे के जन्म के अवसर पर परिवार के साथ रहने के लिए स्वदेश लौट जाएंगे। स्वदेश लौट जाएंगे इंडियन प्रीमियर लीग के अंतिम चरण से बाहर रह सकते हैं। बुड के नहीं होने से सुपर जाइंट्स की मुश्किलें बढ़ जाएंगी क्योंकि उन्होंने अब तक अपनी टीम की ओर से चार मैचों में सबसे अधिक 11 विकेट लिए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'वुड की पत्नी मई के अंत में बच्चे को जन्म देंगी और इस समय साथ रहने के लिए वुड अगले माह किसी भी समय स्वदेश लौट सकते हैं। आईपीएल क्वालीफायर 23 और 26 मई को खेले जाएंगे जबकि फाइनल 28 मई को होगा। इंग्लैंड को आईपीएल फाइनल के तत्काल बाद एक जून से लार्ड्स में आयरलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलना है। ऐसे में सीएसके की ओर से खेल रहे इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स भी इस मुकाबले की तैयार के लिए अंतिम चरण के मुकाबलों से बाहर हो सकते हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में क्या होगी भारत की प्लेइंग-11

रहाणे का नंबर-5 पर खेलना तय, राहुल कर सकते हैं विकेटकीपिंग

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल 7 से 11 जून के बीच इंग्लैंड के ओवल मैदान में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। बीसीसीआई ने इस मुकाबले के लिए 15 मेंबर्स की भारतीय टीम की घोषणा की है। इसमें मुंबई के बैटर अजिंक्य रहाणे का भी नाम है। रहाणे को लगभग 15 महीने बाद टीम इंडिया में जगह मिली है। इस स्टोरी में हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि फाइनल मैच में टीम इंडिया की प्लेइंग-11 क्या हो सकती है। साथ ही यह भी जानेंगे कि ओवल क्रिकेट ग्राउंड पर भारत और ऑस्ट्रेलिया का अब तक रिकॉर्ड कैसा रहा है।

रोहित-गिल कर सकते है ओपनिंग – वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में रोहित शर्मा और शुभमन गिल ओपनिंग जोड़ी हो सकते है। रोहित शर्मा टीम की कप्तानी करेंगे। इंग्लैंड में खेलने का उन्हें अनुभव है। 2021-22 में इंग्लैंड दौरे में रोहित ने 4 टेस्ट मैचों में 52.57 की औसत से 368 रन बनाए थे। साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप -23 सीजन में रोहित ने 700 से ज्यादा रन स्कोर किए हैं। शुभमन गिल ने केएल राहुल को कड़ी टक्कर देते हुए ओपनिंग स्पॉट पर अपना कब्जा जमा लिया है। अपने टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में, गिल ने 15 मैच में 2 शतक के साथ 890 रन बनाए हैं। इंग्लैंड में गिल का अनुभव कम है। उन्होंने 2 टेस्ट में 57 रन स्कोर किए हैं। 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भी रोहित और गिल ने ही ओपनिंग की थी।

पुजारा - कोहली - रहाणे पर मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी – चेतेश्वर पुजारा नंबर 3 पर दिखेंगे। चेतेश्वर पुजारा को इंग्लैंड में खेलने का सबसे ज्यादा अनुभव है। वें इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते रहते हैं। इस कारण फाइनल में उन पर सबसे ज्यादा जिम्मेदारी रहेगी। इस सीजन पुजारा ने 16 मैच में 887 रन बनाए हैं। इंग्लैंड में पुजारा ने 15 टेस्ट में 829 रन स्कोर किए हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के ऊपर भी जिम्मेदारी होगी। कोहली बड़े मैच के खिलाड़ी हैं और अब फॉर्म में लौट चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली ने टेस्ट में शतक का सूखा भी खत्म किया। साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोहली का परफॉर्मेंस हमेशा अच्छा रहा है। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट में 8 सेंचुरी जड़ी हैं। रहाणे का पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करना तय सा है। 15 महीने से टीम से बाहर चल रहे रहाणे अब श्रेयस अय्यर की जगह खेलेंगे। रहाणे पांचवें नंबर पर शानदार बल्लेबाजी करते हैं। रहाणे ने पांचवें नंबर पर 66 मैच खेले हैं, इसमें उनके नाम 3555 रन और 8 शतक हैं।

भरत की जगह केएल राहुल कर सकते हैं ओपनिंग – केएस भरत की जगह राहुल को विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी मिल सकती है। आमतौर पर ओपनिंग करने वाले राहुल अपने करियर में दूसरी बार छठे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। केएस भरत को डेढ़ साल बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया था। भरत बल्ले से कमाल नहीं दिखा सके। उन्होंने 6 मैच में कुल 101 रन बनाए।

जडेजा - शार्दूल ऑलराउंडर – रवींद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट के बेस्ट ऑलराउंडर्स में से एक हैं। जडेजा फाइनल में टीम का हिस्सा होंगे। जडेजा बॉलिंग के साथ साथ बल्लेबाजी में भी निपुण हैं। टॉप 7 में वह इकलौते बाएं साथ के बल्लेबाज होंगे। स्पिन बॉलिंग में भी जडेजा टीम में एकमात्र ऑप्शन होंगे। शार्दूल टीम में बतौर बॉलिंग ऑलराउंडर जुड़ेंगे। वह अश्विन की जगह जुड़ेंगे। पिछली बार इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम 4 पेसर्स के साथ उतरी थी और अब वापस टीम यही फार्मूला अपनाना चाहेगी। इंग्लैंड में ठाकुर का रिकॉर्ड अच्छा है। इंग्लैंड में शार्दूल 3 मैच में 8 विकेट ले चुके हैं। साथ ही अपने करियर की 3 में से 2 हाफ सेंचुरी शार्दूल ने इंग्लैंड में ही बनाई है।

जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में मोहम्मद शमी बॉलिंग अटैक को लीड करेंगे। शमी भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी हैं और उनके पास इंग्लैंड में टेस्ट मैच का काफी अनुभव है, उन्होंने 13 टेस्ट खेले हैं और 38 विकेट लिए हैं।

इंफाल में अनुराग ठाकुर और विक्रमादित्य सिंह ने खेला टेबल टेनिस, युवाओं को दिया ये संदेश

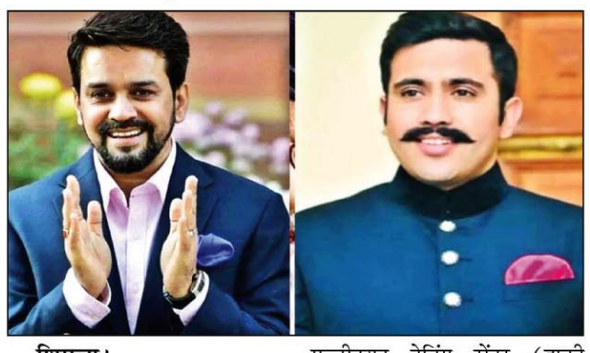

शिमला।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और प्रदेश के युवा सेवाएं एवं खेल मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मणिपुर के इंफाल में टेबल टेनिस खेला। यहां राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रियों के दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के विकास के लिए कदम उठा रही है।

विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि युवाओं को पढ़ाई के साथ खेलों के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विभिन्न उद्यमों और बड़ी कंपनियों को खेलों के विकास के लिए निगमित सामाजिक दायित्व के तहत सहायता प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों के विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से प्रयास किए जाने चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह ने केंद्र से की अपील

विक्रमादित्य सिंह ने केंद्र सरकार से शिमला जिला में शिलारू स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के हाई एल्टीट्यूट ट्रेनिंग सेंटर (हाकी स्टेडियम) के समुचित उपयोग के लिए पर्याप्त कदम उठाने का आग्रह भी किया। उन्होंने कहा कि कहा कि हिमाचल प्रदेश की तरह भौगोलिक परिस्थितियों वाले अन्य राज्यों में भी इस तरह के प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए ,ताकि खिलाड़ियों को अन्य केंद्रों में भी प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर मिल सके।

उन्होंने गत वर्ष गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली हिमाचल प्रदेश की महिला कबड्डी टीम की सदस्यों को शीघ्र प्रमाणपत्र जारी करने का आग्रह भी किया।

बहुजन समाज पार्टी की प्रदेश स्तरीय बैठक 30 अप्रैल को

नादौन, संवाद सहयोगी। बहुजन समाज पार्टी प्रदेश स्तरीय बैठक ऊना की रक्कड़ कालोनी में 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे होगी। बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष नारायण आजाद करेंगे। महासचिव ज्ञानचंद भाटिया ने बताया कि बैठक में बहुजन समाज पार्टी प्रदेश के सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

ब्रेट ली ने अर्जुन तेंदुलकर का किया बचावः बोले- वह 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंक सकते हैं गेंद

मुंबई।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने इस साल आईपीएल में डेब्यू किया है। दो साल से वह मुंबई इंडियंस जुड़े थे। इस बार उन्हें खेलने का मौका मिला है। वो अब तक 4 मैच खेल चुके हैं। अर्जुन ने पंजाब किंग्स इलेवन के खिलाफ खेले गए मैच में 3 ओवर में 48 रन दिए थे। वहीं एक ओवर में 31 रन दिए। जिसके बाद उनकी आलोचना की जा रही थी। जियो सिनेमा पर आईपीएल की कमेंट्री कर रहे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रिट ली ने अर्जुन का बचाव किया है और कहा है कि वह आगे 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं।

ब्रेट ली ने कहा, मैं अर्जुन से काफी ज्यादा प्रभावित हूं। एक मैच को छोड़ दिया जाए तो उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। उसकी नई गेंद से गेंदबाजी लाजवाब है। वह गेंद को स्विंग करा रहा है। मिडिल ओवर के हिसाब से उसकी गेंदबाजी अनुकूल है। वह अनुभव के साथ डेथ ओवर में गेंदबाजी करने का मजा उठाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि अर्जुन आने वाले समय में 140 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकता है। आप संदीप शर्मा को देखें तो वह भी 120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। अर्जुन अभी 23 साल का है। जब वह कुछ मैच खेलेगा, तो उसकी स्पीड भी बढ़ेगी। पंजाब किंग्स के एक ओवर को छोड़ दिया जाए तो उसने अच्छी गेंदबाजी की।

इस सीजन में किया है डेब्यू

अर्जुन ने इस सीजन में खेले 4 मैचों में 9.36 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए हैं। बॉलिंग ऑलराउंडर को अभी बल्लेबाजी करने का मौका ज्यादा नहीं मिला है। अर्जुन इस साल घरेलू टूर्नामेंट में डेब्यू करते हुए अपने बल्ले से भी जौहर दिखाया था। अर्जुन तेंदुलकर ने रणजी के डेब्यू मैच में ही गोवा से खेलते हुए पहली पारी में 120 रन की पारी खेली कर पिता सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। सचिन ने भी 1988 में रणजी की डेब्यू पारी में शतक लगाया था।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज का हुआ बुरा हाल, सीजन के बीच बेल्जियम जाकर कराया उपचार

नई दिल्ली ।

मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने इस महीने की शुरुआत में दाएं हाथ की कोहनी का छोटा ऑपरेशन कराया है। रिपोर्ट के अनुसार इस प्रक्रिया का आर्चर के एशेज सीरीज में चयन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

आर्चर चार मैच बाहर बैठने के बाद इंडियन प्रीमियर लीग में एक्शन में लौटे। मुंबई इंडियंस के हेड कोच मार्क बाउचर ने 8 अप्रैल को कहा था कि 28 साल के इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर को हल्का दर्द महसूस हो रहा है। अपनी रिपोर्ट में बताया कि आर्चर सर्जरी के लिए बेल्जियम गए थे।

आर्चर की वापसी की उम्मीद

जोफ्रा आर्चर ने इस सीजन में मुंबई इंडियंस के लिए दो मैच खेले और दो विकेट लिए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ हुए मुकाबले में आर्चर को आराम दिया गया था, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनकी वापसी की उम्मीद है।

2019 एशेज सीरीज में इंग्लैंड के लिए 22 विकेट लेने वाले आर्चर ने कोहली और पीठ की चोट के कारण फरवरी 2021 से टेस्ट मैच नहीं खेला है। उन्होंने 17 महीने बाद जनवरी के अंत में क्रिकेट में वापसी की थी।

25 महीने में 5 बार उपचार

ध्यान देने वाली बात है कि 25 महीनों में आर्चर पांचवीं बार मेडिकल उपचार से गुजरे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बेल्जियम के सर्जन रोजर वान रीट ने आर्चर की सर्जरी की। ससेक्स के हेड कोच पॉल फारबेस ने पिछले महीने कहा था कि जोफ्रा आर्चर एशेज सीरीज से पहले लाल गेंद से क्रिकेट नहीं खेलेंगे। एशेज सीरीज का पहला टेस्ट 16 जून से शुरू होगा।

जंतर-मंतर पर रेसलर्स का धरना : केंद्र ने कहा-

बृजभूषण पर एफआईआर से पहले जांच जरूरी, प्रियंका गांधी बोलीं- बहनें रो रहीं, आइए साथ दें, सत्यपाल मलिक पहुंचे

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर पहलवानों का धरना चौथे दिन भी जारी है। देश के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि डब्लूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच करनी बहुत जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज न करने का जवाब दाखिल किया। जिसमें कहा कि पुलिस इसमें केस दर्ज करने से पहले जांच कर रही है। आरोपों की जांच के बाद प्राथमिकी दर्ज करने की ओर बढ़ा जाएगा। वहीं, प्रियंका गांधी ने अपील की है कि पहलवानों का साथ दें, उनका साथ दें। इसी बीच धरना स्थल पर राजस्थान से चलकर दिल्ली पहुंचे जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भी खिलाड़ियों का समर्थन किया।

दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा कि 5 दिन हो गए पर दिल्ली पुलिस ने रेसलर्स की शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की, ये गैर-कानूनी है। कानून की धारा 166 कहती है, अगर पुलिस वाला सेक्सुअल हैरेसमेंट की एफआईआर दर्ज न करे तो उसके खिलाफ एफआईआर हो सकती है। हमने दोषी पुलिस अफसरों पर एफआईआर करने की सिफारिश भेजी है।

पहलवानों ने जंतर-मंतर पर लगाई दौड़ – वहीं, चौथे दिन की शुरुआत पहलवानों ने जंतर-मंतर की सड़कों पर दौड़ लगाने से की। वह मॉर्निंग वॉक कॉस्टयूम पहनकर उतरे। इस दौरान वहां उन्होंने वर्कआउट किया और अस्थाई अखाड़ा मानकर ट्रेनिंग भी की। करीब 1 घंटे तक पहलवानों ने वहां पसीना बहाया। ओलंपियन पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा- हम शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे हैं और यहां ट्रेनिंग भी कर रहे हैं। देश की जनता ने हमें देश के लिए पदक जीतने की जिम्मेदारी दी है और हमें इसे निभाना है। पुलिस ने अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की है, तो पुलिस हमें विरोध करने या प्रशिक्षण देने से कैसे रोक सकती है। प्रियंका गांधी की अपील- आइए इन बहनों का दें साथ, ये देश के मान की बात है कांग्रेसी नेता प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर लिखा- खिलाड़ी देश का मान होते हैं। देश उन पर गर्व क्यों करता है क्योंकि तमाम मुश्किलों के बावजूद अथक मेहनत और बहुत कुछ सहकर जब वे पदक जीतते हैं, तो उनकी जीत में हमारी जीत होती है, देश मुस्कुरा उठता है। महिला खिलाड़ियों की जीत बाकियों से बड़ी होती है। वे देश की संसद के बगल की सड़क पर आंखों में आंसू लिए बैठी हैं। लंबे समय से चल रहे शोषण के खिलाफ उनकी शिकायत कोई सुन नहीं रहा। मजबूत बाजुओं, मगर भोले दिल की इन लड़कियों ने यकीन किया जब इनसे सरकार ने कहा कि जांच होगी, मगर जांच नहीं हुई। सजा का प्रश्न ही नहीं उठा। क्या सरकार दोषियों को बचाना चाहती है। किसका दबाव है दिल्ली पुलिस पर क्यों इसी पुलिस द्वारा विपक्ष के नेताओं पर भारत जोड़ो यात्रा में किसी लड़की का दर्द सुनने पर पूछताछ की जाती है। मगर, देश का मान बढ़ाने वाली खिलाड़ियों की गुहार अनसुनी कर दी जाती है। एक पार्टी और उसके नेताओं का घमंड जब आसमान चढ़ जाता है, तब ऐसे ही आवाजों को कुचला जाता है। आइए अपनी इन बहनों का साथ दें। यह देश के मान की बात है।

सुप्रीम कोर्ट में 28 अप्रैल को होगी सुनवाई – 7 महिला रेसलर्स की याचिका पर सुनवाई करने के लिए सुप्रीम कोर्ट राजी हो गया है। कोर्ट ने कहा- पहलवानों ने याचिका में यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। इन पर विचार किए जाने की जरूरत है। अब इस मामले में 28 अप्रैल को सुनवाई होगी। डीवाई चंद्रचूड़ ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अब तक एफआईआर दर्ज नहीं करने को लेकर दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया है।

नींद नहीं आती या फिर बहुत आती है?

अधिक नींद आना या आवश्यक नींद भी नहीं ले पाना हमारे कार्य करने के ढंग से लेकर शरीर के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। जीवनशैली की अनियमितता और तनाव कई कारण होते हैं, जो हमारी नींद में बाधक बनते हैं। कुछ प्राकृतिक नुस्खों से इसमें राहत पाई जा सकती है।

नींद बहुत आना

पढ़ते समय नींद आती हो और सिर दुखता हो तो पान में एक लौंग डाल कर चबा लेनी चाहिए। इससे सुस्ती और दर्द में कमी होगी। नींद अधिक नहीं सताएगी। यदि पढ़ते समय अथवा रात को देर तक पढ़ते रहने के कारण प्रात:काल सिरदर्द की शिकायत हो तो नीबू की चाय बना कर पीएं। बिना दूध की चाय बना कर (चाय को पत्ती उबालने के बाद चाय के एक कप पानी में दूध न मिला कर) उसमें दूध डालने की बजाय एक नींबू का रस डाल दें। इस चाय को पीने से दिमागी तनाव दूर होता है और ताजगी आती है। आप दिन भर सुस्ती के स्थान पर स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

सहायक उपचार: अतिनिद्रा वालों के लिए वज्रासन का अभ्यास परमोपयोगी है। यह आसन मन की चंचलता दूर करने में भी सहायक है। पढ़ने में मन न लगने वाले विद्यार्थियों को इस आसन में पढ़ना चाहिए।

अनिद्रा (नींद न आना)

तरबूज के बीज की गिरी और सफेद खसखस अलग-अलग पीस कर बराबर वजन मिला कर रख लें। तीन ग्राम औषधि प्रात: एवं सांय लेने से रात में नींद अच्छी आती है, रक्त का दबाव कम होता है और सिर दर्द ठीक होता है। आवश्यकतानुसार एक से तीन सप्ताह तक लें।

विकल्प

खसखस छ: ग्राम, 250 ग्राम पानी में पीसकर कपड़े से छान लें और मिश्री 25 ग्राम मिला कर सुबह या शाम चार बजे नित्य एक बार लें। अनिद्रा दूर होगी। आवश्यकतानुसार इसे एक से तीन सप्ताह तक ले सकते हैं। तीन ग्राम पोदीना की पत्तियां (अथवा डेढ़ ग्राम सूखी पत्तियों का चूर्ण) 200 ग्राम पानी में दो मिनट उबाल कर छान लें। गुनगुना रहने पर इस पोदीना की चाय में दो चम्मच शहद डाल कर नित्य रात में सोते समय पीने से गहरी और मीठी नींद आती है। तीन-चार सप्ताह तक लें।

सहायक उपचार

नींद कम या देर से आती हो तो सोने से पहले पैरों को हल्के गर्म पानी से धोकर साफ कर लेना चाहिए।पैरों के तलवों में सरसों के तेल की मालिश करने से नींद गहरी आती है। सिर में बादाम रोगन या आंवला या ब्राह्मी तेल की मालिश करने से नींद अच्छी आती है।

चाय पीने के होते हैं कई फायदे

चाय लोगों की जिंदगी से काफी हद तक जुड़ चुकी है, जिससे वह चाहकर भी दूर नहीं रह सकते। सर्दियों का मौसम हो या गर्मियों की शाम, चाय पीना तो बनता ही है। कई लोगों की तो दिन की शुरुआत ही चाय से होती है और चाय पर ही खत्म हालांकि बहुत सारे लोगों का मानना है कि चाय सेहत के लिए नुकसानदायक होती है लेकिन अगर आप भी चाय प्रेमी हैं तो आज जरा कुछ स्वस्थवर्धक गुण जान लें।

चाय पीने के फायदे

उम्र घटाएं- चाय में एंटीऑक्सीडेंट शामिल होता है। चाय उम्र बढ़ने और प्रदूषण के प्रभाव के प्रकोपों से आपके शरीर की रक्षा करती है।

कम कैफीन- कॉफी के मुकाबले चाय में कम कैफीन होते हैं। कॉफी में आमतौर पर चाय से 2 से 3 बार अधिक मात्रा में कैफीन पाई जाती है। 8 औंस कप की कॉफी में 135 मिलीग्राम के आसपास कैफीन होता है, वहीं पर चाय के प्रति कप में केवल 30 से 40 मिलीग्राम कैफीन होता है यदि कॉफी पीने से आपको अपच, सिर दर्द या सोने में कोई परेशानी आती है, तो चाय पी लें।

दिल का रोग- चाय दिल का दौरा और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकती है। चाय पीने की वजह से धमनियां चिकनी और कोलेस्ट्रॉल से मुक्त हो जाती हैं। 6 कप से अधिक चाय पीने से दिल की बीमारी होने का खतरा एक तिहाई कम रहता है।

हड्डियां बने मजबूत- चाय आपकी हड्डियों को भी बचाती है। केवल इसलिए नहीं कि इसमें दूध मिला होता है बल्कि एक अध्ययन में उन लोगों की तुलना एक साथ की गई थी, जो चाय का सेवन 10 साल से करते आ रहे हैं और जो चाय नहीं पीते। अध्ययन में पाया गया कि चाय पीने वालों की हड्डियां उम्र, अधिक वजन, व्यायाम, धूम्रपान और अन्य रिस्क फैक्टरों के बावजूद भी मजबूत है।

दांत बने मजबूत- चाय पीने से आपके दांत मजबूत बनेगें। चाय वास्तव में फ्लोराइड और में टैनिंन से बनी होती है जो प्लेग को दूर रखता है। यह स्वस्थ दांतों और मसूड़ों के लिए भी फायदेमंद हैं।

से लड़े- चाय पीने से आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण से लड़ने में बहुत मदद मिलती है। सर्दी-जुखाम जैसी आम बीमारियां चाय पीने से एक दम गायब हो जाती हैं।

कैंसर से बचाए- चाय कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा करती है क्योंकि इसमें पॉलीफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट मिला होता है। इन दोनों के प्रभाव कैंसर से लड़ने के लिए बहुत मदद करते हैं।

पानी की कमी पूरा करें- चाय हाइड्रेटेड रहने में तो मदद करती है जबकि काफी पीने से पेशाब ज्यादा लगती है इसलिए यह शरीर में ज्यादा देर तक न रह कर बाहर निकल जाती है। इसलिए हमारे शरीर में पानी की पूर्ती नहीं हो पाती। अगर आप रोज दिन में 6 कप कॉफी के पी जाते हैं, तो आपके अंदर पानी की कमी हो सकती है।

कम कैलोरी- चाय में किसी भी प्रकार की कैलोरी नहीं होगी, जब तक आप उसमें किसी प्रकार का स्वीटनर या दूध न मिला लें। यदि आप एक संतोषजनक, कैलोरी मुक्त पेय पीना चाहते हैं, तो चाय उसमें से सबसे सेफ ऑप्शन है।

फैट घटाए- चाय से फैट भी कम होता है इससे आपको शरीर का मैटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने से भी कम नहीं होता लेकिन अगर आप ग्रीन टी पिएंगें तो आपका मैटाबॉलिज्म रेट बढ़ेगा, जिससे 70 से 80 कैलोरी आराम से बर्न हो सकती है। इसके साथ ही आपाको रोज 30 घंटे की वाल्क भी लेनी जरूरी है।

बच्चे में चिड़चिड़ापन न करें नजरअंदाज

अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो ये कोई नजरअंदाज करने वाली बात नहीं है। यह किसी मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है। हालांकि शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना अधिकतर सामान्य भी होता है। अधिकांश शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक रोते हैं। लेकिन अगर बच्चे में चिड़चिड़ापन बहुत ज्यादा हो और लंबे समय तक ये बना रहे तो कोई समस्या हो सकती है। चलिए विस्तार से जानें कि बच्चे में चिड़चिड़ापन कब सामान्य है और कब ये किसी समस्या का संकेत हो सकता है।

शिशुओं में साधारण चिड़चिड़ापन

शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना आमतौर पर गंभीर बात नहीं होती है। ज्यादातर शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। इसका पिछे कारण यह है कि आपका शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह अपनी हर जरुरत के लिए आप पर ही निर्भर करता है, फिर चाहे उसे भूख लगी हो, वो आराम चाहता हो या फिर उसे प्यार और दुलार की दरकार हो। आपका शिशु रो-रो कर ही आपको यह बताने की कोशिश करता है। लेकिन कई बार यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है की भला शिशु ज्यादा क्यों रो रहा है। इसके लिए आपको शिशु के लक्षण पहचानकर अंदाजा लगाना होता है। इसमें थोड़ी मुश्किल जरूर होती है लेकिन समय के साथ आप पहचानना सीख जाती हैं और समझने लगती हैं की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। शिशु के चिड़चिड़ेपन और उसके रोने को किस तरह से पहचाना जाए, और किस तरह से उसे शांत कराया जाए।

मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है एक शोध में सामने आया कि अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो यह किसी मानसिक समस्या का संकेत भी हो सकता है। वैज्ञानिकों ने शिशुओं द्वारा शुरुआती बाल्यावस्था के दुर्व्यवहार और गम्भीर दुर्व्यवहार को अलग करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके द्वारा बच्चों में मानसिक बीमारी के शुरुआती अवस्था में पहचान एवं इलाज में सहायता मिल सकती है।

शोध के मुताबिक यह संकेत इशारा करते हैं कि जब शिशु में चिड़चिड़ापन अक्सर होने लगे तो इसका अर्थ है कि वह मानसिक रूप से संघर्ष कर रहा है। शोधकर्ताओं ने तीन से पांच साल के प्री स्कूल जाने वाले 1500 बच्चों के अभिभावकों से उनके बच्चों के व्यहार के सम्बंध में प्रश्न पूछने के लिए मल्टीडाइमेंशनल एसेसमेंट ऑफ प्रीस्कूल डिस्रपटिव बिहैवियर (एमएपी-डीबी) नामक प्रश्नावली विकसित की।

शोध में पाया गया कि बच्चों में चिड़चिड़ापन पाया गया। 10 प्रतिशत से कम बच्चे रोज झल्लाते थे और चिड़चिड़ापन दिखाते थे। यह लक्षण लड़के एवं लड़कियों दोनों में ही एक जैसा पाया गया।

बदलती जीवनशैली, खानपान की गलत आदतें, जरूरत से ज्यादा तनाव और एक्सरसाइज की कमी के कारण दिल संबंधी रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिल, मांसपेशियों से बना अंग है जो शरीर के विभिन्न अंगों में ब्लड की पम्पिंग करता है। दिल की रक्त प्रवाहित करने वाली धमनियों में जब रूकावट आती है तो उस हिस्से में रक्त का संचार ना होने से मांसपेशियां मरने लगती हैं। जिससे दिल की क्रियाविधि प्रभावित होती है, इसी को हार्ट अटैक कहते हैं।

हार्ट अटैक के बाद

अटैक आने के तुरंत बाद जीभ के नीचे एस्पिरिन की एक गोली रखने से भी जोखिम काफी कम हो सकता है। इसके बाद तुरंत विशेषज्ञ के पास पहुंचाएं क्योंकि हार्ट अटैक के 1-6 घंटों को बहुत महत्वपूर्ण समझा जाता है। यदि शुरूआत के घंटों में समुचित चिकित्सा हो जाती है तो दिल को होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। रोगी को सपोर्ट दें, लोगों की सलाह पर कोई दवाई न दें। इसके साथ-साथ समय के साथ हार्ट अटैक के लक्षणों में आ रहे अंतर को समझना भी बेहद जरूरी होता है। उदाहरण के लिए सामान्य लोगों से उलट ज्यादातर डायबिटिक लोगों में हार्ट अटैक आने पर सीने में दर्द होने के बजाय सांस फूलने, घबराहट, छाती में भारीपन, चक्कर आना तथा जबड़े में जकड़न जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करें

कोलेस्ट्रॉल को अपने दिल के करीब न फटकने दें। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए दवाइयों और डाइट पर विशेष ध्यान दीजिए।

धूम्रपान से दूरी

जिनको धूम्रपान के कारण हार्ट अटैक हुआ था वो धूम्रपान बिल्कुल न करें। शोध में पाया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जो मरीज धूम्रपान फिर से शुरू कर देते हैं उनके साल भर के अंदर मरने का अंदेशा होता है।

हार्ट अटैक के बाद बरतें ये सावधानियां

हार्ट अटैक के इलाज के बाद सावधानी

एक बार हार्ट अटैक झेल चुके हृदय के मरीजों को अत्यन्त सावधानी के साथ अपनी जीवन शैली में ऐसे बदलाव अपनाने चाहिए जिससे दूसरी बार अटैक से बचे रहें। हार्ट अटैक के इलाज के बाद मरीज को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासकर दवाइयों को नियमित रूप से लेना जरूरी है। इसके अलावा जिसके कारण उसे हार्ट अटैक हुआ था, उसे नियंत्रित करना चाहिए।

जैतून के तेल का इस्तेमाल

खाने में तेल के इस्तेमाल से ब्लॉकेज तेजी से बढ़ता है, इसलिए तेल कम-से-कम इस्तेमाल करें। वैसे भी, तेल में अपना कोई स्वाद नहीं होता। अगर आपको तेल का इस्तेमाल करना ही हैं तो जैतून के तेल का प्रयोग करें। जैतून के तेल में फैटी एसिड की प्रचुर मात्रा होती है जो हृदय रोग का खतरा कम करती है।

नियंत्रित रखें वजन

मोटापा भी ब्लॉकेज बढ़ा सकता है। इसलिए अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से अपना आदर्श भार पता लगाएं और उस भार को पाने और फिर बनाए रखने के लिए मेहनत करें। बीएमआई 25 से ज्यादा और कमर का माप 34 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

शुगर को नियंत्रित रखें

शुगर के रोगियों में धमनियों में रक्त का थक्का बनने की संभावना काफी अधिक होती है। यदि मरीज को शुगर है तो शुगर को नियंत्रित करने वाली दवा लेना बहुत जरूरी होता है।

ड्राई फूड को शामिल करें

नट्स रक्त वसा पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही यह हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपकी मदद करते हैं। इसमें विटामिन ई, मैगनीशियम, फाइबर व पोटेशियम आदि होते हैं जो हृदय के लिए सुरक्षा तत्व का काम करते हैं। हार्ट अटैक के बाद इन सब बातों को ख्याल रख कर और तली-भूनी चीजों और नमक का कम सेवन, नियमित रूप से आधे घंटे तक वॉक, योग व व्यायाम और भोजन में रेशेदार चीजों को शामिल आप आसानी से दूसरी बार आने वाले अटैक के खतरे से बचे रह सकते हैं।

खीरे से करें अपने घर को कॉकरोच से मुक्त

कॉकरोच की कल्पना से ही हममें से कई लोगों को घिन आने लगती है, यह दुनिया का सबसे बुरा जीव है जो हर किचन में यहां-वहां घूमते हुए दिख जाते हैं। कोई भी घर ऐसा नहीं मिलेगा जहां कॉकरोच न हो। कभी वे आपको सिन्क पर घुमते नजर आयेंगे, तो कभी पाइप के छेद में, कभी फ्रिज के पीछे या फिर हर उस जगह पर दिखेंगे जहां गंदगी होगी। इसे भगाने में इन टिप्स की मदद लीजिए।

कॉकरोच की समस्या

कॉकरोच आपके घर में एक शानदार कॉलोनी बना कर मजे से रहते हैं। जब भी आप किचन में जाती हैं तब ही आपको 2-3 कॉकरोच इधर-उधर भागते हुए दिखते हैं। साथ ही यह सूक्ष्मजीवों को आपके घर में हर जगह फैलाकर कई प्रकार के रोगों को संचारित कर सकते हैं। जाहिर सी बात है आपने इन्हें कंट्रोल करने के लिए पेस्ट कंट्रोल और संहारक की मदद ली होगी, हालांकि यह केमिकल कॉकरोच को मारने के बेस्ट उपायों में से एक हो सकता है, लेकिन यह आपके, आपके बच्चों, आपके पालतू जानवर और आपके साथ रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। कौन चाहता है कि उसके घर के आस-पास कॉकरोच हो, लेकिन कॉकरोच से छुटकारा पाना बहुत मुश्किल काम है। डायनासोर की तरह यह सबसे पुराने ऐसे जीव हैं, जो हजारों लाखों साल से धरती पर बने हुए हैं। एक बार कॉकरोच घर में जगह बना लेने के बाद इन्हें बाहर निकालना वास्तव में एक समस्या होती है। अगर आप इन गन्दगी फैलाने वाले कॉकरोच से परेशान हो चुकी हैं और इन केमिकल से दूर एक असरदार दवाई ढूंढ रही हैं तो खीरे जैसा प्राकृतिक उपचार इन कॉकरोच से आपके घर को छुटकारा दिला सकता है।

खीरे से दूर भगाएं कॉकरोच

खीरा कॉकरोच से छुटकारा पाने का एक शानदार तरीका है। कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए आपको घर में जहां भी कॉकरोच दिखें उस जगह पर खीरे के स्लाइस को रखें। खीरे की स्मैल कॉकरोच को दूर भगाने के लिए काफी है क्योंकि खीरा हानिकारक जीवाणुओं के विकास को बंद करता है, जो कॉकरोच के लिए बाधा के रूप में काम करता है।

इसलिए अगर आप अपने घर के इस दुखदायी जीव से छुटकारा पाना चाहते हैं तो खीरा का उपयोग करें। खीरा बहुत ही आसान घरेलू उपाय है क्योंकि ये सुपरमार्केट में आसानी से मिल जाता है। इसे लाना और इस्तेमाल करना बहुत ही आसान होने के साथ-साथ यह कम पैसों में मिलने वाला और कठोर केमिकल से मुक्त उपाय है। इसके अलावा आप कई अन्य घरेलू उपायों को भी अपना सकते हैं।

अन्य उपाय

कॉकरोच की समस्या लगभग सभी घरों में होती है। कॉकरोच को दूर भगाने के लिए 2 बड़े चम्मच बोरिक पाउडर और 2 बड़े चम्मच गेहूं के आटे को दूध में मिलाकर गूंथ लें। इनकी छोटी गोलियां बनाकर जिस जगह कॉकरोच हों वहां रख दें। लौंग को हम खाना बनाते समय इस्तेमाल करते हैं लेकिन आप इसे कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए भी प्रयोग कर सकती हैं। किचन कैबिनेट के अंदर थोड़ा लौंग रख दीजिए और फिर देखिए कि ये कैसे भागते हैं।

इस व्यायाम से दूर होगी खर्राटे की समस्या

खर्राटे से आपको जितनी अधिक समस्या होती है उससे कहीं अधिक समस्या आपके पार्टनर या आपके साथ सोने वाले दूसरे लोगों को होती है। क्योंकि आपके खर्राटे दूसरों की नींद उड़ा देते हैं। अगर खर्राटे की समस्या को नजरअंदाज किया जाए तो इसके कारण कई बीमारियां होने लगती हैं। लेकिन अगर आप खर्राटे लेते हैं तो यह जानकारी आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। हम आपको ऐसे तीन व्यायाम के बारे में बता रहे हैं जिनका अभ्यास करने से आपको खर्राटों की समस्या नहीं होगी।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त ऊतक जमा हो जाते हैं और इसके कारण वायुमार्ग से जुड़ी मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं। जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सामान्य सांस लेने में समस्या होती है, और खर्राटे आने लगते हैं। बंद मुंह से खर्राटे लेना जीभ की संरचना में समस्या का संकेत है, वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है।

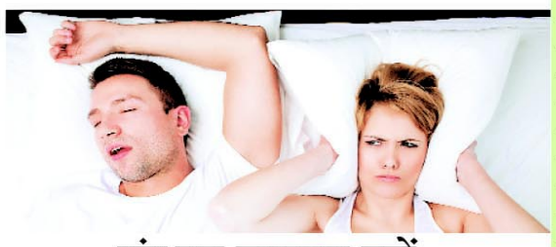

मुंह का व्यायाम करें

खर्राटों से निजात पाने के लिए जीभ के अगले हिस्से को दांतों से सटा लीजिए। फिर जीभ को पीछे की ओर खींचिए। ऐसा एक मिनट तक करें। यह क्रिया दिन में कम से कम तीन बार जरूर दोहराएं। अब मुंह खोलें, निचले जबड़े को दाईं ओर करें और 30 सेकेंड के लिए इसे रोककर रखें। फिर इस क्रिया को बाईं ओर से भी करें। इस अभ्यास को दो से तीन बार दोहराएं।

नुकसानदेह हैं खर्राटे

अगर आपको खर्राटों की समस्या लंबे समय तक रहे तो इसके कारण उच्च रक्तचाप, रात में सीने में दर्द, ध्यान केंद्रित न कर पाना, हृदय की धड़कन असामान्य होना, रक्त में शुगर की मात्रा असंतुलित होना, फेफड़ों में समस्या, हो सकती है। शोधों की मानें तो यह हड्डियों को भी कमजोर कर सकता है। खर्राटों के कारण कैरोटिड धमनियों की दीवार मोटी हो जाती है। इन धमनियों का कुछ भाग गले के बहुत पास होता है और खर्राटों के कारण होने वाले कंपन का प्रभाव इन पर पड़ता है। धमनियों के मोटा होने से स्ट्रोक और धमनियों के कड़ा होने का खतरा बढ़ जाता है। ये दोनों स्थितियां दिल को प्रभावित करती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**